सूर्योदय 5:59 सूर्यास्त 6:42

आज का तापमान

शिमला	16.2 न्यू	21.5 अधि
धर्मशाला	20.2 न्यू	28.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	76,515
निफ्टी	23,897

सोना 1,55,000 चांदी 2,35,456

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | शनिवार, 5 सितंबर 2026 | 20 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 131, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दारा सिंह व गुरदर्शन को 3-3 साल की सजा

एजेंसी, मोहाली। मोहाली की विशेष पीएमएलए अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दारा सिंह और गुरदर्शन सिंह को दोषी करार देते हुए तीन-तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। दोनों पर पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। मामला 1.230 किलोग्राम कोकीन की बरामदगी से जुड़े मादक पदार्थ तस्करी प्रकरण से संबंधित है। ईडी ने पंजाब पुलिस की एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। जांच में छह लाख और चार लाख रुपये के दो चेक सामने आए। अदालत ने तीन सितंबर को दोनों को पीएमएलए की धारा 3 के तहत दोषी माना। ईडी ने कहा कि मादक पदार्थों से जुड़े वित्तीय लेन-देन भी मनी लॉन्ड्रिंग कानून के दायरे में आते हैं।

एशियन हॉस्पिटल में लगी आग, 9 बच्चों समेत 58 मरीज सुरक्षित बचाए

एजेंसी, मुंबई। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर स्थित एशियन हॉस्पिटल में शुक्रवार सुबह पहली मंजिल पर अचानक आग लग गई। घटना से अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल, पुलिस, डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ ने राहत-बचाव कार्य शुरू किया। पहली मंजिल पर भर्ती 58 मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इनमें एनआईसीयू के 9 नवजात, जनरल वार्ड के 36 और स्पेशल रूम के 13 मरीज शामिल थे। सभी नवजातों को एहतियातन दूसरे अस्पतालों में भेजा गया। पांच बच्चों को घाटी, तीन को एमजीएम और एक को संजीवनी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी की हालत सुरक्षित बताई गई है। आग के कारणों की जांच जारी है।

अभिषेक के कमैक स्ट्रीट कार्यालय को खाली करने का निर्देश

एजेंसी, कोलकाता। पश्चिम बंगाल दमकल विभाग ने तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के कमैक स्ट्रीट स्थित कार्यालय की सातवीं और आठवीं मंजिल को तत्काल खाली करने का निर्देश दिया है। विभाग ने अग्निशमन व्यवस्था अपर्याप्त होने और सुरक्षा नियमों के उल्लंघन को इसका कारण बताया। भवन का अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र 10 अगस्त 2026 को समाप्त हो चुका है और उसका नवीनीकरण नहीं कराया गया। जांच के दौरान भवन मालिक की ओर से कोई प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुआ। दमकल विभाग ने आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था होने तक दोनों मंजिलों के इस्तेमाल पर रोक लगाई है। निर्देश की प्रतियां कोलकाता नगर निगम, पुलिस और सीईएससी को भी भेजी गई हैं।

नदी में डूबने से दो किशोरों की मौत, तीसरे की तलाश

एजेंसी, चतरा। झारखंड के चतरा सदर थाना क्षेत्र के कड़गु पटेर स्थित घुरणाडीह नदी में नहाने के दौरान दो किशोरों की मौत हो गई, जबकि तीसरे का पता नहीं चल सका है। मृतकों की पहचान चौर मोहल्ला निवासी अंश प्रकाश और ढंगरटोली निवासी प्रिंस कुमार के रूप में हुई है। दोनों की उम्र करीब 12 से 14 वर्ष बताई गई है। जानकारी के अनुसार तीनों शुक्रवार को नदी किनारे पिकनिक मनाने पहुंचे थे। खाना खाने के बाद वे नहाने नदी में उतरे। कुछ देर बाद दो युवकों के शव मिले। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लिया। घटनास्थल से चप्पल, स्कूल बैग समेत अन्य सामान बरामद हुए हैं। पुलिस तीसरे युवक की तलाश कर रही है।

मोदी ने इटली की पीएम मेलोनी को दी बधाई

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को द्वितीय विश्व युद्ध के बाद इटली के इतिहास में बिना किसी रुकावट के सबसे लंबे समय तक सरकार चलाने का नया रिकॉर्ड बनाने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, 'इटली के युद्ध-बाद के इतिहास में सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री रहने पर मेरी मित्र प्रधानमंत्री मेलोनी को बधाई। यह उपलब्धि उनके नेतृत्व में इटली की जनता के भरोसे और विश्वास को दर्शाती है। भारत-इटली विशेष रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने में उनकी दोस्ती की अहम भूमिका रही है और मैं हमारे देशों के लोगों के लिए एक समृद्ध भविष्य बनाने के लिए हमारे करीबी सहयोग को जारी रखने की उम्मीद करता हूं। आने वाले वर्षों में उनकी निरंतर सफलता के लिए मेरी शुभकामनाएं।'

36,000 किमी की ऊंचाई से पाक चीन पर नजर रखेगा ईओएस-05

भारत ने पहला स्वदेशी सैटेलाइट किया लांच, आपदा से पहले देगा अलर्ट

एजेंसी, श्रीहरिकोटा

इसरो ने वीरवार देर रात 2:55 बजे ईओएस-05 इमेजिंग सैटेलाइट को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। इसे श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एफ17 रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में भेजा गया। ईओएस-05 करीब 36 हजार किलोमीटर की ऊंचाई पर जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में रहकर तस्वीरें लेगा। ऐसा करने वाला भारत का यह पहला सैटेलाइट है। इससे पहले भारत के सभी इमेजिंग सैटेलाइट निचली कक्षा में थे। ईओएस-05 को 36000 किमी पर मौजूद अपनी अंतिम कक्षा तक पहुंचना है।

ईओएस-05 भारत और आसपास के बड़े इलाकों की लगातार तस्वीरें भेज सकेगा। इससे पाकिस्तान-चीन सीमा समेत संवेदनशील और रणनीतिक इलाकों पर नजर रखने में मदद मिलेगी। सैटेलाइट का इस्तेमाल बाढ़, चक्रवात और दूसरी प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी के लिए भी किया जाएगा। इससे आपदा की स्थिति का जल्दी पता लगाने और समय पर चेतावनी देने में मदद मिलेगी। इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने बताया कि संगठन का इस साल छह और मिशन लांच करने का लक्ष्य है। करीब आठ महीने बाद इसरो का यह पहला लांच है। इससे पहले जनवरी 2026 और मार्च 2025 में उसके दो मिशन सफल नहीं हो पाए थे।

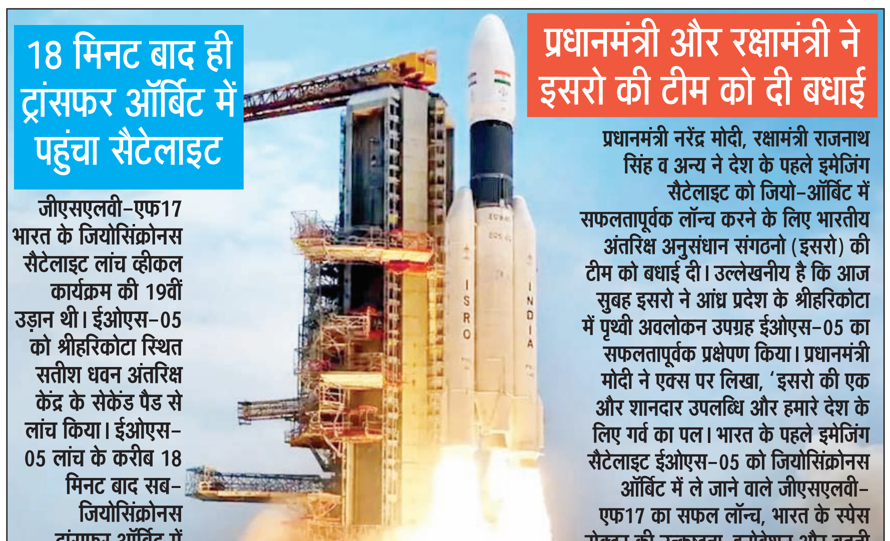

स्वच्छ व विकसित दिल्ली के लिए निगम को निभानी होगी प्रभावी भूमिका : सीएम

निगम समितियों के पदाधिकारियों से मिलीं रेखा गुप्ता

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की विशेष एवं तदर्थ समितियों के नवनियुक्त अध्यक्षों और उपाध्यक्षों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में हुई बैठक में उन्होंने राजधानी को 'विकसित दिल्ली' बनाने के लिए निगम पदाधिकारियों से बेहतर समन्वय और सामूहिक प्रयास का आह्वान किया। बैठक का नेतृत्व महापौर प्रवेश वाही ने किया। इस दौरान उप महापौर मोनिका पंत और नेता सदन जयभगवान यादव सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के बुनियादी विकास, स्वच्छता, कूड़ा निस्तारण और पर्यावरण सुधार में निगम की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने दिल्ली को कूड़ा-मुक्त बनाने के लिए प्रभावी और निरंतर प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ दिल्ली बेहतर जीवन और स्वस्थ वातावरण की पहचान है।

रेखा गुप्ता ने निगम विद्यालयों में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि निगम की कार्यप्रणाली का सीधा असर नागरिकों के दैनिक जीवन पर पड़ता है, इसलिए जनसेवा से जुड़े कार्यों में परिणाम देने वाली व्यवस्था जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने निगम पदाधिकारियों को आश्वस्त किया कि वित्तीय संसाधनों की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए विकास कार्यों को प्राथमिकता देने और केंद्र व दिल्ली सरकार के बीच बेहतर समन्वय से राजधानी को स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित बनाने का आह्वान किया।

सीजेपी कार्यकर्ता के पिता को पीटने वाला स्वतंत्र भारद्वाज दिल्ली पुलिस ने बुलंदशहर से पकड़ा

एजेंसी, नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी कार्यकर्ता नीशू आजाद के पिता के साथ मारपीट करने वाले स्वतंत्र भारद्वाज उत्तर प्रदेश के बुलंद शहर से पकड़े गए। फिलहाल दिल्ली पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया है।

पकड़े जाने से पहले स्वतंत्र ने हसनपुर में मीडिया से करीब 3 मिनट तक बात की और कहा- 'मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। चाहे पूरा विपक्ष एकजुट हो मेरा बाल बांका नहीं कर सकता।' स्वतंत्र की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सीजेपी ने शुक्रवार को दिल्ली के संसद मार्ग थाने में 3 घंटे प्रदर्शन किया। हालांकि पुलिस के आश्वासन के बाद धरना खत्म हुआ।

दरअसल नीशू का आरोप था कि 23 जून को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान उनके पिता संजय के साथ मारपीट की गई। इस बीच स्वतंत्र का एक पॉडकास्ट वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह संजय पर हमला करने की बात कबूल करता नजर आया। हालांकि, उसने कहा कि उसने ऐसा सेल्फ डिफेंस में किया था। इस पर सौरव दास ने सवाल उठाया कि जब आरोपी खुद हमला करने की बात स्वीकार कर रहा है तो पुलिस कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है।

'डिजिटल अरेस्ट' सिंडिकेट पर सीबीआई की 20 राज्यों में 89 ठिकानों पर छापे, 3 गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली। 'डिजिटल अरेस्ट' के जरिए लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले सिंडिकेट के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने देशव्यापी अभियान चलाया। एजेंसी ने 20 राज्यों में 89 स्थानों पर समन्वित तलाशी अभियान चलाकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

सीबीआई के अनुसार, तीन मामलों में पीड़ितों को लंबे समय तक डिजिटल अरेस्ट में रखकर करोड़ों रुपये ठगे गए। बीआईटीएस पिलानी से जुड़े मामले में पीड़ित से तीन महीने में 7.67 करोड़ रुपए, गुजरात के मामले में 19.24 करोड़ रुपए और कर्नाटक के मामले में 15.45 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की गई।

जांच के दौरान सामने आया कि आरोपियों ने ठगी की रकम को कई बैंक खातों में ट्रांसफर कर उसकी लेयरिंग की। गिरफ्तार आरोपियों में हरियाणा निवासी आकाश, कोलकाता निवासी राजा करमाकर और ज्योति रानी शामिल हैं। इनके खातों में ठगी की रकम के करोड़ों रुपए पहुंचे थे, जिन्हें आगे दूसरे खातों में भेजा गया या नकद निकाला गया। तलाशी के दौरान बैंकिंग दस्तावेज, खाता रिकॉर्ड, डिजिटल उपकरण और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य जब्त किए गए हैं।

सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग' को मिला नया प्रकाशक, हार्परकॉलिन्स छापेगा किताब

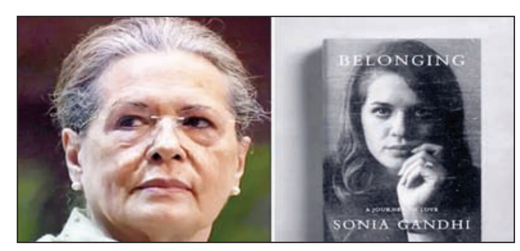

एजेंसी, नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव' के लिए नया प्रकाशक मिल गया है। दरअसल, पेंगुइन रैंडम हाउस के पीछे हटने के बाद अब हार्परकॉलिन्स इंडिया सोनिया गांधी की बहुप्रतीक्षित आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग' का प्रकाशन करेगा।

प्रकाशक ने शुक्रवार को इसकी घोषणा करते हुए बताया कि प्रेम, कर्तव्य और भारत की यात्रा पर आधारित यह संस्मरण 10 नवंबर 2026 को भारत में रिलीज होगी। प्रकाशक ने शुक्रवार दोपहर एक्स (एक्स) पर पोस्ट कर बताया कि यह हमारे समय के सबसे बहुप्रतीक्षित राजनीतिक संस्मरणों में से एक 'बिलॉन्डिंग' प्रेम, पहचान, कर्तव्य और अपनेपन की एक नाटकीय और बेहद व्यक्तिगत कहानी है और भारत की यात्रा का एक दुर्लभ आंतरिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है।

पेंगुइन रैंडम हाउस ने क्यों किया इनकार?

ज्ञात हो कि पेंगुइन की अमेरिकी शाखा अल्फ्रेड ए नॉफ ने घोषणा की कि सोनिया गांधी ने यह किताब 10 नवंबर को दुनिया भर में रिलीज होगी। हालांकि, पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने बयान जारी कर कहा कि वह भारत में इसे छापने के लिए उत्सुक था, लेकिन किताबों में दिए गए तथ्यों की जांच करना प्रकाशक का अधिकार और जिम्मेदारी है। पब्लिशर किताब के कुछ हिस्सों में बदलाव या संपादन चाहता था, जिससे सोनिया गांधी ने साफ इनकार कर दिया। इसके बाद पेंगुइन इंडिया ने इसे भारत में छापने से मना कर दिया।

अयोध्या-काशी की तर्ज पर संवरेगा ब्रज : मुख्यमंत्री योगी

कहा- जिनकी बाबर-औरंगजेब में आस्था होगी, क्या वे आपकी आस्था का सम्मान कर पाएंगे

एजेंसी, मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि अयोध्या और काशी के भव्य विकास के बाद अब ब्रजभूमि को भी जनभावनाओं के अनुरूप विकसित किया जाएगा। डबल इंजन सरकार ब्रज के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि ब्रज की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्ता को ध्यान में रखते हुए यहां अयोध्या और काशी की तर्ज पर भव्य परिसर और आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि वे श्रीकृष्ण जन्मभूमि आने से डरती थीं, क्योंकि उन्हें वोट बैंक की चिंता रहती थी। उन्होंने कहा, 'यह सरकार कृष्ण कन्हैया, प्रभु श्रीराम, बाबा विश्वनाथ और मां विंध्यवासिनी पर विश्वास करती है। जिनकी आस्था बाबर और औरंगजेब में होगी, क्या वे आपकी आस्था का सम्मान कर पाएंगे?'

योगी ने आरोप लगाया कि बाबर और औरंगजेब के अनुयायी समाज में फिर से जहर घोलने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार समाज और राष्ट्र विरोधी तत्वों के मंसूबों को सफल नहीं होने देगी। सरकार युवाओं के भविष्य, महिलाओं की सुरक्षा, किसानों की खुशहाली तथा कारीगरों और हस्तशिल्पियों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

अयोध्या के विकास का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ वर्ष पहले तक वहां बुनियादी सुविधाओं का अभाव था, लेकिन आज अयोध्या धाम में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। फोरलेन सड़कें, बेहतर कनेक्टिविटी, रेलवे की डबल लाइन और आधुनिक सुविधाओं ने अयोध्या का स्वरूप बदल दिया है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि के नाम पर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट भी बनाया गया है।

ब्रज क्षेत्र में श्रद्धालुओं को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि मथुरा-वृंदावन के साथ बरसाना, नंदगांव और गोवर्धन में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि पर्व और त्योहार आस्था के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देते हैं। योगी ने भगवान श्रीकृष्ण के कर्म संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को देश, समाज और परिवार के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी भावना के साथ भारत को विकसित भारत और उत्तर प्रदेश को विकसित उत्तर प्रदेश बनाने का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

श्रीनगर में लैंडिंग के बाद पोल से टकराया इंडिगो का विमान

एजेंसी, श्रीनगर। श्रीनगर हवाई अड्डे पर शुक्रवार को नवी मुंबई से श्रीनगर जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट पार्किंग के दौरान एक खंभे से टकरा गई। विमान को नुकसान तो पहुंचा, लेकिन यात्रियों या चालक दल के किसी सदस्य को कोई चोट नहीं आई। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) ने एक बयान में बताया कि फ्लाइट 6ई 225 (वीटी-एनओजी) को सुबह 9:02 बजे बे नंबर 6 पर पार्क किया जा रहा था, तभी पार्किंग प्रक्रिया के दौरान विमान विजुअल डॉकिंग गाइडेंस सिस्टम (वीडीजीएस) के खंभे से टकरा गया। बयान में कहा गया है कि सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं और किसी को कोई चोट नहीं आई है। बयान में यह भी बताया गया कि यात्री और चालक दल के सदस्य मैन्युअल सीढ़ियों का उपयोग करके सुरक्षित रूप से विमान से उतर गए।

नेपाल बाढ़ : 9 दिन बाद रेस्क्यू टीम ने सुरंग से जिंदा निकाले 2 मजदूर

एजेंसी, काठमांडू। नेपाल बाढ़ के 9 दिन बाद त्रिशूली-3 'ए' हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग से 2 मजदूर जिंदा निकाले गए हैं। शुक्रवार सुबह रेस्क्यू टीम ने दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला। उनकी पहचान संजय साह और कबीर महर्जन के रूप में हुई है।

बाढ़ के बाद सुरंग में 42 कर्मचारी और मजदूरों के फंसे होने की जानकारी सामने आई थी। दो लोगों के जिंदा मिलने के बाद बचाव अभियान में उम्मीद बढ़ी है। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान सुरंग के भीतर से इंसानी आवाज सुनाई देने की सूचना मिली थी। इसके बाद नेपाल सेना और सशस्त्र पुलिस बल की टीमें सुरंग में दाखिल हुईं और तलाशी अभियान तेज किया।

बाढ़ से अब तक 5,300 से ज्यादा लोग लापता हैं। अब तक 1,282 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि राहत और बचाव दलों ने 12,038 लोगों को सुरक्षित निकाला है।

अनुराग की पहल से हिमाचल में नाईपर की राह आसान, केंद्र ने दिया आश्वासन

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश को देश के प्रमुख फार्मास्युटिकल हब के रूप में और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर सांसद अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा हिमाचल में राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) स्थापित करने अथवा नाईपर मोहाली का एक्सटेंशन सेंटर खोलने के प्रस्ताव पर केंद्र सरकार ने सकारात्मक रुख अपनाया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अनुसार इस प्रस्ताव पर केंद्रीय बजट 2026-27 में घोषित बायोफार्मा शक्ति पहल के तहत विचार किया जाएगा। राज्य में उच्चस्तरीय फार्मास्युटिकल शिक्षा एवं अनुसंधान सुविधा स्थापित होने से उद्योग और

अकादमिक क्षेत्र के बीच बेहतर तालमेल विकसित होने के साथ अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास को बढ़ावा मिलेगा।

हिमाचल में वर्तमान में 650 से अधिक फॉर्मूलेशन इकाइयां संचालित हैं, जिनका वार्षिक कारोबार करीब 40 हजार करोड़ रुपए बताया गया है। ऐसे में नाईपर जैसी संस्था राज्य की मौजूदा फार्मा क्षमता को नई दिशा दे सकती है। यह पहल ऊना में विकसित हो रहे बल्क ड्रग पार्क के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। परियोजना से करीब 15 हजार करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित होने और लगभग 20 हजार रोजगार अवसर सृजित होने की संभावना है।

केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने अनुराग ठाकुर को आश्वस्त किया है कि बायोफार्मा शक्ति के क्रियान्वयन की रूपरेखा तैयार करते समय संबंधित हितधारकों से विचार-विमर्श कर प्रस्ताव का समुचित परीक्षण किया जाएगा। अनुराग ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जेपी नड्डा का आभार जताते हुए कहा कि नाईपर की सुविधा से हिमाचल के युवाओं को उच्चस्तरीय प्रशिक्षण, कौशल विकास और अनुसंधान के नए अवसर मिलेंगे।

किस्त वन-क्लिक में 9.91 लाख लाभार्थियों के खातों में पहुंची पेंशन, 5,605 नए लाभार्थी जुड़े

सीएम धामी ने जारी की 147 करोड़ की सामाजिक सुरक्षा पेंशन

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय से समाज कल्याण विभाग की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत अगस्त 2026 की पेंशन किस्त का वन-क्लिक के माध्यम से भुगतान किया। इस दौरान 9 लाख 91 हजार 914 लाभार्थियों के खातों में 147 करोड़ 05 लाख 51 हजार रुपये की धनराशि भेजी गई। अगस्त माह में विभिन्न योजनाओं के तहत 5,605 नए लाभार्थियों की पेंशन भी स्वीकृत की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कमजोर, जरूरतमंद और वंचित वर्गों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से मिले। उन्होंने अधिकारियों को पेंशन योजनाओं के संचालन में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं का संवेदनशीलता से समाधान करने के निर्देश दिए।

अगस्त माह में 5,605 नई पेंशन स्वीकृत की गईं। इनमें वृद्धावस्था पेंशन के 3,945, विधवा पेंशन के 1,000, दिव्यांग पेंशन के 416, किसान पेंशन के 106, परित्यक्ता पेंशन के 23 और भरण-पोषण अनुदान के 115 लाभार्थी शामिल हैं। बैठक में बताया गया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, भारत सरकार की ओर से 18 और 19 सितंबर 2026 को नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में दो दिवसीय राष्ट्रीय विभागीय शिखर सम्मेलन प्रस्तावित है। इसमें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता से जुड़ी प्राथमिकताओं पर केंद्र, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के बीच विचार-विमर्श किया जाएगा।

इस अवसर पर समाज कल्याण मंत्री खजानदास, सचिव समाज कल्याण डॉ. श्रीधर बाबू अद्दांकी, अपर सचिव विक्रम यादव, संयुक्त सचिव धीरेंद्र सिंह, संयुक्त निदेशक गीताराम नौटियाल और सहायक निदेशक हेमलता पांडेय सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पेंशन में आधार की अड़चन बनी तो अकाउंट बेस्ड पेमेंट से मिलेगा लाभ

धामी ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को नियमित भुगतान किया जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन पात्र लाभार्थियों का किसी कारणवश आधार नहीं बन पा रहा है, उन्हें चिन्हित कर अकाउंट बेस्ड पेमेंट की व्यवस्था की जाए, ताकि आधार संबंधी समस्या के कारण कोई पात्र व्यक्ति पेंशन से वंचित न रहे। बैठक में बताया गया कि अगस्त 2026 में वृद्धावस्था, विधवा, दिव्यांग, किसान, परित्यक्ता, भरण-पोषण अनुदान, तीलू रौतेली और बौना पेंशन योजनाओं के कुल 9,91,914 लाभार्थियों के लिए 147 करोड़ 05 लाख 51 हजार रुपये निर्धारित किए गए हैं। इनमें 2,14,711 लाभार्थी राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (NSAP) के तहत तथा 7,77,203 लाभार्थी राज्य स्तर पर आच्छादित हैं। कुल राशि में करीब 140 करोड़ 11 लाख रुपए राज्यांश और 6 करोड़ 94 लाख रुपये केंद्रांश शामिल है।

जन्माष्टमी पर श्रीकृष्ण के जीवन और शिक्षाओं को विशेष रूप से किया याद

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। जन्माष्टमी के अवसर पर बालिका आश्रम सुंदरनगर में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, आदर्शों और श्रीमद्भगवद्गीता के संदेशों को याद करते हुए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना अधिकारी सुंदरनगर पूनम चौहान ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस दौरान बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म और उनके बाल जीवन से जुड़ी विभिन्न घटनाओं को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। इस अवसर पर श्रीकृष्ण के आदर्शों, उनके जीवन संघर्ष और मानवता के लिए दिए गए संदेशों पर भी प्रकाश डाला गया। मुख्यातिथि पूनम चौहान ने कहा कि जन्माष्टमी का पर्व पूरे देश में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। श्रद्धालु इस दिन उपवास रखते हैं तथा पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और धार्मिक आयोजनों में भाग लेते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन सत्य, धर्म, कर्तव्य और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मथुरा के कारागार में हुआ था। वसुदेव उन्हें यमुना पार कर गोकुल ले गए, जहां नंद बाबा और माता यशोदा ने उनका पालन-पोषण किया।

पूनम चौहान ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने कर्म को प्रधानता देते हुए मानव जीवन को महत्वपूर्ण संदेश दिया।

मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने सड़क सुरक्षा और रखरखाव को लेकर किए अहम संशोधन

सड़क ढांचे की सुरक्षा के साथ क्षतिग्रस्त सड़कों की तत्काल मरम्मत और उल्लंघन पर कार्रवाई का प्रावधान

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि हिमाचल प्रदेश विधानसभा द्वारा पारित 'हिमाचल प्रदेश सड़क अवसंरचना संरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2026' प्रदेश में सड़क अवसंरचना की सुरक्षा, रखरखाव और प्रबंधन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि संशोधनों का उद्देश्य कानून के प्रवर्तन को त्वरित, प्रभावी और पारदर्शी बनाना है। इसके साथ ही आम जनता और विभागीय अधिकारियों के लिए विभिन्न प्रक्रियाओं को भी सरल किया गया है।

डिजिटल मानचित्र से आसान होगा सीमांकन : लोक निर्माण मंत्री ने बताया कि संशोधित प्रावधानों में सड़क अवसंरचना के डिजिटल एवं जियो-कोऑर्डिनेटेड मानचित्र तैयार करने की व्यवस्था की गई है। सड़क की सीमा का

उचित तरीके से मानचित्रण और जियो-कोऑर्डिनेशन होने के बाद अधिनियम के तहत कार्रवाई के लिए बार-बार भौतिक सीमांकन करने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे प्रवर्तन प्रक्रिया में तेजी आएगी।

उन्होंने कहा कि सड़क की सीमाएं स्पष्ट होने से सड़क किनारे निर्माण और अन्य संबंधित गतिविधियों के लिए अनुमति तथा अनापत्ति प्रमाण-पत्र जारी करने की प्रक्रिया भी शीघ्र पूरी की जा सकेगी।

क्षतिग्रस्त ढांचे की तत्काल बहाली : विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि संशोधनों में क्षतिग्रस्त सड़कों, पुलों, जल निकासी संरचनाओं और अन्य सड़क अवसंरचना की तत्काल बहाली का प्रावधान किया गया है। यदि किसी व्यक्ति की ओर से सड़क अवसंरचना को नुकसान पहुंचाया जाता है तो उससे मरम्मत का खर्च और जुर्माने की राशि वसूली जाएगी।

उन्होंने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में, विशेषकर सड़क अवसंरचना या सार्वजनिक सुरक्षा को खतरा होने पर, विभाग तत्काल निवारक कार्रवाई कर सकेगा। इससे गंभीर परिस्थितियों में समय रहते आवश्यक कदम उठाने में मदद मिलेगी।

जरूरत पड़ने पर सड़क बंद करने का अधिकार : मंत्री ने बताया कि बेहतर रखरखाव और समय पर मरम्मत सुनिश्चित करने के लिए अब आवश्यकतानुसार सड़क या उसके किसी हिस्से को प्रतिबंधित अथवा बंद किया जा सकेगा। यह व्यवस्था रखरखाव, मरम्मत और सड़क अवसंरचना की सुरक्षा से जुड़े कार्यों के दौरान लागू की जा सकेगी इससे विभाग को जरूरी निर्माण और मरम्मत कार्य सुरक्षित एवं प्रभावी तरीके से पूरा करने में सुविधा होगी।

लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि संशोधन के माध्यम से अपराध संबंधी प्रावधानों को भी तर्कसंगत बनाया गया है। अब हर उल्लंघन को आपराधिक अपराध मानने की व्यवस्था समाप्त कर दी गई है।

शिक्षक बनने की डिग्री, फिर भी रोजगार नहीं; 81 हजार युवा कतार में

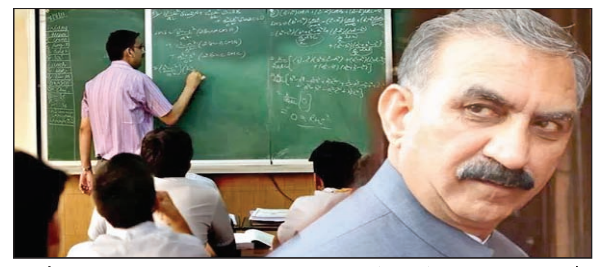

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में शिक्षक बनने की तैयारी कर रहे 81,282 प्रशिक्षित अभ्यर्थी सरकारी नौकरी का इंतजार कर रहे हैं। इनमें 65,254 बीएड और 16,028 डीएलएड पास अभ्यर्थी रोजगार कार्यालयों में पंजीकृत हैं। वहीं, सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के हजारों पद खाली पड़े हैं। इससे प्रशिक्षित बेरोजगारों और रिक्त पदों के बीच बड़ा अंतर सामने आया है।

31 जुलाई तक के सरकारी आंकड़ों के अनुसार जेबीटी के 646, टीजीटी कला के 3,318, टीजीटी नान मेडिकल के 318 और टीजीटी मेडिकल के 226 पद रिक्त हैं। हालांकि, उपलब्ध आंकड़ों में कुल रिक्त पदों को लेकर कुछ विसंगति भी सामने आई है।

बीएड पास बेरोजगारों की संख्या कांगड़ा में सबसे अधिक 16,076 है। इसके बाद मंडी में 13,682, हमीरपुर में 7,381 और बिलासपुर में 5,149 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। ऊना में 4,653, शिमला में 4,644, सिरमौर में 3,793, चंबा में 3,076 और सोलन में 2,912 बीएड धारक नौकरी की कतार में हैं।

डीएलएड अभ्यर्थियों की संख्या भी 16 हजार से अधिक है। मंडी में 2,798 और कांगड़ा में 2,598 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। सिरमौर में 1,908, चंबा में 1,839, हमीरपुर में 1,215, ऊना में 1,244 और शिमला में 1,124 अभ्यर्थी रोजगार की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

शिक्षक बनने के लिए हर साल बड़ी संख्या में युवा बीएड और डीएलएड करते हैं, लेकिन नियमित भर्तियां अपेक्षित गति से नहीं हो पा रही हैं।

दसेरन की सरस्वती ने नर्सिंग परीक्षा में हासिल की अखिल भारतीय तीसरी रैंक

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। उपमंडल अर्की की ग्राम पंचायत दसेरन के गांव दसेरन की बेटी सरस्वती (मोनू) ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर नर्सिंग के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। सरकारी स्कूल से पढ़ाई शुरू करने वाली सरस्वती ने वर्ष 2026 में मुंबई स्थित कैंसर अस्पताल की वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी परीक्षा में पूरे देश में तीसरा स्थान हासिल किया है। उनकी इस सफलता से परिवार, गांव और अर्की क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

स्वर्गीय सूबेदार कर्म सिंह पंवार की बेटी सरस्वती की प्रारंभिक शिक्षा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धूंदन से हुई। इसके बाद उन्होंने सरकारी कॉलेज मंडी से जीएनएम की पढ़ाई पूरी की और पीजीआई चंडीगढ़ से बीएससी नर्सिंग की डिग्री हासिल की। सरस्वती ने वर्ष 2019 में चंडीगढ़ के 32 अस्पताल में नर्सिंग अधिकारी के पद पर सरकारी

नौकरी प्राप्त की। उनका लक्ष्य एम्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में सेवाएं देना था। इसी लक्ष्य को लेकर उन्होंने तैयारी जारी रखी और वर्ष 2021 में एम्स की परीक्षा उत्तीर्ण कर एम्स गोरखपुर में नर्सिंग अधिकारी के पद पर नियुक्ति हासिल की।

वर्ष 2023 में उन्होंने कैंसर अस्पताल की नर्सिंग अधिकारी परीक्षा उत्तीर्ण की और होमी भाभा कैंसर अस्पताल, न्यू चंडीगढ़ में सेवाएं शुरू कीं। इसके बाद वर्ष 2026 में मुंबई की वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर तीसरी रैंक हासिल कर अपनी प्रतिभा साबित की।

भाजपा ने परिवहन, देव समाज और बुनकर प्रकोष्ठों में नई टीम उतारकर संगठन विस्तार को दी गति

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय जनता पार्टी हिमाचल प्रदेश ने संगठनात्मक विस्तार को गति देते हुए परिवहन प्रकोष्ठ, देव समाज प्रकोष्ठ और बुनकर प्रकोष्ठ में प्रदेश सह संयोजकों एवं जिला संयोजकों की नई नियुक्तियां की हैं। संबंधित प्रकोष्ठों के प्रदेश संयोजकों ने प्रदेश नेतृत्व से चर्चा के बाद इन नियुक्तियों की घोषणा की। सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

परिवहन प्रकोष्ठ में तीन सह संयोजक : भाजपा परिवहन प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक मनोज कुमार राणा ने रमेश कमल, संजय ठाकुर और महेंद्र मनकोटिया को प्रदेश सह संयोजक नियुक्त किया है। उन्होंने कहा कि नई टीम परिवहन क्षेत्र से जुड़े लोगों के साथ संगठन का संवाद मजबूत करने के साथ उनकी समस्याओं और सुझावों को प्रभावी ढंग से पार्टी नेतृत्व तक पहुंचाने का

कार्य करेगी।

देव समाज प्रकोष्ठ में नई टीम : देव समाज प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रेम प्रसाद पंडित ने मीना शर्मा, प्रकाश बंसल और मकर ध्वज को प्रदेश सह संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी है। जिला स्तर पर चंबा में सुधीर शर्मा, देहरा में विपु शर्मा, हमीरपुर में रजनीश शर्मा, कांगड़ा में संजीव गोस्वामी, कुल्लू में मोती राम शर्मा, किन्नौर में रणजीत नेगी, लाहौल-स्पीति में सतीश लाल शर्मा, महासू में विकास पालसरा, मंडी में कृष्ण वैद्य, नूरपुर में राम कुमार शर्मा, पालमपुर में परवेश शर्मा, शिमला में अशोक शर्मा, सोलन में लाज किशोर शर्मा, सुंदरनगर में चुड़ामणि शर्मा, सिरमौर में रणजीत जुब्बड और ऊना में मनोहर लाल को जिला संयोजक नियुक्त किया गया है।

नई टीम प्रदेश की समृद्ध देव संस्कृति, परंपराओं और देव समाज से जुड़े विषयों को संगठनात्मक स्तर पर मजबूती से आगे बढ़ाएगी।

बुनकर प्रकोष्ठ में भी जिम्मेदारियां तय : बुनकर प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक शिवचरण चौहान ने अनिल कल्हान, दाबा ठाकुर, जीवानन्द ठाकुर और सुखराम को प्रदेश सह संयोजक नियुक्त किया है। मंडी में लाल दास और किन्नौर में विद्यासागर को जिला संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है।

प्रकोष्ठ के माध्यम से प्रदेश के बुनकरों, हस्तशिल्पियों और इस क्षेत्र से जुड़े वर्गों के साथ संगठन का संपर्क मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। मनोज कुमार राणा, प्रेम प्रसाद पंडित और शिवचरण चौहान ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

जन्माष्टमी पर जयराम ठाकुर ने श्री कृष्ण मंदिर में पूजा-अर्चना कर मांगी प्रदेश की खुशहाली

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने जन्माष्टमी के पावन अवसर पर शिमला के गंज बाजार स्थित श्री कृष्ण मंदिर में पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने भगवान श्री कृष्ण का आशीर्वाद लिया और प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति एवं प्रसन्नता की कामना की।

जयराम ठाकुर ने मंदिर में भगवान श्री कृष्ण की पूजा कर प्रदेश की खुशहाली और सभी लोगों के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि भगवान श्री कृष्ण का जीवन और उनकी शिक्षाएं मानव समाज को सत्य, धर्म और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। जन्माष्टमी का पर्व हमें भगवान श्री कृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने और समाज में प्रेम, सद्भाव तथा भाईचारे की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है।

उन्होंने प्रदेशवासियों को जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए। उन्होंने प्रदेश की एकता, अखंडता और खुशहाली के लिए भी प्रार्थना की।

कैग रिपोर्ट से सुक्खू सरकार पर जयराम ठाकुर का तीखा हमला

रिपोर्ट में वित्तीय अनियमितताओं और ई-टेंडर प्रक्रिया पर उठे गंभीर सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मानसून सत्र के अंतिम दिन विधानसभा पटल पर रखी गई नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की ऑडिट रिपोर्ट को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सुक्खू सरकार पर तीखा हमला बोला है। शिमला से जारी बयान में उन्होंने आरोप लगाया कि कैग की रिपोर्ट ने सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन और कथित सत्ता संरक्षित भ्रष्टाचार की पोल खोल दी है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में ऑनलाइन निविदा प्रक्रिया, खरीद व्यवस्था और कर वसूली सहित कई मामलों में अनियमितताएं सामने आई हैं, जिसका खामियाजा प्रदेश को राजस्व नुकसान के रूप में भुगतना पड़ा।

जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में राजस्व घाटे और राजकोषीय घाटे की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। उन्होंने दावा किया कि वित्तीय कुप्रबंधन का आलम यह है कि बिना बजट के लगभग 438 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जबकि बिना खर्च के भी 673 करोड़ रुपये की योजनाओं के प्रावधान किए गए। उन्होंने सवाल उठाया कि इन

वित्तीय खामियों के लिए कौन जिम्मेदार है और सरकार के संरक्षण में किन लोगों को लाभ पहुंचाया जा रहा है।

नेता प्रतिपक्ष ने सरकारी विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों में वस्तुओं, सेवाओं और कार्यों की खरीद तथा ई-टेंडर प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कैग की रिपोर्ट में ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां एक ही आईपी पते से बोलियां लगाए जाने की बात सामने आई है। कुछ बोलियों में बेहद मामूली अंतर भी पाया गया।

जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि यह स्थिति विभागीय स्तर पर मिलीभगत की ओर संकेत करती है। उन्होंने सवाल किया कि यदि विभागीय संसाधनों का इस्तेमाल कर विभाग के कार्यालयों से ही ई-टेंडर भरे गए, तो इसके पीछे किसका निर्देश और संरक्षण था। उन्होंने मुख्यमंत्री से इस पूरे मामले की स्थिति प्रदेश की जनता के सामने स्पष्ट करने की मांग की।

जयराम ठाकुर ने उच्च न्यायालय के उस फैसले का स्वागत किया, जिसमें सरकार की एक प्रमुख नियुक्ति को रद्द करते हुए पात्र व्यक्ति की नियुक्ति के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह फैसला सरकार की मनमानी पर रोक लगाने वाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के कथित व्यवस्था परिवर्तन का नकाब अब हर मोर्चे पर उतर रहा है। उनके अनुसार सरकार के कानून न्याय की कसौटी पर खरे नहीं उतर रहे और नियुक्तियों में भी चहेतों को लाभ पहुंचाने के आरोप लग रहे हैं।

जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री को नसीहत देते हुए कहा कि उन्हें मनमाने और तानाशाहीपूर्ण तरीके से काम करने के बजाय संविधान और कानून के दायरे में रहकर शासन करना चाहिए।

विधायकों को मिलेगी नीली झंडी, वाहनों से होगी अलग और स्पष्ट आधिकारिक पहचान

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के विधायकों के वाहनों की अब दूर से ही अलग पहचान हो सकेगी। विधानसभा की ओर से सभी विधायकों को नीले रंग की विशिष्ट झंडी उपलब्ध करवाई जाएगी। इसका इस्तेमाल विधायक राज्य के भीतर ही नहीं, बल्कि प्रदेश से बाहर भी कर सकेंगे। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने वीरवार को मानसून सत्र के समापन से पहले सदन में इसकी जानकारी दी।

विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि सभी विधायकों के लिए विधानसभा की विशिष्ट झंडी तैयार कर ली गई है। इसे एक सप्ताह के भीतर सभी सदस्यों को उपलब्ध करवा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सदस्य सुविधा समिति की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया है।

विधायकों के लिए अलग पहचान वाली झंडी की मांग विधानसभा में कई बार उठती रही है। सदस्यों का तर्क था कि आम लोगों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच उनके वाहनों की अलग से पहचान नहीं हो पाती।

विधानसभा क्षेत्रों के दौरे के दौरान और प्रदेश से बाहर जाने पर भी विधायक के वाहन को पहचानने में परेशानी होती थी।

कई विधायक इस समस्या के कारण निजी या सरकारी वाहनों के आगे और पीछे के शीशों पर एमएलए लिखवाते थे। अब आधिकारिक नीली झंडी मिलने के बाद इसकी जरूरत नहीं पड़ेगी। झंडी से वाहन और उसके सवार विधायक की पहचान स्पष्ट हो सकेगी।

विधायकों के वाहनों पर झंडी की व्यवस्था पहले भी चर्चा में रही है। मई 2021 में जयराम सरकार ने निजी वाहनों पर विशेष झंडी का प्रस्ताव स्वीकार किया था।

कैन खाद की कमी से बागवान परेशान, केंद्र से मांगी राहत

शिक्षा मंत्री ने केंद्र से शीघ्र उपलब्धता सुनिश्चित करने का किया आग्रह

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश में कैल्शियम अमोनियम नाइट्रेट (कैन) उर्वरक की उपलब्धता न होने से सेब उत्पादकों को पेश आ रही समस्याओं का मामला केंद्रीय स्वास्थ्य एवं रसायन तथा उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा के समक्ष उठाया है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को पत्र लिखकर प्रदेश के बागवानों के हित में कैन उर्वरक की उपलब्धता जल्द सुनिश्चित करने का अनुरोध किया।

सेब अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार : रोहित ठाकुर ने पत्र में कहा कि सेब उद्योग हिमाचल प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। यह हर वर्ष प्रदेश की अर्थव्यवस्था में करीब 6,000 करोड़ रुपये का योगदान देता है और हजारों किसान परिवार प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से इससे जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि सेब के बगीचों के लिए कैन 25 प्रतिशत नाइट्रोजन उपलब्ध कराने वाला भरोसेमंद और किफायती उर्वरक है।

उत्पादन बंद होने से बढ़ी परेशानी: शिक्षा मंत्री ने कहा कि कैन का उत्पादन बंद होने के बाद बागवानों को यूरिया, कैल्शियम नाइट्रेट और मिश्रित एनपीके उर्वरकों जैसे विकल्पों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। ये विकल्प सेब के बगीचों की विशिष्ट पोषक तत्वों की जरूरतों के लिए पूरी तरह उपयुक्त नहीं हैं और अपेक्षाकृत महंगे भी हैं। इससे सेब उत्पादकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

यूरिया के इस्तेमाल पर चिंता : उन्होंने केंद्रीय मंत्री को बताया कि यूरिया के लंबे समय तक इस्तेमाल से मिट्टी की अम्लता बढ़ने, मिट्टी की संरचना प्रभावित होने और पौधों की जड़ों को नुकसान पहुंचने जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

बागवानों के हित में कदम की उम्मीद

शिक्षा मंत्री ने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार इस मामले पर शीघ्र विचार करेगी और सेब उत्पादकों के लिए उपयुक्त एवं किफायती उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने केंद्रीय मंत्री का मामला संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाने और बागवानों के हित में कार्रवाई का आश्वासन देने के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बागवानों के हितों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। हिमाचल की सेब अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए समय पर आवश्यक कृषि इनपुट उपलब्ध करवाना बेहद जरूरी है।

जवाबदेही पहली कैबिनेट में एक लाख पक्की नौकरियों के वादे पर भाजपा ने सरकार को घेरा

संदीपनी भारद्वाज ने सुक्खू सरकार पर लगाया वादाखिलाफी का आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता संदीपनी भारद्वाज ने प्रदेश में रोजगार को लेकर सरकार की ओर से सामने आए आंकड़ों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस सरकार पर युवाओं से वादाखिलाफी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने प्रदेश के युवाओं को पहली कैबिनेट में एक लाख पक्की नौकरियां देने की गारंटी दी थी, लेकिन सत्ता में आने के बाद अब सरकार पांच वर्ष के कार्यकाल में एक लाख नौकरियां देने की बात कर रही है। यह कांग्रेस की चुनावी गारंटी और मौजूदा कार्यप्रणाली के बीच बड़ा अंतर है।

भारद्वाज ने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव के दौरान केवल रोजगार देने का वादा नहीं किया था, बल्कि युवाओं को ऐसी पक्की सरकारी नौकरी देने का भरोसा दिलाया था, जिसमें 58 वर्ष की आयु तक रोजगार की सुरक्षा हो। उन्होंने सवाल उठाया कि पहली कैबिनेट में एक लाख पक्की नौकरियां देने का वादा आखिर कहां चला गया। क्या चुनाव के समय युवाओं से की गई गारंटी केवल वोट हासिल करने का माध्यम थी?

उन्होंने कहा कि प्रकाशित समाचारों के अनुसार सरकार ने दिसंबर 2025 तक 32,223 सरकारी नौकरियां दिए जाने और करीब 18 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया चलने की जानकारी दी है। सरकार ने दिसंबर 2026 तक यह संख्या 50 हजार तक पहुंचाने और अगले वर्ष 30 हजार से अधिक नौकरियां देने का लक्ष्य बताया है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि सरकार के ये आंकड़े स्वयं कांग्रेस की चुनावी गारंटी और वर्तमान स्थिति के बीच के अंतर को सामने ला रहे हैं।

वादे की जगह बदली परिभाषा : संदीपनी भारद्वाज ने कहा कि चुनाव से पहले कांग्रेस नेताओं ने बेरोजगार युवाओं के सामने बड़े-बड़े आंकड़े रखे थे। उस समय पहली कैबिनेट में एक लाख पक्की नौकरियां देने की बात कही गई थी, जबकि अब पांच साल में एक लाख के करीब नौकरियां देने की बात हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का युवा जानना चाहता है कि पहली कैबिनेट में एक लाख पक्की नौकरियों की गारंटी का क्या हुआ।

नियुक्तियों पर भी उठाए सवाल : भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में चंद पक्की नौकरियों और महत्वपूर्ण नियुक्तियों को लेकर भाई-भतीजावाद तथा सरकार के करीबी लोगों को लाभ पहुंचाने के सवाल लगातार उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लाखों बेरोजगार युवा रोजगार के लिए इंतजार कर रहे हैं, लेकिन सत्ता के नजदीकी लोगों के परिवारों को अवसर मिलने के आरोप सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार को रोजगार के आंकड़ों का स्पष्ट ब्योरा जनता के सामने रखना चाहिए। नियमित सरकारी नौकरी, अस्थायी नियुक्ति, आउटसोर्स रोजगार और निजी क्षेत्र में पैदा हुए अवसरों को अलग-अलग करके बताया जाना चाहिए। केवल बड़े आंकड़े प्रस्तुत कर सरकार पहली कैबिनेट में एक लाख पक्की नौकरियों की गारंटी से बच नहीं सकती।

निजी रोजगार को जोड़ने पर आपत्ति : भारद्वाज ने कहा कि सरकार अब निजी क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने की आवश्यकता बता रही है, जबकि चुनाव के समय कांग्रेस का प्रमुख वादा सरकारी क्षेत्र में पक्की नौकरियां देने का था। यदि सरकार अपनी चुनावी गारंटी पूरी करने के बजाय निजी क्षेत्र में पैदा हुए रोजगार को भी उपलब्धियों में जोड़ रही है, तो यह बेरोजगार युवाओं के साथ अन्याय है।

उन्होंने सरकार से मांग की कि वह स्पष्ट करे कि पहली कैबिनेट के तहत कितनी पक्की नौकरियां स्वीकृत हुईं, कितने युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए और कितने पदों पर 58 वर्ष तक की सेवा सुरक्षा उपलब्ध है।

जाहू की कशिश ने नीट में रचा सफलता का नया इतिहास

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जाहू की प्रतिभाशाली बेटी कशिश शर्मा ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) में शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कशिश ने नीट-यूजी परीक्षा में 514 अंक हासिल कर राज्य मैरिट में 379वां स्थान प्राप्त किया। पहले चरण की काउंसलिंग के बाद उन्हें पंडित जवाहरलाल नेहरू राजकीय मेडिकल कॉलेज चंबा में एमबीबीएस में प्रवेश मिला है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। कशिश की सफलता पर परिजनों, रिश्तेदारों और स्थानीय लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। कशिश ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल जाहू की छात्रा रही हैं। उन्होंने प्राथमिक स्तर से ही पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और मेहनत व लगन के बल पर नीट जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता हासिल की। कशिश ने अपनी उपलब्धि से यह साबित किया है कि दृढ़ संकल्प और निरंतर मेहनत के दम पर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। एमबीबीएस में प्रवेश मिलने के बाद अब वह चिकित्सक बनने की दिशा में अपने सपने को साकार करने की ओर बढ़ गई हैं।

हिमाचल हाईकोर्ट ने सुरेंद्र वशिष्ठ को हिमुडा सीईओ पद से हटाने के दिए निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट अर्थॉरिटी (हिमुडा) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद पर तैनात सुरेंद्र वशिष्ठ की नियुक्ति को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। न्यायालय ने उन्हें इस पद के लिए अयोग्य ठहराते हुए पद से हटाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही प्रदेश सरकार को नियमों और निर्धारित योग्यता के अनुरूप योग्य एवं पात्र अधिकारी को हिमुडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद पर नियुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

न्यायालय ने सरकार को इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई के लिए दो सप्ताह की समयसीमा निर्धारित की है। ऐसे में अब प्रदेश सरकार को निर्धारित अवधि के भीतर हिमुडा के सीईओ पद पर नई नियुक्ति को लेकर निर्णय लेना होगा। न्यायालय के आदेश के बाद प्रशासनिक स्तर पर इस पद के लिए पात्र अधिकारियों के नामों पर विचार की प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है।

वरिष्ठ अधिकारी की याचिका पर सुनवाई : यह मामला हिमुडा के विभाग में वरिष्ठ अधिकारियों में

शामिल अंजोरी कपूर की ओर से उच्च न्यायालय में दायर याचिका के माध्यम से उठाया गया था। याचिका में हिमुडा के सीईओ पद पर सुरेंद्र वशिष्ठ की नियुक्ति की पात्रता तथा निर्धारित नियमों को लेकर सवाल उठाए गए थे। याचिकाकर्ता की ओर से नियुक्ति में लागू नियमों और पद के लिए निर्धारित योग्यता के संबंध में न्यायालय का ध्यान आकर्षित किया गया।

मामले की सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय ने सुरेंद्र वशिष्ठ को सीईओ पद के लिए अयोग्य माना और सरकार को नियमों के अनुरूप पात्र अधिकारी की नियुक्ति करने के निर्देश दिए।

नियमों के पालन पर जोर : उच्च न्यायालय के इस फैसले को महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय के रूप में देखा जा रहा है। फैसले से महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर नियुक्तियों में निर्धारित योग्यता और नियमों के पालन की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। साथ ही यह संदेश भी गया है कि किसी भी पद पर नियुक्ति करते समय संबंधित नियमों और पात्रता मानकों का पालन आवश्यक है।

न्यायालय के निर्देशों के बाद अब प्रदेश सरकार के समक्ष हिमुडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद पर योग्य अधिकारी की नियुक्ति करने की जिम्मेदारी है। सरकार को दो सप्ताह के भीतर इस संबंध में आवश्यक कदम उठाने होंगे। फैसले के बाद प्रशासनिक हलकों में भी इस नियुक्ति को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

घुमारवीं में 30 करोड़ से बनेगा आधुनिक इंडोर स्टेडियम : धर्माणी

कहा–खेल प्रतिभाओं को मिलेगा नया मंच, कारलोटी में साढ़े तीन करोड़ से बनेगा खेल मैदान

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। नगर नियोजन, आवास एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेलों की अहम भूमिका है। पढ़ाई के साथ खेलों में भाग लेने से बच्चों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास होता है। प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में खेल अधोसंरचना को मजबूत करने और खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

राजेश धर्माणी शुक्रवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कठलग में आयोजित तीन दिवसीय अंडर-19 छात्र खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि घुमारवीं में करीब 30 करोड़ की लागत से आधुनिक इंडोर स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। इसमें खिलाड़ियों के लिए हॉस्टल की सुविधा भी उपलब्ध होगी। वहीं, कारलोटी में करीब साढ़े तीन करोड़ रुपये की लागत से खेल मैदान का निर्माण एवं विकास किया जाएगा। इन सुविधाओं के विकसित होने से ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने के लिए बेहतर अवसर मिलेंगे और वे जिला, प्रदेश, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे।

मंत्री ने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके माध्यम से विद्यार्थियों में मेहनत, अनुशासन, सहयोग और नेतृत्व जैसे गुण विकसित होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई के साथ खेलों, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट एंड गाइड और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में क्षेत्र के 14 विद्यालयों के 177 खिलाड़ियों ने भाग लिया। कबड्डी, खो-खो, बैडमिंटन और वॉलीबॉल की स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। कबड्डी में दधोल प्रथम और डंगार द्वितीय रहा। वॉलीबॉल में कठलग विजेता तथा कोट उपविजेता रहा। खो-खो में हटवाड़ ने प्रथम और आरकेपीएस घंडालवी ने द्वितीय स्थान हासिल किया। बैडमिंटन में डुमैहर विजेता तथा डटवाड़ उपविजेता रहा।

इससे पूर्व स्कूल प्रधानाचार्य भावना ने मुख्य अतिथि का शॉल एवं टोपी पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधि, शिक्षक, खिलाड़ी और क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कॉलेजों में फीस वृद्धि पर विधायक त्रिलोक जम्वाल ने जताई नाराजगी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। सदर के विधायक त्रिलोक जम्वाल ने सरकारी कॉलेजों में फीस में की गई भारी वृद्धि की कड़ी आलोचना करते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि फीस में 30 से 35 प्रतिशत तक बढ़ोतरी से मध्यम वर्गीय और गरीब परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा और कई विद्यार्थी उच्च शिक्षा से वंचित हो सकते हैं।

त्रिलोक जम्वाल ने पुनर्मूल्यांकन शुल्क 250 रुपए से बढ़ाकर 1000 रुपए किए जाने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कई विद्यार्थियों को परीक्षा परिणाम में एक, दो, चार या पांच अंक मिले, लेकिन पुनर्मूल्यांकन के बाद उनके अंक 40 से 50 के बीच पहुंच गए। तीन विषयों के पुनर्मूल्यांकन के लिए विद्यार्थियों को तीन हजार रुपये तक खर्च करने पड़े। विधायक ने कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में लापरवाही की सजा विद्यार्थियों को नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने जिम्मेदार परीक्षकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और भविष्य में उन्हें मूल्यांकन कार्य से ब्लैकलिस्ट करने की मांग की। साथ ही बिना गलती के पुनर्मूल्यांकन शुल्क देने वाले विद्यार्थियों की राशि वापस करने की मांग भी उठाई।

टांडा में आनुवंशिक जांच की सुविधा ने पूरा किया एक साल, मरीजों को बाहर जाने से मिली राहत

आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज टांडा के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में संचालित जेनेटिक्स क्लीनिक एवं प्रसवपूर्व निदान प्रयोगशाला ने सफलतापूर्वक अपना पहला वर्ष पूरा कर लिया है। महज एक साल में यहां 50 से अधिक प्रसवपूर्व निदान प्रक्रियाएं सफलतापूर्वक की जा चुकी हैं।

क्लीनिक में थैलेसीमिया, सिकल सेल रोग, डाउन सिंड्रोम और एडवर्ड सिंड्रोम जैसी आनुवंशिक एवं गुणसूत्र संबंधी स्थितियों की पहचान, जोखिम आकलन और विशेषज्ञ आनुवंशिक परामर्श की सुविधा उपलब्ध है।

प्रयोगशाला में एम्नियोसेंटेसिस, सीवीएस और एम्नियोरिडक्शन जैसी प्रक्रियाएं की जा रही हैं। विभाग के अनुसार सभी सेवाएं मरीज की सहमति, गोपनीयता और संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत उपलब्ध कराई जा रही हैं।

विभागाध्यक्ष प्रो. अशोक वर्मा ने बताया कि मार्च 2025 में डॉ. तनु प्रिया के पीजीआईएमई, चंडीगढ़ से प्रशिक्षण और आवश्यक पीसी-पीएनडीटी पंजीकरण प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह सुविधा शुरू हुई थी। उन्होंने कहा कि हिमाचल में सरकारी क्षेत्र में इस तरह की सेवाएं उपलब्ध कराने वाला यह एकमात्र संस्थान है। टांडा में सुविधा शुरू होने से मरीजों को आनुवंशिक जांच और प्रसवपूर्व निदान के लिए प्रदेश से बाहर जाने की परेशानी से राहत मिली है। विभाग में भविष्य में आईवीएफ सेंटर शुरू करने की भी योजना है। लेवल-1ए, सेंटर पहले से कार्यरत है, जबकि आधुनिक और रोबोटिक-सहायता प्राप्त सर्जरी की सुविधाओं का भी विस्तार किया जा रहा है।

प्रधानाचार्य डॉ. मिलाप शर्मा और चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विवेक बन्याल ने विभाग को इस उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने बताया की डॉ प्रीति प्रोफ एंड हैड रायडोल्ज दीपर्टमेंट भी उपस्थित थी।

धौलरा मंदिर में सजेगा दुर्गा पूजा का दरबार

बिलासपुर में रजत जयंती के रूप में मनाया जाएगा भव्य समारोह

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। दुर्गा पूजा समिति बिलासपुर द्वारा इस वर्ष 11 अक्तूबर से 20 अक्तूबर तक धौलरा मंदिर, बिलासपुर में भव्य दुर्गा पूजा समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष का आयोजन विशेष रूप से रजत जयंती समारोह के रूप में मनाया जाएगा। दुर्गा पूजा समिति द्वारा पिछले 25 वर्षों से निरंतर दुर्गा पूजा का आयोजन किया जा रहा है। 25 वर्षों की इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा को यादगार बनाने के लिए इस बार समारोह को और अधिक भव्य एवं आकर्षक रूप प्रदान किया जा रहा है।

समारोह के दौरान मां दुर्गा की विधिवत पूजा-अर्चना, विशेष आरती, भजन-कीर्तन एवं संकीर्तन, कन्या पूजन, विशाल भंडारा तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। श्रद्धालुओं के लिए आकर्षक साज-सज्जा एवं भव्य पंडाल भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा।

समारोह का मुख्य आकर्षण 20 अक्तूबर को निकाली जाने वाली भव्य विसर्जन यात्रा होगी। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ ढोल-नगाड़े, धार्मिक एवं सांस्कृतिक झांकियां शामिल होंगी। समिति ने बिलासपुर एवं आसपास के सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से सपरिवार इस ऐतिहासिक रजत जयंती समारोह में शामिल होकर मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त करने का आह्वान किया है।

समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि पिछले 25 वर्षों से आयोजित हो रहा यह उत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि बिलासपुर की आस्था, संस्कृति, परंपरा, सामाजिक एकता और भाईचारे का प्रतीक बन चुका है। रजत जयंती के अवसर पर इस परंपरा को और अधिक भव्य रूप से आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

भराड़ी में चोरों का आतंक कार से 2 लाख की मशीन और आंगन से मोटर चोरी

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। घुमारवीं उपमंडल की भराड़ी तहसील के गांव पडयालग में लगातार दो दिन चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में रोष और दहशत का माहौल है। चोरों ने बुधवार रात एक कार से करीब दो लाख रुपये की फाइबर ऑप्टिकल स्प्लाइसर मशीन चोरी कर ली। यह मशीन स्थानीय केबल ऑपरेटर शुभम कुमार की बताई जा रही है। शुभम के अनुसार मशीन उनके व्यवसाय के लिए बेहद महत्वपूर्ण थी और चोरी से उन्हें भारी नुकसान हुआ है।

दूसरी वारदात वीरवार दोपहर हुई, जब चोरों ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अनिता देवी के घर के आंगन में लगी पानी की बिजली मोटर चोरी कर ली। दिनदहाड़े हुई इस घटना से ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। लगातार चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में पुलिस प्रशासन के प्रति नाराजगी है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में असामाजिक तत्वों की गतिविधियां बढ़ रही हैं। ग्रामीणों ने पुलिस से मामलों की गहन जांच, शीघ्र प्राथमिकी दर्ज करने, रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरी हुआ सामान बरामद कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है।

सत्ती ने कार्यकर्ताओं को दिया जीत का मंत्र

भोटा में सेवा संकल्प अभियान और आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर बनी रणनीति

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भारतीय जनता पार्टी जिला हमीरपुर की सेवा संकल्प अभियान कार्यशाला एवं जिला कार्यसमिति की मासिक बैठक शुक्रवार को भोटा स्थित एक निजी होटल में भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विधायक एवं भाजपा के तीन बार के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतपाल सत्ती ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर जिला प्रभारी अमित ठाकुर, विधायक इंद्रदत्त लखनपाल, पूर्व विधायक डॉ. अनिल धीमान, विजय अग्निहोत्री व कमलेश कुमारी सहित जिला और मंडल स्तर के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैठक में जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने पार्टी की ओर से आयोजित संगठनात्मक एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों की समीक्षा की तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सभी कार्यक्रमों को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ सफल बनाने का आह्वान किया। मंडल अध्यक्षों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों में संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों का फीडबैक दिया। जिला मीडिया प्रभारी विक्रमजीत सिंह बन्याल ने पूर्व विधायक एवं समाजसेवी राम रतन शर्मा, भाजपा से जुड़े दिवंगत व्यक्तित्वों और नेपाल त्रासदी में जान गंवाने वालों की स्मृति में शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। बैठक में दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यशाला को संबोधित करते हुए सतपाल सत्ती ने कहा कि भाजपा की मजबूती के पीछे लाखों कार्यकर्ताओं का संघर्ष, तपस्या और बलिदान है। उन्होंने कहा कि जो संगठन अपने कार्यकर्ताओं के योगदान को भूल जाता है, वह कभी आगे नहीं बढ़ सकता। वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के अनुभव और युवा कार्यकर्ताओं की ऊर्जा से संगठन मजबूत होता है।

सत्ती ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार झूठी गारंटियों और जनविरोधी नीतियों के कारण जनता का विश्वास खो रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस भाजपा के खिलाफ भ्रामक प्रचार कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से विपक्ष के आरोपों का जवाब तथ्यों और केंद्र सरकार की उपलब्धियों के माध्यम से देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों को हमेशा सर्वोच्च स्थान दिया है।

अंतरराष्ट्रीय हैंडबाल कोच स्नेहलता को दी सम्मानित होने पर बधाई

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। युवा खिलाड़ियों को तराशने, उनकी प्रतिभा को निखारने और उन्हें खेल के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए स्नेहलता का समर्पण, मेहनत और योगदान अत्यंत सराहनीय है। वर्षों से खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देकर उन्होंने न केवल उन्हें आगे बढ़ने के अवसर प्रदान किए, बल्कि हिमाचल प्रदेश में हैंडबाल की प्रतिभाओं को नई पहचान दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी उपलब्धियां युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करने और खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही हैं। अपनी मेहनत और उपलब्धियों से उन्होंने हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता निश्चित रूप से आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। स्नेहलता को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए पुनः हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

राधा-कृष्ण के रूप में सजे नन्हे बच्चे

महाराणा प्रताप इंटरनेशनल स्कूल में मनाया जन्माष्टमी महोत्सव

भारतेन्दु संवाददाता, पठियार। महाराणा प्रताप इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, धर्मगिरी में जन्माष्टमी का पर्व बड़े हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के केजी कक्षा के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने राधा-कृष्ण का मनमोहक रूप धारण कर सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण के बाल रूप, राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकियों तथा जन्माष्टमी से जुड़ी विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से पर्व की सुंदर झलक प्रस्तुत की। नन्हे बच्चों की मनमोहक वेशभूषा, नृत्य एवं प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। विद्यालय परिसर कृष्णमय वातावरण से सराबोर हो उठा।

◆ **बच्चों ने झांकियों और नृत्य से दिखाई जन्माष्टमी की सुंदर झलक**

इस अवसर पर विद्यालय के एमडी कुलदीप ठाकुर, मैनेजर पीएस राणा तथा प्रधानाचार्या पूजा महाजन विशेष रूप से उपस्थित रहे। विद्यालय के अन्य शिक्षकगण ने भी कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

विद्यालय प्रबंधन एवं प्रधानाचार्या ने सभी विद्यार्थियों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं एवं धार्मिक मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का समापन हर्षोल्लास के साथ हुआ।

खेलों से बच्चों में आता है अनुशासन : राजेंद्र पाल

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बंदला में आयोजित तीन दिवसीय अंडर-19 खंड स्तरीय स्कूल खेलकूद प्रतियोगिता का समापन पूर्व जिला परिषद सदस्य राजेंद्र पाल ने किया। प्रतियोगिता में 11 स्कूलों के 181 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में भाग लिया। राजेंद्र पाल ने कहा कि खेलों से बच्चों में अनुशासन, मेहनत, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित होती है तथा वे नशे व अन्य बुराइयों से दूर रहते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों के लिए खेल कोटे के प्रावधान की जानकारी भी दी। कबड्डी में चांदपुर विजेता और घागस उपविजेता रहा। वॉलीबॉल, बैडमिंटन व खो-खो में बिलासपुर (एचपीबोस) ने जीत दर्ज की। मार्च पास्ट में बंदला विजेता रहा।

नन्हे राधा-कृष्ण ने मोहा सबका मन

प्रताप वर्ल्ड स्कूल में धूमधाम से मनाया जन्माष्टमी उत्सव

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता इंदौर। प्रताप वर्ल्ड स्कूल इंदौरा चनौर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व हर्षोल्लास, श्रद्धा और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नर्सरी से कक्षा तीसरी तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नन्हे विद्यार्थी राधा और श्रीकृष्ण की मनमोहक वेशभूषा में विद्यालय पहुंचे। मुकुट, मोरपंख और बांसुरी के साथ सजे नन्हे कान्हा तथा सुंदर परिधानों में सजी राधाओं ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। बच्चों की मासूम मुस्कान और आकर्षक रूप देखकर विद्यालय परिसर में वृंदावन जैसा वातावरण नजर आया।

कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या रेनू परमार और एमडी डॉ. ऋचा महाजन विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने बच्चों की प्रस्तुतियों का आनंद लिया और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान विद्यालय परिसर 'जय श्रीकृष्ण' के जयघोष से गूंज उठा। प्रधानाचार्या रेनू परमार ने विद्यार्थियों और अभिभावकों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय त्योहार बच्चों को अपनी समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता और सहयोग की भावना भी विकसित करते हैं।

एमडी डॉ. ऋचा महाजन ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन प्रेम, करुणा, सत्य, कर्तव्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को भारतीय संस्कृति और संस्कारों से जोड़ना विद्यालय की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। समारोह में बच्चों की प्रस्तुतियों ने शिक्षकों और अभिभावकों को भाव-विभोर कर दिया। पूरा आयोजन आस्था, संस्कृति और बाल प्रतिभा का सुंदर संगम बनकर सामने आया।

एनआईटी हमीरपुर में दो दिवसीय आतंरिक स्मार्ट इंडिया हैकथान शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) हमीरपुर में 4 एवं 5 सितंबर 2026 को दो दिवसीय आंतरिक स्मार्ट इंडिया हैकथॉन (एस.आई.एच.) 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इसका शुभारंभ एनआईटी हमीरपुर के निदेशक डॉ एचएम सूर्यवंशी ने किया। इस प्रतिष्ठित संस्थान-स्तरीय प्रतियोगिता में 390 मेधावी छात्र-छात्राएं 65 बहुविषयक टीमों के रूप में भाग ले रहे हैं। प्रतिभागियों ने देश के समक्ष मौजूद प्रमुख चुनौतियों से जुड़ी 17 आधिकारिक थीमों पर अपने तकनीकी समाधान तैयार किए हैं, जिनमें 54 सॉफ्टवेयर आधारित प्रोजेक्ट्स और 9 अत्याधुनिक हार्डवेयर प्रोटोटाइप शामिल हैं। यह आयोजन संस्थान के उभरते इनोवेटर्स को राष्ट्रीय स्तर की हैकाथॉन के लिए अपनी तकनीकी दक्षता और रचनात्मक दृष्टिकोण प्रदर्शित करने का एक उत्कृष्ट मंच प्रदान कर रहा है। यह संपूर्ण कार्यक्रम संस्थान के निदेशक डॉ. एच. एम. सूर्यवंशी, डीन (स्टूडेंट वेलफेयर) डॉ. पवन कुमार शर्मा, एसोसिएट डीन डॉ. प्रदीप सिंह, एसपीओसी डॉ. अजय कुमार मलिक तथा फैकल्टी इंचार्ज (टेक्निकल एक्टिविटीज) डॉ. राकेश शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। निर्णायक मंडल द्वारा प्रत्येक टीम के नवाचार, तकनीकी उपयोगिता, व्यवहार्यता तथा सामाजिक प्रभाव का गहन मूल्यांकन किया जा रहा है। प्रस्तुतीकरण और समीक्षा के उपरांत चयनित शीर्ष 50 टीमों को संस्थान की ओर से राष्ट्रीय स्तर के स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन के आगामी चरणों में एनआईटी हमीरपुर का प्रतिनिधित्व करने के लिए आधिकारिक तौर पर नामांकित कर भेजा जाएगा।

◆ **390 छात्र-छात्राएं 65 टीमों में दिखा रहे तकनीकी हुनर**

चंडीगढ़ में सौर ऊर्जा से अब हर सड़क पर जगमगाएंगे सड़क सुरक्षा संकेतक

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

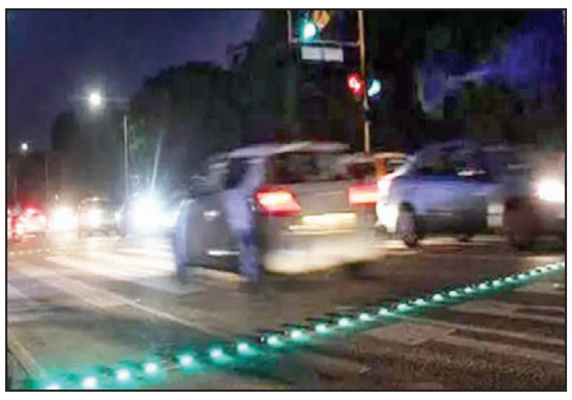

शहर की सड़कों पर रात के समय वाहन चालकों को सतर्क करने और सड़क सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सौर ऊर्जा से चलने वाले ब्लिंकर लगाए जाएंगे। चंडीगढ़ प्रशासन ने विभिन्न सड़कों पर इन ब्लिंकर की स्थापना के लिए करीब 86.30 लाख रुपये का टेंडर जारी किया है। इनका संचालन सूर्य की रोशनी से चार्ज होने वाली बैटरी के माध्यम से किया जाएगा।

प्रशासन के अनुसार ब्लिंकर लगाने के लिए स्थानों का चयन चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस की सर्वे रिपोर्ट के आधार पर किया जाएगा। सड़क सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों और ऐसे हिस्सों को प्राथमिकता दी जाएगी जहां रात के समय वाहन चालकों को अधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है।

सोलर ब्लिंकर दिन के समय सूर्य की रोशनी से अपनी बैटरी चार्ज करेंगे और रात में उसी ऊर्जा से चमकेंगे। इस व्यवस्था के लिए अलग से बिजली कनेक्शन की आवश्यकता नहीं होगी। इससे बिजली की खपत और नियमित संचालन पर होने वाला खर्च कम करने में मदद मिलेगी।

रात के समय कम दृश्यता वाले स्थानों पर वाहन चालकों के लिए सड़क की स्थिति का अनुमान लगाना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में दूर से दिखाई देने वाले ब्लिंकर उन्हें संभावित खतरे या संवेदनशील हिस्से के बारे में पहले ही सतर्क करेंगे। इससे वाहन चालक अपनी गति नियंत्रित कर सावधानी से आगे बढ़ सकेंगे।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ब्लिंकर लगाने के लिए स्थानों का चयन मनमाने ढंग से नहीं किया जाएगा। चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस की ओर से किए गए सर्वे में चिन्हित स्थानों के आधार पर प्राथमिकता तय की जाएगी। इससे सड़क सुरक्षा की जरूरत वाले हिस्सों में संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल हो सकेगा।

सौर ऊर्जा आधारित ब्लिंकर लगाने की योजना सड़क सुरक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम होने से ऊर्जा की बचत होगी और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा।

वोटर सूची में चड्ढा का नाम शिफ्टेड, सियासत में मचा घमासान

भाजपा और आप के बीएलए की सहमति से वोट शिफ्टेड दर्ज, चड्ढा बताया ने राजनीतिक प्रतिशोध

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा की मोहाली में पंजीकृत मतदाता पहचान को लेकर विवाद गहरा गया है। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान उनकी वोट को 'परमानेंटली शिफ्टेड' के रूप में दर्ज किया गया है। इस प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी के अनुसार संबंधित दस्तावेज पर भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी के बूथ स्तर के एजेंटों की सहमति भी दर्ज है। अब यही बिंदु पूरे विवाद में महत्वपूर्ण हो गया है।

विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान बूथ स्तर के अधिकारी मतदाताओं के घर जाकर उनके पते और निवास की स्थिति का सत्यापन करते हैं। यदि संबंधित मतदाता द्वारा गणना प्रपत्र भरकर वापस नहीं किया जाता है तो उपलब्ध जानकारी के आधार पर आगे की प्रक्रिया की जाती है। ऐसे मामलों में राजनीतिक दलों के बूथ स्तर के एजेंटों की सहमति भी दर्ज की जाती है। राघव चड्ढा के मामले में भी इसी प्रक्रिया के तहत उनकी वोट को 'शिफ्टेड' दर्ज किए जाने की बात सामने आई है।

राघव चड्ढा ने मतदाता सूची में अपनी स्थिति को लेकर आपत्ति जताई है। उन्होंने इसे राजनीतिक प्रतिशोध करार देते हुए कहा कि वह पंजाब से मौजूदा राज्यसभा सदस्य हैं और उनका मतदाता पहचान पत्र मोहाली में पंजीकृत है। इसके बावजूद प्रारंभिक मतदाता सूची में उनका नाम स्थानांतरित मतदाता के रूप में दर्ज किया गया।

चड्ढा ने कहा कि अभी अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित नहीं हुई है। इसलिए उन्हें निर्धारित प्रक्रिया के तहत दावा और आपत्ति दर्ज करने का अधिकार प्राप्त है। उन्होंने संकेत दिया कि वह उपलब्ध कानूनी और चुनावी प्रक्रिया के माध्यम से अपना पक्ष चुनाव अधिकारियों के समक्ष रखेंगे।

आम आदमी पार्टी ने चड्ढा के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण पूरी तरह चुनाव आयोग की प्रक्रिया है। पार्टी नेताओं के अनुसार मतदाता सूची में किसी व्यक्ति का नाम जोड़ने, हटाने या स्थानांतरित करने का फैसला चुनाव आयोग और उसके अधीन काम करने वाले अधिकारियों द्वारा किया जाता है। इसमें पंजाब सरकार की प्रत्यक्ष भूमिका नहीं है।

आप नेताओं हरपाल सिंह चीमा और अमन अरोड़ा ने चड्ढा के मतदाता पंजीकरण को लेकर भी सवाल उठाए हैं। पार्टी का आरोप है कि चड्ढा दिल्ली के राजिंदर नगर में अपना मतदाता पंजीकरण कराने की कोशिश कर रहे हैं। आप नेताओं ने पूरे मामले में तथ्यों की जांच की मांग की है।

राज्यसभा सदस्यता को लेकर भी उठे सवाल

मामला इसलिए भी संवेदनशील है क्योंकि राघव चड्ढा राज्यसभा सदस्य हैं। उनकी मोहाली की मतदाता स्थिति को लेकर विवाद सामने आने के बाद उनकी राज्यसभा सदस्यता के लिए आवश्यक योग्यता को लेकर भी राजनीतिक सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि प्रारंभिक मतदाता सूची में 'शिफ्टेड' दर्ज होना अपने आप में राज्यसभा सदस्यता समाप्त होने का आधार नहीं है। इस संबंध में अंतिम मतदाता सूची, संबंधित चुनावी रिकॉर्ड और लागू कानूनी प्रावधान महत्वपूर्ण होंगे। फिलहाल विवाद का केंद्र चड्ढा की मोहाली वाली वोट का 'परमानेंटली शिफ्टेड' दर्ज होना और इस प्रक्रिया में भाजपा तथा आप के बूथ स्तर के एजेंटों की सहमति का दावा है। अंतिम मतदाता सूची जारी होने और दावे-आपत्तियों की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि चड्ढा का नाम मतदाता सूची में किस स्थिति में दर्ज रहता है।

न्यूज ब्रीफ

शिक्षा ऋण के दुरुपयोग पर पांच लोगों पर मामला दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, फिरोजपुर। विदेश में उच्च शिक्षा के लिए स्वीकृत करीब 26.09 लाख रुपये के एजुकेशन लोन का कथित तौर पर अन्य कामों में इस्तेमाल करने और फाइनेंस कंपनी के अधिकारी से मारपीट के मामले में थाना सिटी फिरोजपुर पुलिस ने पांच नामजद और तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार पूजा बजाज ने कनाडा के फ्लेमिंग कॉलेज में पढ़ाई के लिए 28 अगस्त 2023 को एजुकेशन लोन लिया था। समझौते के तहत राशि का इस्तेमाल केवल शैक्षणिक खर्चों के लिए किया जाना था। जांच में सामने आया कि पूजा न तो विदेश पढ़ाई के लिए गई और न ही कथित तौर पर लोन की राशि का इस्तेमाल शिक्षा के लिए किया गया। कंपनी की ओर से राशि वापस करने की मांग के बावजूद रकम वापस नहीं की गई। शिकायतकर्ता भरत इंद्रसेन जैकर के अनुसार जब वह कंपनी की ओर से बकाया राशि की वसूली के लिए पहुंचे तो पूजा बजाज, कथाई लाल, राजिंदर कुमार, गीता, रवि और तीन अज्ञात लोगों ने उनके साथ कथित तौर पर मारपीट की।

कोट शमीर चार संदिग्ध मौतों ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठाए सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, बठिंडा । बठिंडा जिले के कोट शमीर गांव में एक ही दिन में चार लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से गांव में शोक की लहर है। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि चारों की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई है। हालांकि स्वास्थ्य प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि विस्तृत चिकित्सकीय जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। मृतकों में गांव के पूर्व पंच गुरजंट सिंह, पंजाब पुलिस में कार्यरत गुरप्रीत सिंह, इलेक्ट्रिकल मैकेनिक एवं समाजसेवी गुरमेल सिंह उर्फ गेली तथा गांधी प्रजापत शामिल हैं। गुरजंट सिंह खेतीबाड़ी से जुड़े हुए थे, जबकि गुरप्रीत सिंह को पिता अंग्रेज सिंह के निधन के बाद अनुकंपा के आधार पर पुलिस विभाग में नौकरी मिली थी। पूर्व पार्षद परमजीत सिंह पम्मा ने बताया कि मृतकों में दो की उम्र 50 वर्ष से अधिक थी, जबकि गुरप्रीत सिंह और गुरमेल सिंह की उम्र 50 वर्ष से कम थी। उन्होंने सरकार से दोनों युवकों के परिवारों को आर्थिक सहायता देने की मांग की है।

झब्बाल-तरनतारन में डेयरियों पर खाद्य विभाग ने की छापेमारी

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर । खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने झब्बाल और तरनतारन की विभिन्न दूध डेयरियों पर छापेमारी की। टीम ने डेयरियों में दूध की गुणवत्ता, भंडारण, साफ-सफाई और खाद्य सुरक्षा मानकों की जांच की। इस दौरान करीब 100 किलो खराब दूध मौके पर ही नष्ट करवाया गया। जांच के दौरान दूध और दूध से बने पदार्थों के तीन नमूने भी लिए गए। इनमें मिश्रित दूध के दो और दही का एक नमूना शामिल है। सभी नमूनों को जांच के लिए खरड़ स्थित प्रयोगशाला भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद नियमों के अनुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी।

फाजिल्का में प्रेगाबालिन की बिक्री पर सख्त रोक

भारतेन्दु संवाददाता, फाजिल्का । फाजिल्का जिला मजिस्ट्रेट अमरप्रीत कौर ने जिले में प्रेगाबालिन 75 एमजी से अधिक मात्रा वाले कैप्सूल और टैबलेट की बिक्री तथा भंडारण पर रोक लगा दी है। यह आदेश 31 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगा। प्रशासन ने यह कदम दवा के कथित रूप से नशे के लिए इस्तेमाल की शिकायतों के बाद उठाया है। आदेश के अनुसार वैध मूल चिकित्सकीय पर्ची के बिना थोक विक्रेता, खुदरा विक्रेता, केमिस्ट, मेडिकल स्टोर, अस्पतालों की फार्मेसी या अन्य कोई व्यक्ति यह दवा नहीं बेच सकेगा। दवा देते समय केमिस्ट को पर्ची पर अपनी मुहर, फर्म का नाम, दवा देने की तारीख और दी गई गोलियों की संख्या दर्ज करनी होगी। यह कार्रवाई सिविल सर्जन फाजिल्का की रिपोर्ट के आधार पर की गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि कुछ लोग प्रेगाबालिन कैप्सूल का कथित तौर पर चिकित्सकीय नशे के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

जनता की राय से बनेगा कांग्रेस का चुनावी घोषणापत्र, 11 सितंबर से होगा अभियान शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर

पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के तहत कांग्रेस ने चुनावी घोषणापत्र तैयार करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। पार्टी की मेनिफेस्टो कमेटी 11 सितंबर से अमृतसर में जिला स्तर पर अभियान शुरू करेगी। कमेटी की अध्यक्षता सांसद डॉ. अमर सिंह कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस बार घोषणापत्र केवल पार्टी स्तर पर तैयार नहीं होगा, बल्कि इसमें आम जनता की सीधी भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

अभियान के दौरान किसानों, युवाओं, विद्यार्थियों, कर्मचारियों, उद्योग जगत और अन्य वर्गों के लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव लिए जाएंगे। संबंधित क्षेत्रों के विधायक और सांसद भी लोगों से बातचीत कर उनकी मांगों को कमेटी तक पहुंचाएंगे।

नशा, रोजगार और पुरानी पेंशन योजना पर जोर : डॉ. अमर सिंह के अनुसार पंजाब में नशा, गैंगस्टरवाद, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दे अहम हैं। किसानों की समस्याओं के साथ कर्मचारियों की लंबित मांगों, कच्चे कर्मचारियों को नियमित करने और पुरानी पेंशन योजना को भी घोषणापत्र में प्रमुखता दी जाएगी। कमेटी का उद्देश्य अलग-अलग वर्गों की वास्तविक समस्याओं को समझकर उन्हें चुनावी एजेंडे में शामिल करना है।

दो से तीन महीने में तैयार होगा प्रारूप : मेनिफेस्टो कमेटी ने दो से तीन महीने के भीतर घोषणापत्र का प्रारूप तैयार कर कांग्रेस हाईकमान को सौंपने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से भी जल्द बैठक की जाएगी। पार्टी नेताओं के राजनीतिक अनुभव और जमीनी फीडबैक को भी इसमें शामिल किया जाएगा। कांग्रेस का कहना है कि सरकार बनने की स्थिति में घोषणापत्र में शामिल जनता से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर लागू किया जाएगा।

बिजली संकट से ईएसआइ अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं तीन दिन से ठप

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर

मजीठा रोड स्थित ईएसआइ अस्पताल में पिछले तीन दिन से बिजली आपूर्ति ठप होने के कारण मरीजों और अस्पताल कर्मचारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। करीब 35 डिग्री तापमान और उमस के बीच पंखे बंद होने से मरीज बेहाल हैं। जनरेटर की व्यवस्था नहीं होने के कारण अस्पताल परिसर में ओपीडी पेड़ों की छांव में चलानी पड़ रही है।

बिजली संकट का सबसे गंभीर असर अस्पताल की जांच और उपचार सुविधाओं पर पड़ा है। बिजली नहीं होने से प्रयोगशाला में रक्त और मूत्र की जांच बंद है। मरीजों को जांच के लिए निजी प्रयोगशालाओं का सहारा लेना पड़ रहा है। एक्स-रे मशीन और ऑपरेशन थिएटर भी काम नहीं कर रहे हैं। इससे मरीजों के उपचार में देरी हो रही है और कई जरूरी सेवाएं प्रभावित हैं।

बिजली आपूर्ति बाधित होने से अस्पताल का प्रशासनिक कामकाज भी प्रभावित हुआ है। कंप्यूटर प्रणाली बंद होने के कारण मरीजों को दूसरे अस्पतालों में भेजने की प्रक्रिया में परेशानी आ रही है। मेडिकल बिल तैयार करने सहित कई अन्य जरूरी कार्य भी रुक गए हैं। रात के समय अस्पताल में अंधेरा छा जाता है, जिससे भर्ती मरीजों की मुश्किलें और बढ़ जाती हैं।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार बिजली संकट का कारण पुरानी वायरिंग में खराबी है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अश्वनी कुमार ने बताया कि अस्पताल की पुरानी वायरिंग जल गई है। मरम्मत का काम देखने वाली टीम बिजली आपूर्ति बहाल करने में जुटी हुई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही व्यवस्था सामान्य हो जाएगी।

उन्होंने बताया कि अस्पताल की पुरानी वायरिंग बदलने के लिए सरकार को पत्र भेजा गया है, ताकि भविष्य में इस तरह की समस्या दोबारा न हो।

अस्पताल की विद्युत व्यवस्था की मरम्मत का ठेका चंडीगढ़ की स्पाइसन कंपनी के पास है। कंपनी के कर्मचारी खराबी दूर करने में जुटे हैं।

आरोपों को लेकर बढ़ा विवाद, दोनों नेताओं से 24 घंटे में सार्वजनिक माफी की मांग

पांच करोड़ के आरोपों पर घमासान, गुरप्रीत कौर ने मजीठिया और खैहरा को भेजा नोटिस

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की पत्नी डॉ. गुरप्रीत कौर ने अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया और कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैहरा को कानूनी नोटिस भेजकर 24 घंटे के भीतर माफी मांगने को कहा है। नोटिस में चेतावनी दी गई है कि निर्धारित समय में माफी नहीं मांगने पर दोनों नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह पूरा विवाद पूर्व जस्टिस रणजीत सिंह की ओर से लगाए गए गंभीर आरोपों से जुड़ा हुआ है। डॉ. गुरप्रीत कौर इससे पहले पूर्व जस्टिस रणजीत सिंह को भी कानूनी नोटिस भेज चुकी हैं।

पांच करोड़ रुपये मांगने का लगाया था आरोप : पूर्व जस्टिस रणजीत सिंह ने आरोप लगाया था कि डॉ. गुरप्रीत कौर ने कथित तौर पर दुष्कर्म के एक मामले को दबाने के लिए पांच करोड़ रुपये की मांग की थी। आरोपों के अनुसार गुरी नामक व्यक्ति को मामले में मुख्य आरोपी बनाए जाने और एक कारोबारी के खिलाफ दर्ज मामला रद्द करने के बदले कथित तौर पर रकम मांगी गई थी। हालांकि ये आरोप विवाद का विषय हैं और संबंधित पक्षों के बीच इन्हें लेकर कानूनी विवाद चल रहा है।

इन आरोपों के सामने आने के बाद बिक्रम सिंह मजीठिया ने इंटरनेट मीडिया पर एक कथित ऑडियो-वीडियो क्लिप साझा की थी। मजीठिया ने दावा किया था कि इस सामग्री में मामले से जुड़े कथित बिचौलियों और डॉ. गुरप्रीत कौर के एक रिश्तेदार के बीच वित्तीय लेन-देन को लेकर बातचीत हुई है। इस सामग्री और आरोपों को लेकर राजनीतिक स्तर पर भी काफी चर्चा हुई।

सुखपाल खैहरा ने नोटिस मिलने की पुष्टि की : कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैहरा ने डॉ. गुरप्रीत कौर की ओर से कानूनी नोटिस मिलने की पुष्टि की है। खैहरा ने कहा कि वह नोटिस का जवाब देने के बजाय अदालत में अपना पक्ष रखेंगे। उनके इस रुख से संकेत मिलता है कि मामला आगे कानूनी प्रक्रिया में जा सकता है।

पहले पूर्व जस्टिस को भी भेजा था नोटिस : डॉ. गुरप्रीत कौर ने इससे पहले पूर्व जस्टिस रणजीत सिंह को भी कानूनी नोटिस भेजकर उनके आरोपों पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने आरोपों को लेकर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। इसके बाद मजीठिया और खैहरा को नोटिस भेजे जाने से मामला और गरमा गया है। मामले में आरोपों और प्रत्यारोपों के बीच अब दोनों पक्षों की कानूनी रणनीति पर नजर रहेगी। यदि निर्धारित समय में माफी नहीं मांगी जाती है तो डॉ. गुरप्रीत कौर की ओर से अदालत का रुख किए जाने की संभावना है।

चंडीगढ़ सीमा पर किसानों का शक्ति प्रदर्शन, आंदोलन बढ़ाने की दी चेतावनी

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली।

◆ 32 किसान जत्थेबंदियों का पड़ाव जारी, सरकार से कार्रवाई की मांग

चंडीगढ़ सीमा पर अपनी मांगों को लेकर डेरा डाले पंजाब के किसानों ने शुक्रवार को शक्ति प्रदर्शन किया। 32 किसान जत्थेबंदियों से जुड़े किसानों ने सड़क के दोनों ओर मार्च निकालकर सरकार के खिलाफ अपना रोष जताया। किसान एक सितंबर से सीमा पर पड़ाव डाले हुए हैं और फिलहाल यह मोर्चा सात सितंबर तक चलाने का निर्णय लिया गया है।

किसान नेताओं का कहना है कि कई दिन बीत जाने के बावजूद केंद्र और पंजाब सरकार की ओर से उनकी मांगों पर कोई ठोस पहल नहीं की गई है। किसान नेता हरविंदर सिंह लखोवाल ने कहा कि सरकार की ओर से अब तक कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। उन्होंने किसानों से संघर्ष के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।

किसान संगठनों ने पहले ही चेतावनी दी थी कि यदि शुक्रवार दोपहर दो बजे तक सरकार ने मांगों को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की तो शाम पांच बजे के बाद आंदोलन के अगले चरण की घोषणा की जाएगी। इससे बाद किसानों की गतिविधियों और तेज होने की संभावना जताई गई।

किसानों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर सरकार गंभीरता से बातचीत नहीं करती और समाधान की दिशा में कदम नहीं उठाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। फिलहाल सात सितंबर तक पड़ाव का कार्यक्रम तय है, लेकिन सरकार की ओर से कार्रवाई नहीं होने की स्थिति में इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है।

सीमा पर बड़ी संख्या में किसानों की मौजूदगी के कारण प्रशासन भी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। किसानों ने स्पष्ट किया है कि वे अपनी मांगों को लेकर पीछे हटने के बजाय आंदोलन को और मजबूत करेंगे।

'दिमागी नक्सल' शब्द की परिभाषा पर कैप्टन अमरिंदर ने मांगी स्पष्टता

राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ लोकतांत्रिक असहमति की स्वतंत्रता बनाए रखने पर दिया जोर

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस संबोधन में इस्तेमाल किए गए 'दिमागी नक्सल' शब्द को लेकर सवाल उठाकर राजनीतिक बहस को नया मुद्दा दे दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री से इस शब्द की स्पष्ट परिभाषा बताने की मांग की है। साथ ही यह भी पूछा है कि लोकतांत्रिक तरीके से सरकार की नीतियों का विरोध करने वाले लोगों और देश की सुरक्षा के लिए वास्तविक खतरा पैदा करने वाली गतिविधियों में शामिल लोगों के बीच अंतर किस आधार पर किया जाएगा।

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने एक अंग्रेजी समाचार पत्र में प्रकाशित अपने लेख में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लाल किले से दिए गए स्वतंत्रता दिवस संबोधन का उल्लेख करते हुए अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि नक्सल शब्द को लेकर बहुत सहज नहीं होना चाहिए। उनका कहना है कि भारत को राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतांत्रिक स्वतंत्रता में से किसी एक को चुनने की स्थिति में नहीं होना चाहिए। दोनों को सही तरीके से समझा जाए तो राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतांत्रिक स्वतंत्रता एक-दूसरे के विरोधी नहीं बल्कि एक-दूसरे को मजबूत करने वाले तत्व हो सकते हैं।

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने प्रधानमंत्री से सवाल किया कि 'दिमागी नक्सल' से आखिर क्या तात्पर्य है और इस शब्द का इस्तेमाल किन लोगों या विचारों के लिए किया जाएगा। उन्होंने यह भी जानना चाहा कि इस श्रेणी में किसी व्यक्ति को शामिल करने के लिए कौन-से मापदंड तय किए गए हैं। उनके अनुसार लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की नीतियों की आलोचना करना या किसी फैसले से असहमति जताना नागरिकों का वैध अधिकार है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वैध लोकतांत्रिक असहमति और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाली गतिविधियों को एक ही नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। लोकतंत्र में अलग-अलग विचारों का होना स्वाभाविक है और सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने वालों को केवल असहमति के आधार पर किसी विशेष श्रेणी में रखना उचित नहीं होगा।

पूर्व मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जा सकता। हालांकि सुरक्षा के नाम पर लोकतांत्रिक स्वतंत्रता को कमजोर करना भी उचित नहीं है। उनके मुताबिक दोनों के बीच संतुलन बनाकर ही मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था कायम रखी जा सकती है।

उन्होंने कहा कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में नागरिकों को अपनी बात रखने और सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने का अधिकार होना चाहिए। साथ ही ऐसी गतिविधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए, जो वास्तव में देश की सुरक्षा और अखंडता के लिए खतरा पैदा करती हों।

पंजाब में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। भाजपा भी राज्य में संगठन को मजबूत करने और अपना राजनीतिक आधार बढ़ाने पर काम कर रही है। पार्टी विभिन्न सामाजिक वर्गों के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है। ऐसे समय पर कैप्टन अमरिंदर सिंह की ओर से 'दिमागी नक्सल' शब्द पर सवाल उठाया जाना राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पंजाब की राजनीति में राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ किसानों, युवाओं और सामाजिक मुद्दों को लेकर भी लगातार चर्चा हो रही है। ऐसे में कैप्टन अमरिंदर की टिप्पणी चुनावी बहस को एक नया आयाम दे सकती है। उनके बयान से भाजपा और विपक्षी दलों के बीच इस बात को लेकर बहस तेज होने की संभावना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियों से निपटते हुए लोकतांत्रिक अधिकारों और असहमति की स्वतंत्रता को किस तरह सुरक्षित रखा जाए। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने अपने लेख के माध्यम से मूल रूप से यही सवाल उठाया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतांत्रिक स्वतंत्रता को आमने-सामने खड़ा करने के बजाय दोनों के बीच संतुलन कायम किया जाना चाहिए। च

कनाडा में पंजाब मूल के पूर्व पुलिस अधिकारी के खिलाफ उढ़े धोखाधड़ी के गंभीर मामले

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

कनाडा में पंजाब मूल के पूर्व पुलिस अधिकारी कलविंदर दोसांझ पर धोखाधड़ी, चोरी और लोक सेवक के तौर पर विश्वास के उल्लंघन के गंभीर आरोप लगे हैं। वैंकूवर पुलिस ने करीब ढाई साल तक चली जांच के बाद उन्हें सरे स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया है। हालांकि, दोसांझ की कानूनी टीम ने पुलिस के सभी आरोपों को खारिज करते हुए उन्हें निर्दोष बताया है।

पुलिस के अनुसार, कलविंदर दोसांझ ने वैंकूवर पुलिस विभाग में 25 साल से अधिक समय तक सेवाएं दी हैं। वह विभाग की वित्तीय अपराध इकाई में वरिष्ठ जासूस के रूप में भी कार्यरत रहे हैं। पुलिस ने उनके खिलाफ कुल नौ आरोप दर्ज किए हैं। इनमें पांच हजार कनाडाई डॉलर से अधिक की धोखाधड़ी के दो मामले, चोरी के चार मामले और लोक सेवक के तौर पर विश्वास के उल्लंघन का एक मामला शामिल है।

मामले में 51 वर्षीय सरबजीत सिंह गिल को भी सह-आरोपी बनाया गया है। उसके खिलाफ धोखाधड़ी और चोरी से जुड़े छह आरोप लगाए गए हैं। पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपियों से जुड़े कथित वित्तीय अपराध दिसंबर 2017 से जुलाई 2025 के बीच वैंकूवर, सरे और ब्रिटिश कोलंबिया के विभिन्न इलाकों में हुए।

दोसांझ की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने सरे स्थित उनके घर के साथ किड्सप्ले फाउंडेशन के कार्यालय की भी तलाशी ली। पुलिस टीम ने कार्रवाई के दौरान दस्तावेजों और डिजिटल सामग्री सहित कई साक्ष्य कब्जे में लिए। अधिकारियों के मुताबिक यह जांच लंबे समय से गोपनीय तरीके से चल रही थी।

दोसांझ ने वर्ष 2015 में किड्सप्ले फाउंडेशन की शुरुआत की थी। संस्था जोखिम वाले माहौल में रहने वाले बच्चों और युवाओं को खेल, मार्गदर्शन और अन्य गतिविधियों से जोड़ने का काम करती थी। इसका उद्देश्य युवाओं को नशे, गिरोह की गतिविधियों और अपराध से दूर रखना था।

दोसांझ के वकीलों ने सभी आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि उनके मुवक्किल ने कोई अपराध नहीं किया है। कानूनी टीम ने अदालत में उन्हें निर्दोष साबित होने का भरोसा जताया है। उनका कहना है कि केवल गिरफ्तारी के आधार पर किसी व्यक्ति को दोषी नहीं माना जा सकता। मामले में कानूनी प्रक्रिया जारी है और अदालत की सुनवाई के बाद आरोपों से जुड़ी स्थिति स्पष्ट होगी।

सरकारी नौकरी की बजाय कौशल पर जोर युवाओं के रोजगार अवसर बढ़ाएंगे उमर

सरकारी नौकरी की सीमाओं के बीच हुनरमंद युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के युवाओं को रोजगार के लिए केवल सरकारी नौकरियों पर निर्भर रहने के बजाय आधुनिक कौशल हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ाने पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जोर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार हर युवा को सरकारी नौकरी नहीं दे सकती, इसलिए युवाओं को बदलती रोजगार जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षित करना जरूरी है। श्रीनगर स्थित कश्मीर गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक में विकास कार्यों की आधारशिला रखने के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में वही युवा आगे बढ़ेंगे जिनके पास रोजगार बाजार की मांग के अनुरूप हुनर होगा।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर किश्तवाड़, रामबन, कुलगाम और कुपवाड़ा के सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थानों में करीब 4.20 करोड़ रुपये की लागत से पूरे किए गए ढांचागत उन्नयन कार्यों का भी ई-उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास को केवल प्रमाणपत्र हासिल करने तक सीमित नहीं रखा जा सकता। इसका सीधा संबंध रोजगार और उद्योगों की जरूरतों से होना चाहिए।

> **उमर अब्दुल्ला** ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल युवाओं को बाहर काम करने के लिए भेजना नहीं है। लक्ष्य ऐसे कुशल पेशेवर तैयार करना है जो बेहतर वेतन वाली नौकरियां हासिल कर सकें और देश के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय रोजगार बाजार में भी प्रतिस्पर्धा कर सकें। उन्होंने कहा कि युवाओं को केवल नौकरी तलाशने वाला नहीं बल्कि अपनी योग्यता के दम पर अवसर हासिल करने वाला बनाना होगा।

उद्योगों की जरूरत के अनुसार तैयार होंगे पाठ्यक्रम : उमर अब्दुल्ला ने कहा कि कौशल विकास को किताबी शिक्षा के साथ आगे बढ़ाना होगा। पर्यटन, कृषि, बागवानी, विनिर्माण, निर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। ऐसे में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और पॉलिटेक्निक के पाठ्यक्रम को आधुनिक जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किए जाने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि तकनीकी संस्थानों के पाठ्यक्रमों की नियमित समीक्षा की जाए। जो पाठ्यक्रम समय के साथ पुराने हो चुके हैं उन्हें बदला जाए और प्रशिक्षण में इस्तेमाल होने वाली पुरानी मशीनों और उपकरणों को आधुनिक तकनीक से बदला जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालयों की तरह कौशल विकास संस्थानों के ढांचे और गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में बड़े निवेश और विकास परियोजनाओं के आने से रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। सरकार की कोशिश है कि इन परियोजनाओं से स्थानीय युवाओं को अधिक से अधिक लाभ मिले। कंपनियों को प्रोत्साहित किया जाएगा कि बाहर से कुशल कामगार बुलाने से पहले स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार के अवसर दिए जाएं। उन्होंने कहा कि अगले तीन वर्षों में जम्मू-कश्मीर के कौशल विकास संस्थानों के पूरे नेटवर्क को मजबूत करने की दिशा में काम किया जाएगा।

राजौरी में फॉरवर्ड पोस्ट से गिरने के बाद सैनिक की हुई मौत

राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर स्थित एक अग्रिम चौकी से गिरने के बाद सेना के एक जवान की मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार हादसा शुक्रवार को हुआ। मृतक जवान की पहचान 26 वर्षीय लांस नायक रितुक चौधरी के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि वह अग्रिम चौकी से नीचे की ओर पहाड़ी ढलान पर गिर गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद जवानों ने उन्हें तत्काल बाहर निकालकर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने की कोशिश की। लांस नायक रितुक चौधरी को तुरंत रुमलीधारा स्थित सैन्य चिकित्सा कक्ष ले जाया गया। हालांकि वहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद सैन्य अधिकारियों ने आवश्यक प्रक्रियाएं शुरू कर दी हैं। अधिकारियों के मुताबिक शव से संबंधित कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी। इसके बाद जवान का पार्थिव शरीर उनके कानूनी वारिसों को सौंपा जाएगा। लांस नायक रितुक चौधरी गुजरात के तापी जिले के उकलाडा गांव के रहने वाले थे।

पानी, तलछट और मछलियों में मिले प्लास्टिक कणों ने बढ़ाई चिंता

उज्ज और चिनाब नदियों में मिला माइक्रो प्लास्टिक, जलीय जीवन पर बढ़ा संकट

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू के पर्यावरण विज्ञान विभाग के शोधकर्ताओं ने जम्मू-कश्मीर की उज्ज और चिनाब नदियों में माइक्रो-प्लास्टिक प्रदूषण की मौजूदगी का पता लगाया है। शोध में नदी के पानी, तलछट और मछलियों के ऊतकों में प्लास्टिक के सूक्ष्म कण मिले हैं। इससे क्षेत्र के मीठे पानी के पारिस्थितिकी तंत्र और जलीय जीवों पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव को लेकर चिंता बढ़ गई है।

उज्ज नदी पर यह अध्ययन पर्यावरण विज्ञान विभाग की स्नातकोत्तर छात्राओं अंशिका शर्मा और प्रीति कुमारी ने प्रोफेसर दीपक पठानिया और प्रोफेसर ऋचा कोठारी के मार्गदर्शन में किया। शोधकर्ताओं ने नदी के 10 स्थानों से पानी के नमूने लिए, जबकि चार स्थानों से तलछट और मछलियों के नमूनों की जांच की। सभी पानी और तलछट के नमूनों में माइक्रो-प्लास्टिक कण पाए गए।

अध्ययन में पानी के नमूनों से कुल 280 माइक्रो-प्लास्टिक कण मिले, जबकि तलछट से 75 कण बरामद हुए। इस तरह कुल 355 कणों की पहचान की गई। सबसे अधिक प्रदूषित स्थल पर माइक्रो-प्लास्टिक की मात्रा सबसे कम प्रदूषित स्थान की तुलना में करीब साढ़े तीन गुना अधिक रही।

मछलियों के अंगों में भी मिले कण : शोध के दौरान रोहू मछली के यकृत, गलफड़ों और आंतों में भी माइक्रो-प्लास्टिक की मौजूदगी मिली। अधिकांश कण छोटे काले रेशों के रूप में पाए गए। लाल और पारदर्शी कण भी मिले। प्रयोगशाला जांच में पॉलीइथाइलीन, पॉलीप्रोपाइलीन और नायलॉन जैसे प्लास्टिक पदार्थों की पहचान हुई शोधकर्ताओं के अनुसार कृषि क्षेत्रों से बहकर आने वाला कचरा, अव्यवस्थित कचरा निस्तारण और नदी किनारे बसी आबादी इसके संभावित स्रोत हैं।

चिनाब की मछलियां भी प्रभावित : किश्तवाड़ में चिनाब नदी पर किए गए अध्ययन में मछलियों के विभिन्न अंगों में 20 माइक्रो-प्लास्टिक कण मिले। इनमें 10 कण पाचन तंत्र, छह गलफड़ों और चार यकृत में पाए गए। शोधकर्ताओं ने बिना उपचारित सीवेज, नगर निकाय के कचरे और अपशिष्ट जल को संभावित कारण बताया।

बडगाम के ऊपरी इलाकों में सुरक्षाबलों का तलाशी अभियान फिर तेज

भारतेंदु संवाददाता,बडगाम। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले के ऊपरी इलाकों में सुरक्षाबलों ने शुक्रवार सुबह एक बार फिर तलाशी अभियान शुरू किया। पीर पंजाल पर्वतमाला के दुर्गम और घने वन क्षेत्र में संदिग्ध आतंकवादियों की तलाश के लिए संयुक्त सुरक्षाबलों ने अभियान तेज कर दिया है।अधिकारियों के अनुसार तलाशी अभियान करीब 15 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित वन क्षेत्र में चलाया जा रहा है। यह इलाका बडगाम-पूंछ सीमा के नजदीक है और बेहद ऊबड़-खाबड़ होने के कारण यहां अभियान चलाना सुरक्षाबलों के लिए चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। यह क्षेत्र पीर पंजाल पर्वतमाला का हिस्सा है, जो कश्मीर घाटी को पूंछ और राजौरी क्षेत्रों से जोड़ती है। अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार शाम आतंकवादियों की संभावित मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद संयुक्त सुरक्षाबलों ने घेराबंदी एवं तलाशी अभियान शुरू किया था।

झेलम, चिनाब और तवी नदी में क्रूज सेवा, इलेक्ट्रिक बसें चलाने की तैयारी तेज

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने जम्मू-कश्मीर में अंतर्देशीय जल परिवहन और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी से जुड़ी परियोजनाओं को तय समय में पूरा करने के निर्देश दिए। श्रीनगर में हुई बैठक में झेलम, चिनाब और तवी नदियों में जल परिवहन शुरू करने के साथ इलेक्ट्रिक बसों और चार्जिंग ढांचे की प्रगति की समीक्षा की गई। झेलम नदी में संगम से गुंड प्रांग तक 106 किलोमीटर लंबे क्रूज गलियारे की योजना है। इसके लिए 11 स्थानों पर टर्मिनल विकसित किए जाएंगे। निर्बाध नौवहन के लिए 52 स्थानीय बांधनुमा ढांचों को

11 सितंबर से जम्मू-कश्मीर में फिर बिगड़ेगा मौसम

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू और कश्मीर में 5 से 10 सितंबर तक मौसम सामान्यत: शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि इस दौरान कुछ स्थानों पर हल्की अवधि की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। मौसम विभाग के अनुसार 11 से 15 सितंबर के बीच मौसम फिर अस्थिर हो सकता है। इस अवधि में छिटपुट स्थानों पर बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। कुछ क्षेत्रों में अचानक तेज बौछारें भी पड़ सकती हैं। विभाग ने संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भारी बारिश के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी है। लोगों से नदी-नालों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूरी बनाए रखने को कहा गया है। किसानों को स्थानीय मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए कटाई सहित अन्य कृषि कार्य करने की सलाह दी गई है।

जम्मू के विस्तार की राह खुली, मास्टर प्लान-2032 को मिली सैद्धांतिक मंजूरी

जम्मू मास्टर प्लान को मंजूरी से शहर के विस्तार की राह होगी साफ

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

जम्मू शहर के सुनियोजित विकास और बढ़ती आबादी की भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए संशोधित जम्मू मास्टर प्लान-2032 के मसौदे को सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में जम्मू विकास प्राधिकरण के निदेशक मंडल ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी। अब मसौदे को अंतिम स्वीकृति के लिए आवास एवं शहरी विकास विभाग के माध्यम से मंत्रिमंडल के समक्ष भेजा जाएगा।

मंत्रिमंडल की अंतिम मंजूरी मिलने के बाद जम्मू शहर का क्षेत्रफल मौजूदा 652 वर्ग किलोमीटर से बढ़कर 777.84 वर्ग किलोमीटर हो जाएगा। प्रस्तावित विस्तार के तहत जम्मू और सांबा जिलों के 125.51 वर्ग किलोमीटर ग्रामीण क्षेत्र को शहर की सीमा में शामिल किया जाएगा।

योजना के अनुसार मढ़ और मंडला सहित विभिन्न तहसीलों के सीमावर्ती गांवों को भी शहरी क्षेत्र में जोड़ा जाएगा। कुल 351 राजस्व गांवों को नए दायरे में शामिल करने का प्रस्ताव है। इनमें जम्मू जिले के 262 और सांबा जिले के 89 गांव शामिल हैं। मास्टर प्लान का उद्देश्य शहर के विस्तार को व्यवस्थित दिशा देना, बढ़ती आबादी के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित करना और बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है।

डॉक्टरों की मांगों पर सकीना इटू का बड़ा बयान सरकार समाधान को तैयार

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की स्वास्थ्य मंत्री सकीना इटू ने शुक्रवार को कहा कि हड़ताल पर बैठे डॉक्टरों की इंटर्नशिप से जुड़ी मांगें वास्तविक हैं और सरकार ने इन्हें पूरा करने की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि संबंधित फाइल वित्त विभाग के पास विचाराधीन है और सरकार इस मामले में आवश्यक कार्रवाई कर रही है। मीडिया से बातचीत में सकीना इटू ने कहा कि आंदोलनकारी इंटर्न उनसे भी मिले थे। उन्होंने उन्हें भरोसा दिलाया था कि उनकी मांग जायज है और सरकार उनकी मदद कर रही है। मंत्री ने डॉक्टरों से हड़ताल समाप्त करने की अपील करते हुए कहा कि मांगों के समाधान की प्रक्रिया जारी है।

बाहू प्लाजा के छह कार्यालयों को जेडीए का बेदखली नोटिस

23 साल पुरानी लीज खत्म होने पर जेडीए ने कार्यालय खाली करने के दिए निर्देश

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

जम्मू। जम्मू विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने बाहू प्लाजा में लंबे समय से चल रहे करीब आधा दर्जन सरकारी और अन्य कार्यालयों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। जेडीए ने बोर्ड ऑफ प्रोफेशनल एंट्रेंस एग्जामिनेशंस (बोपी) और रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी) कार्यालय समेत छह कार्यालयों को सात दिन के भीतर परिसर खाली करने का अंतिम बेदखली आदेश जारी किया है। जेडीए कर्मचारियों ने गुरुवार दोपहर बाद संबंधित कार्यालयों के बाहर नोटिस भी चस्पा किए।

जेडीए के अनुसार, बाहू प्लाजा के साउथ ब्लॉक की चौथी मंजिल पर स्थित कई कमरों को वर्ष 2000 में बोपी को तीन साल के लिए लीज पर दिया गया था। इसकी लीज अवधि दिसंबर 2003 में समाप्त हो गई थी। इसके बाद सक्षम प्राधिकारी की ओर से लीज का नवीनीकरण नहीं किया गया। इसके बावजूद कार्यालय इन परिसरों में संचालित होते रहे। जेडीए ने इसे वैध लीज अथवा अनुमति के बिना किया जा रहा अनधिकृत कब्जा बताया है।

कार्रवाई से पहले जेडीए की ओर से बकाया किराए और अन्य देनदारियों को लेकर कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था। संबंधित संस्था को अपना पक्ष रखने के लिए व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर भी दिया गया। 11 मार्च 2026 को हुई सुनवाई के दौरान भी संस्था अपने कब्जे के लिए वैध अधिकार साबित नहीं कर सकी। इसके बाद जेडीए ने अंतिम बेदखली आदेश जारी करते हुए सात दिन के भीतर परिसर खाली करने के निर्देश दिए हैं।

इसी तरह आरओसी कार्यालय को भी बाहू प्लाजा के साउथ ब्लॉक की चौथी मंजिल पर स्थित कमरों को खाली करने का नोटिस दिया गया है। जेडीए ने कहा है कि इन परिसरों की लीज अवधि भी वर्षों पहले समाप्त हो चुकी है और उनका नवीनीकरण नहीं कराया गया।

श्रीनगर एयरपोर्ट पर पोल से टकराया इंडिगो विमान, सभी यात्री सुरक्षित

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

नवी मुंबई से श्रीनगर पहुंची इंडिगो की एक उड़ान शुक्रवार सुबह हवाईअड्डे पर पार्किंग के दौरान विजुअल डॉकिंग गाइडेंस सिस्टम के पोल के संपर्क में आ गई। घटना के समय विमान में यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। राहत की बात रही कि हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है और सभी यात्री व चालक दल सुरक्षित रहे।

एयरपोर्ट प्राधिकरण के अनुसार इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 225 को सुबह करीब 9:02 बजे बे नंबर छह पर पार्क किया जा रहा था। इसी दौरान विमान वीडीजीएस पोल से टकरा गया। घटना के बाद विमान में मौजूद यात्रियों और चालक दल को सुरक्षित उतारा गया। यात्रियों को विमान से बाहर निकालने के लिए मैनुअल विमान सीढ़ियों का इस्तेमाल किया गया।

प्राधिकरण ने बताया कि घटना के बाद भी श्रीनगर हवाईअड्डे पर विमानों का परिचालन सामान्य रूप से जारी रहा। घटना से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों की निर्धारित प्रक्रिया के तहत संबंधित अधिकारियों द्वारा जांच की जाएगी। जांच पूरी होने के बाद ही संपर्क में आने के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

उधर, श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के विस्तार की भी तैयारी चल रही है। जम्मू-कश्मीर सरकार की ओर से केंद्रीय गृह मंत्रालय को दी गई जानकारी के अनुसार हवाईअड्डे के सिविल एन्क्लेव के विस्तार पर 1,667 करोड़ रुपये खर्च किए जाने का प्रस्ताव है।

कान्हा की पोशाकें बेचकर से कटड़ा की ग्रामीण महिलाओं का बढ़ा आत्मविश्वास

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

नए हुनर से आत्मनिर्भर बनीं कटड़ा की ग्रामीण महिलाएं

जम्मू-कश्मीर के ग्रामीण इलाकों में महिलाएं अपने हुनर को रोजगार का माध्यम बनाकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं। कटड़ा का बाबा लाल जी स्वयं सहायता समूह भी इसी दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। समूह से जुड़ी महिलाएं अलग-अलग त्योहारों के अवसर पर उपयोगी और आकर्षक वस्तुएं तैयार कर अपनी आमदनी बढ़ा रही हैं। इस बार जन्माष्टमी पर उन्होंने कान्हा की डिजाइनर पोशाकें तैयार कर बाजार में उतारीं।

कटड़ा निवासी सपना देवी ने वर्ष 2019 में इस स्वयं सहायता समूह की शुरुआत की थी। उन्होंने अपने साथ दस अन्य ग्रामीण महिलाओं को जोड़ा। शुरुआत छोटे स्तर से हुई, लेकिन समय के साथ महिलाओं में काम करने और अपनी आय अर्जित करने का आत्मविश्वास बढ़ता गया। वर्तमान में समूह की महिलाएं गोटे वाली साड़ियां, दुपट्टे, चूड़ियां और कलीरें सहित विभिन्न वस्तुएं तैयार कर बेचती हैं।

इस वर्ष जन्माष्टमी को देखते हुए समूह की महिलाओं ने पहली बार कान्हा की पोशाकें बनाने का निर्णय लिया। महिलाओं ने अलग-अलग डिजाइन और सजावटी सामग्री का इस्तेमाल कर आकर्षक पोशाकें तैयार कीं। उन्होंने इन पोशाकों को समूह के सदस्यों के माध्यम से ही बेचने की व्यवस्था की। करीब दस दिनों में महिलाओं ने लगभग 250 पोशाकें बेच दीं।

कठुआ के गंडयाल में बिना लाइट ट्रैक्टर-ट्रॉली से बाइक सवार की मौत

भारतेंदु संवाददाता, कठुआ। कठुआ जिले के गंडयाल क्षेत्र में शुक्रवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक कन्नू की मौत हो गई। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने दुर्घटना में शामिल ट्रैक्टर-ट्रॉली को आग के हवाले कर दिया। सूचना मिलते ही लखनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर स्थिति शांत कराई। जानकारी के अनुसार कन्नू रात को अपनी दुकान बंद कर बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान निर्माण सामग्री लेकर जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली कथित तौर पर बिना लाइट के लिंक रोड पर चल रही थी। अंधेरे में ट्रैक्टर-ट्रॉली दिखाई नहीं देने के कारण बाइक उसकी चपेट में आ गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कन्नू की मौके पर ही मौत हो गई।

सरला भट्ट हत्याकांड में यासीन मलिक ने बचाव से किया इनकार

यासीन मलिक ने अदालत में बचाव से इनकार कर चौंकाया

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

प्रतिबंधित जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के प्रमुख यासीन मलिक ने 1990 के चर्चित सरला भट्ट हत्याकांड में अपना बचाव करने से इनकार कर दिया है। श्रीनगर की अतिरिक्त सत्र अदालत में दाखिल 25 पन्नों के हलफनामे में मलिक ने कहा कि वह मुकदमे की कार्यवाही को चुनौती नहीं देगा और अदालत उसके मामले में मृत्युदंड पर विचार कर सकती है। उसने बताया कि यह निर्णय उसने इस्तिखारा के बाद लिया है।

हालांकि मलिक ने सरला भट्ट की हत्या में अपनी किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है। उसने दावा किया कि राजनीतिक परिस्थितियों के कारण उसे इस मामले में झूठा फंसाया गया है। साथ ही कहा कि मुकदमा नहीं लड़ने के उसके फैसले को अपराध की स्वीकारोक्ति नहीं माना जाना चाहिए। उसकी ओर से अधिवक्ता अबू आदिल पंडित ने बुधवार को अदालत में बयान पेश किया। मामले की अगली सुनवाई 19 सितंबर को होगी।

सरला भट्ट श्रीनगर स्थित शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में स्टाफ नर्स थीं और कश्मीरी पंडित समुदाय से थीं। अप्रैल 1990 में आतंकवाद के दौर में उनका अपहरण हुआ था और कुछ दिन बाद उनका शव बरामद हुआ था।

सोपोर की खानकाह-ए-मौला दरगाह में चार फुट का सांप मिला, श्रद्धालुओं में मची दहशत

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। उत्तर कश्मीर के बारामूला जिले के सोपोर कस्बे में स्थित ऐतिहासिक खानकाह-ए-मौला दरगाह में वीरवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब परिसर में करीब चार फुट लंबा सांप दिखाई दिया। सांप को देखते ही दरगाह में मौजूद श्रद्धालुओं में दहशत फैल गई। लोगों ने तुरंत सुरक्षित दूरी बना ली और इसकी सूचना वन्यजीव विभाग को दी।

दरगाह परिसर में सांप दिखाई देने के समय कई श्रद्धालु मौजूद थे। इनमें बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल थे। ऐसे में लोगों की चिंता बढ़ गई। स्थानीय लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए सांप को खुद पकड़ने या उसे नुकसान पहुंचाने के बजाय वन्यजीव विभाग को सूचना देना उचित समझा।

सूचना मिलते ही वन विभाग की प्रशिक्षित टीम आवश्यक उपकरणों के साथ दरगाह परिसर पहुंची। टीम ने काफी सावधानी और मशक्कत के बाद सांप को सुरक्षित तरीके से पकड़ लिया। इस दौरान सांप को किसी तरह की चोट नहीं पहुंची। रेस्क्यू के बाद वन विभाग की टीम उसे आबादी वाले क्षेत्र से दूर एक सुरक्षित वन क्षेत्र में ले गई और उसके अनुकूल प्राकृतिक वातावरण में छोड़ दिया।

नियंत्रण गुलमर्ग-टंगमर्ग मार्ग पर बनेगी विशेष चौकी, वाहनों की तलाशी से पॉलीथीन प्रवेश पर लगेगी रोक

गुलमर्ग की हरियाली बचाने को वन विभाग कसेगा पॉलीथीन पर शिकंजा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

कश्मीर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग की प्राकृतिक सुंदरता को प्लास्टिक और बढ़ते प्रदूषण से बचाने के लिए जम्मू-कश्मीर वन विभाग ने सख्त कदम उठाने की तैयारी की है। गुलमर्ग-टंगमर्ग मार्ग पर जल्द ही विशेष पॉलीथीन जांच चौकी स्थापित की जाएगी। इस चौकी पर गुलमर्ग की ओर जाने वाले वाहनों की तलाशी ली जाएगी और पॉलीथीन तथा प्रतिबंधित प्लास्टिक को भीतर ले जाने से रोका जाएगा। वन विभाग का कहना है कि पर्यटन गतिविधियों के बढ़ने के साथ गुलमर्ग के पर्यावरण पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में प्लास्टिक कचरे पर प्रभावी नियंत्रण जरूरी हो गया है।

टंगमर्ग के प्रभागीय वन अधिकारी फीरोज अहमद ने बताया कि जांच चौकी का मुख्य उद्देश्य गुलमर्ग में पॉलीथीन और प्रतिबंधित प्लास्टिक के प्रवेश को रोकना है। उन्होंने कहा कि वाहनों की जांच के दौरान यह सुनिश्चित किया जाएगा कि पर्यटक अपने साथ ऐसी सामग्री न ले जाएं जो पर्यावरण के लिए नुकसानदायक हो। वन विभाग का मानना है कि केवल कचरा उठाने के बजाय उसके स्रोत पर ही रोक लगाना अधिक प्रभावी होगा।

गंदे पानी से देवदार के पेड़ों पर संकट : वन विभाग ने गुलमर्ग के पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले एक अन्य गंभीर कारण की ओर भी ध्यान दिलाया है। विभाग के मुताबिक कई होटल और निजी आवासों से निकलने वाला गंदा पानी सीधे जंगल की जमीन में छोड़ा जा रहा है। इससे देवदार के पेड़ों की जड़ों को नुकसान पहुंच रहा है। गंदे पानी के लगातार संपर्क में आने से पेड़ों की जड़ें कमजोर हो रही हैं और उनके धीरे-धीरे सूखने का खतरा बढ़ रहा है।

विभाग के अनुसार गुलमर्ग का प्राकृतिक पर्यावरण बेहद संवेदनशील है। यहां बड़ी संख्या में पर्यटकों के पहुंचने के कारण कचरे की मात्रा भी बढ़ रही है। यदि समय रहते इसके निस्तारण की उचित व्यवस्था नहीं की गई तो इसका असर जंगल, पेड़-पौधों और पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ सकता है।

रास्ते में बढ़ाए जाएंगे कूड़ेदान : वन विभाग टंगमर्ग से गुलमर्ग तक के मार्ग पर उन स्थानों पर पर्याप्त संख्या में कूड़ेदान लगाने की योजना बना रहा है जहां पर्यटक रुकते हैं या पिकनिक करते हैं। अधिकारियों ने पर्यटकों से अपील की है कि वे जंगल और सड़क किनारे कचरा न फेंकें तथा कूड़ेदान का इस्तेमाल करें।

कचरा निस्तारण स्थल की कमी बनी चुनौती

वन विभाग ने माना कि गुलमर्ग में फिलहाल कोई समर्पित कचरा निस्तारण स्थल नहीं है। इसके चलते जंगल में फेंके गए कचरे को वन विभाग के कर्मचारी स्वयं एकत्र करते हैं और उसे कुंजर स्थित निस्तारण स्थल तक पहुंचाते हैं। इससे विभाग पर अतिरिक्त जिम्मेदारी पड़ती है और स्थायी समाधान की आवश्यकता महसूस हो रही है। वन विभाग की प्रस्तावित जांच चौकी, बढ़ाए जाने वाले कूड़ेदान और कचरा प्रबंधन को लेकर सख्ती का उद्देश्य गुलमर्ग की प्राकृतिक विरासत को सुरक्षित रखना है।

हिमालय से निकलती जीवनदायिनी नदियों के बावजूद पहाड़ी गांवों में क्यों गहराता जा रहा जल संकट

डॉ. तारा देवी सेन
वल्लभ महाविद्यालय, मंडी
विभागाध्यक्ष, वनस्पति शास्त्र

यदि हिमालय को भारत का 'जल टावर' कहा जाता है, तो फिर हमारे देश के अनेक गांव आज भी जल संकट का सामना क्यों कर रहे हैं? यह प्रश्न केवल एक भौगोलिक विरोधाभास नहीं, बल्कि हमारी विकास नीतियों, सामाजिक प्राथमिकताओं और प्रकृति से दूर होती जीवनशैली का दर्पण है। हिमालय विश्व की सबसे युवा पर्वत शृंखला होने के साथ-साथ दक्षिण एशिया की जलधारा का मुख्य स्रोत है। यहां से निकलने वाली महान नदियां-गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, सतलुज, ब्यास, रावी, चिनाब और झेलम करोड़ों लोगों की जीवनरेखा हैं।

हिमाचल प्रदेश जैसे पर्वतीय राज्य में ये नदियां केवल जल स्रोत नहीं, बल्कि संस्कृति, आस्था और अर्थव्यवस्था का आधार हैं। फिर भी विडंबना यह है कि अनेक पहाड़ी गांवों में झरने सूख रहे हैं, नौले खाली हो रहे हैं और लोगों को पेयजल के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ रहा है।

परंपरा में समाधान : भारत में जल संरक्षण केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक दायित्व रहा है। हिमाचल में कूहलें और नौला-धारा जैसी पारंपरिक जल व्यवस्थाएं गुरुत्वाकर्षण और सामुदायिक सहयोग पर आधारित थीं। घरों की ढलानदार छतों से वर्षाजल भूमिगत टैंकों में संचित किया जाता था। देववन और पवित्र उपवन वृक्षों और जल स्रोतों को संरक्षित रखते थे। हमारे पूर्वज भली-भांति समझते थे कि प्रकृति का संतुलन ही जीवन का आधार है।

वर्तमान चुनौतियां और प्रदूषण : आज तीव्र आधुनिकीकरण, अनियंत्रित शहरीकरण और संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने इस संतुलन को प्रभावित किया है। वनों की कटाई, अवैज्ञानिक निर्माण, औद्योगिक अपशिष्ट और अनुपचारित सीवेज ने नदियों की स्वच्छता को चुनौती दी है। हिमाचल प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्टों में कई नदी खंड राष्ट्रीय मानकों से नीचे दर्ज किए गए हैं।

ब्यास के ऊपरी क्षेत्र अपेक्षाकृत स्वच्छ हैं, परंतु कुल्लू और मंडी जैसे शहरी क्षेत्रों के निकट कोलीफॉर्म बैक्टीरिया का स्तर बढ़ा हुआ पाया गया है। सिरसा नदी औद्योगिक क्षेत्रों के कारण अधिक प्रदूषित मानी जाती है, जहां जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग उच्च स्तर पर दर्ज की गई है। छोटे स्रोत जैसे अश्वनी खड्ड और गिरी नदी भी शहरी अपशिष्ट से प्रभावित हो रहे हैं। विडंबना यह है कि जो जल कभी नि:शुल्क और शुद्ध था, आज वह बोतलों में बिक रहा है। स्वच्छ वायु भी प्रदूषण की मार झेल रही है। यदि यही स्थिति रही तो भविष्य में ऑक्सीजन भी बाजार की वस्तु बन सकती है।

वृक्षारोपण : वैज्ञानिक समाधान : वृक्ष जल संरक्षण में मदद करते हैं, भूजल पुनर्भरण बढ़ाते हैं और मृदा अपरदन रोकते हैं। हिमालयी वान, देवदार और उतिस जैसी प्रजातियां सतही बहाव कम कर मिट्टी को स्थिर रखती हैं। पारंपरिक पीपल, बरगद और गूलर भी भूजल और मृदा संरक्षण में सहायक हैं।

जल शुद्धिकरण में पौधों की भूमिका : फाइटो-रिमेडिएशन में पौधे जल और मिट्टी से प्रदूषक अवशोषित करते हैं। सहेजन के बीज गंदे जल को साफ करते हैं, नागफनी तलछट हटाती है और टायफा, पतेरा तथा खस की जड़ आर्द्रभूमि में भारी धातु और पोषक तत्व अवशोषित करती है।

जलवायु परिवर्तन और हिमालय : पहले हिमपात धीरे पिघलता और वर्षा संतुलित होती थी, लेकिन अब वर्षा अनियमित, बादल फटने की घटनाएं बढ़ी और हिमनद सिकुड़ रहे हैं। झरने सूख रहे हैं, भूजल घट रहा है और ऋतु चक्र बदल रहा है। वन घटे तो जल स्रोत कम होंगे, जिससे गांवों का अस्तित्व खतरे में पड़ेगा।

इस वर्ष की थीम : जल और जेंडर : अंतरराष्ट्रीय जल दिवस 22 मार्च को मनाया जाता है। 2026 की थीम 'जल और जेंडर' है। ग्रामीण भारत में जल संग्रह की जिम्मेदारी अक्सर महिलाओं पर होती है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

बाण गंगा के किनारे बसा मां चामुंडा धाम सदियों से श्रद्धा और साधना का क्रेंद्र

तुलसी राम डोगरा
स्वतंत्र लेखक, पालमपुर

हिमाचल प्रदेश अपनी पुरातन व समृद्ध संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए विश्वविख्यात है। इस धरा में ऋषि-मुनियों ने घोर तपस्या की, वहीं देवी- देवताओं की भी यह कर्मस्थली रही। इसलिए इस राज्य ने देश-विदेश में देवभूमि के नाम से ख्याति अर्जित की। वास्तव में इस धरा में अनेकों धार्मिक व पावन पवित्र स्थल हैं, जो किसी न किसी पौराणिक किंवदंतियों अथवा जनश्रुति से जुड़े हुए हैं।

इसी शृंखला में पालमपुर-धर्मशाला से क्रमश: 25 और 15 किलोमीटर की दूरी और समुद्र तल से 800 मीटर ऊंचाई की धौलाधार वादियों से आच्छादित माता चामुंडा का अलौकिक मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था, श्रद्धा व विश्वास का केंद्र है। यह शिव व शक्ति अर्थात मां पार्वती का स्थान है व चामुंडा-नंदिकेश्वर धाम के नाम से प्रचलित है। मां चामुंडा का यह भव्य मंदिर वास्तव में भक्तजनों को दिव्यता की अनुभूति प्रदान करता है। धौलाधार पहाड़ी की कंदराओं में अवस्थित इस मंदिर की महिमा तो अपरंपार है। पौराणिक कथनानुसार, अर्थात दुर्गा सप्तशती के सप्तम अध्याय से उद्धत है कि जब चंड-मुंड नामक दैत्य अपने राजा शुंभ- निशुंभ के आदेशानुसार अपनी चतुरंगिणी सेना के साथ अस्त्रों-शास्त्रों से सुसज्जित होकर जा रहे थे, तो मार्ग में उन्होंने हिमालय की ऊंची चोटी पर सिंह पर सवार एक देवी रूपी कन्या को बैठा देखा जो मंद-मंद हंस रही थी। चंड-मुंड अपने सैन्य बल और अस्त्र-शस्त्रों द्वारा उसे पकड़ने की चेष्टा करने लगे। देवी यह देखकर क्रोध से तन गई और उसके चेहरे व आंखों में दहकते अंगारों-सी लालिमा आ गई। भयानक मुख वाली देवी तलवार व पाश लिए साक्षात उनके समक्ष प्रकट हो गई।

देवी ने अपना मुख पूरा खोला हुआ था और जिव्हा पूर्ण रूप से बाहर लटक रही तथा एक अद्भुत व विकराल रूप धारण किया हुआ था। अपनी भयानक गर्जना से उसने चारों दिशाओं को गुंजायमान कर दिया और बड़े ही आक्रमक रूप में आकर असुरों व दैत्य सेना पर टूट पड़ी जो भी उसके सामने आता गया उसका भक्षण करती गई। यहां तक की एक ही हाथ से वह उन राक्षसों, महावत, योद्धाओं व भारी-भरकम हाथियों को पकड़कर अपने मुंह में डालती गई। दूसरी ओर, अपनी हुंकार से सामने आने वाले हर दैत्य एवं असुर को भस्म कर रही थी, ऐसा रौद्र व वीभत्स रूप धारण किया हुआ था भगवती मां ने।

चंड-मुंड ने अपने वाणों और अस्त्रों से देवी को मारने की पूरी चेष्टा की, लेकिन वह अत्यंत क्रोध तथा भयानक गर्जना करते हुए चंड पर टूट पड़ी और उसी की तलवार से उसका सिर कलम कर दिया। चंड को मरते देख मुंड देवी के ऊपर प्रहार करने लगा, देवी ने उसका सिर भी धड़ से अलग कर दिया व चंड-मुंड के सिर हाथ में लिए काली देवी अपना भयानक अट्टहास करती हुई चंडिका के पास पहुंच कर बोली 'मैंने चंड-मुंड नामक महा-पशु आपको भेंट चढ़ा दिए, अब तो युद्ध में शुंभ-निशुंभ का आप स्वयं वध करना है।' चंड-मुंड असुरों के वध के बाद देवी चंडिका ने काली से कहा कि अब वह 'चामुंडा' नाम से प्रसिद्ध होंगी, क्योंकि उन्होंने इन महा असुरों का संहार किया है। तभी से मां चामुंडा की पूजा-अर्चना निरंतर होती आ रही है। किंवदंतियों के अनुसार यह मंदिर 700 वर्ष से भी अधिक प्राचीन है। प्रारंभ में यहां पिंडी की पूजा होती थी, बाद में देवी की भव्य मूर्ति स्थापित की गई। मंदिर परिसर में देवी के चरणों और शिवलिंग से चिन्हित प्राचीन शिला स्थित है। पास ही एक विशाल शिला के नीचे शिवलिंग होने के कारण इसे चामुंडा-नंदिकेश्वर धाम कहा जाता है। बाण गंगा के किनारे बने घाटों में स्नान और शतचंडी पाठ का विशेष महत्व है। यह स्थान प्राचीन काल से ही साधकों की तपस्थली रहा है।

नवरात्र में यहां विशेष भीड़ उमड़ती है। श्रद्धालु यहां कन्या पूजन, पूजा-अर्चना और मन्नतें पूरी होने पर आभार व्यक्त करते हैं। मंदिर परिसर में शिव, हनुमान सहित अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियां आध्यात्मिक वातावरण को और दिव्य बनाती हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

हिमनदों पर बढ़ता खतरा

ग्लेशियर झीलों के फटने और हिमस्खलन के खतरों से निपटने की तैयारियों की समीक्षा के लिए केंद्रीय गृह सचिव की अध्यक्षता में हिमालयी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की जो बैठक आयोजित की गई, वह समय की मांग थी। नेपाल में ग्लेशियर फटने से आई विनाशकारी बाढ़ के बाद यह आवश्यक हो गया था कि हिमालय क्षेत्र के राज्य ऐसी किसी आपदा से निपटने के लिए कमर कसें। यह इसलिए और आवश्यक है, क्योंकि हिमालयी राज्य बारिश और बाढ़ से उपजी चुनौतियों का सामना पहले से ही कर रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और पर्वतीय क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा, बादल फटने, भूस्खलन तथा अचानक आने वाली बाढ़ की घटनाएं चिंता बढ़ा रही हैं।

इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पिछले कुछ वर्षों में बारिश के दिनों में पर्वतीय नदियों में बाढ़ आने से हिमालयी राज्यों को अच्छी-खासी जन-धन हानि का सामना करना पड़ा है। सड़कें और पुल बह जाते हैं, गांवों का संपर्क टूट जाता है तथा बिजली और पेयजल जैसी आवश्यक सेवाएं प्रभावित होती हैं। कई बार आपदा इतनी तेजी से आती है कि लोगों को संभलने का अवसर तक नहीं मिलता। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि गृह सचिव की ओर से बुलाई गई बैठक में हिमालय क्षेत्र के राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने हिमनद झीलों की निगरानी और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करने को लेकर अपनी-अपनी तैयारियों का विवरण सामने रखा। अभी और भी बहुत कुछ करने की जरूरत है।

पहली जरूरत सभी ग्लेशियरों की सतत निगरानी की है। केवल किसी आपदा के बाद राहत और बचाव अभियान चलाने से काम नहीं चलेगा। ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें संभावित खतरे की जानकारी समय रहते स्थानीय प्रशासन और आम लोगों तक पहुंच सके। इसके लिए आधुनिक उपग्रह तकनीक, दूरसंवेदी प्रणालियों, मौसम संबंधी आंकड़ों और जमीनी निगरानी को एक साथ जोड़ना होगा। हिमनद झीलों के आकार, जलस्तर और उनमें होने वाले बदलावों पर लगातार नजर रखनी होगी।

यह पर्याप्त नहीं कि भारत अपने हिमालयी क्षेत्र के ग्लेशियरों की निगरानी कर रहा है, क्योंकि कई ग्लेशियर ऐसे हैं जो दूसरे देशों की सीमा में ऐसी जगह पर हैं कि उनके फटने से भारत के पर्वतीय राज्यों को अधिक खतरा हो सकता है। ठीक वैसे ही जैसे नेपाल की नदियों में आई बाढ़ का संबंध तिब्बत के हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियर फटने से जोड़ा गया। ऐसे मामलों में सीमाओं से अधिक महत्वपूर्ण मानवीय जीवन की सुरक्षा होनी चाहिए। यदि किसी क्षेत्र में होने वाली प्राकृतिक घटना का प्रभाव दूसरे देश तक पहुंच सकता है तो सूचना साझा करने की व्यवस्था भी उतनी ही मजबूत होनी चाहिए।

ऐसे में आवश्यक है कि भारत, नेपाल और भूटान मिलकर चीन पर इसके लिए दबाव बनाएं कि ग्लेशियरों की निगरानी और आपदा संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान का कोई साझा तंत्र स्थापित हो। हिमालय किसी एक देश की संपत्ति नहीं है। इसकी नदियां और पारिस्थितिकी सीमाओं को नहीं मानतीं। एक देश में होने वाला बदलाव दूसरे देश के लिए भी संकट पैदा कर सकता है। इसलिए हिमालयी क्षेत्र को साझा पर्यावरणीय क्षेत्र मानते हुए आपदा प्रबंधन के लिए क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करना होगा।

अब जब यह स्पष्ट है कि वैश्विक तापमान बढ़ने के कारण ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने का खतरा बढ़ रहा है, तब उनकी सतत निगरानी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसके साथ ही यह भी देखना होगा कि हिमालयी क्षेत्रों में विकास के नाम पर हो रहे निर्माण किस सीमा तक प्रकृति के अनुकूल हैं। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में सड़क, सुरंग, बांध और बिजली परियोजनाएं आवश्यक हो सकती हैं, लेकिन उनका निर्माण पर्यावरणीय संवेदनशीलता को ध्यान में रखकर ही होना चाहिए।

यह सही समय है कि ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड से संबंधित परियोजनाओं की समीक्षा की जाए। केवल योजनाएं बनाना पर्याप्त नहीं है। उनके परिणाम जमीन पर दिखाई देने चाहिए। प्रत्येक संवेदनशील क्षेत्र में आपदा के समय लोगों को सुरक्षित निकालने की स्पष्ट योजना होनी चाहिए। स्थानीय प्रशासन, सेना, अर्धसैनिक बल, आपदा प्रबंधन दल और स्थानीय समुदायों के बीच बेहतर समन्वय भी जरूरी है। जिन गांवों और बस्तियों पर अधिक खतरा है, वहां समय रहते लोगों को चेतावनी देने और सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने की व्यवस्था होनी चाहिए।

हिमालयी राज्यों में नदियों के किनारे होने वाली अनियंत्रित बसाहट को भी अनिवार्य रूप से रोकना होगा। यह ठीक नहीं कि नदियों के किनारे घरों के साथ होटल और रिसार्ट आदि बनते रहें। नदी का अपना प्राकृतिक क्षेत्र होता है और उसे निर्माण के लिए घेरना भविष्य की आपदा को निमंत्रण देना है। पर्यटन जरूरी है, लेकिन पर्यटन के नाम पर पहाड़ों की वहन क्षमता से अधिक निर्माण करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। हिमालय केवल पर्यटन और विकास का क्षेत्र नहीं है। यह करोड़ों लोगों के जीवन, जल और पर्यावरण से जुड़ा हुआ है। हिमालयी नदियां मैदानी क्षेत्रों की बड़ी आबादी की जरूरतें पूरी करती हैं।

- शिवांश धाकड़

कविता

नारी

वीरेन्द्र शर्मा वात्स्यायन, ऊना
(हिमाचल प्रदेश)

नारी, तुम सृष्टि-सृजना हो,
तुमसे ही है वजूद जगत का,
तुम नहीं तो संसार है शून्य,
जीवन की हर सुंदर छाया हो तुम।
ममता का सागर तुम ही हो,
प्रेम की निर्मल धारा हो,
मोह-माया की दुनिया में भी,
रिश्तों की प्यारी भाषा हो।
माता बनकर जीवन देती,
बहन बनकर स्नेह लुटाती,
बेटी बनकर घर आंगन में,
खुशियों के दीप जलाती।
पत्नी बनकर साथ निभाती,
हर मुश्किल में हौसला देती,
अपने सपनों को पीछे रखकर,
परिवार की खुशियां चुन लेती।
फिर क्यों नारी ही नारी की,
दुश्मन बनने लग जाती है?
क्यों बेटी को बोझ समझकर,
उसकी उड़ान रोक दी जाती है?
नारी किसी से कम नहीं है,
वह शक्ति है, सम्मान है,
उसके कदमों से घर रोशन,
उससे ही समाज महान है।
क्यों करते हो तुम अभिमान,
नारी ही तो जगत जननी है,
उसका सम्मान करो हर पल,
वह प्रेम, शक्ति और करुणा है।

राजनीति में ईमानदार और सादगीपूर्ण व्यक्तित्व आज भी समाज में बेहद लोकप्रिय

ठाकुर हेमराज राणा
स्वतंत्र लेखक, सिरमौर

आज के समय में राजनीति का प्रभाव समाज के लगभग हर क्षेत्र में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। विकास, प्रशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक संरचना-इन सभी पर राजनीतिक निर्णयों का सीधा असर पड़ता है। ऐसे में यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि राजनीति में केवल प्रभाव और शक्ति का होना पर्याप्त है या फिर ईमानदारी और सादगी जैसे गुण भी उतने ही आवश्यक हैं।

वास्तव में, राजनीति में सच्ची लोकप्रियता केवल पद या शक्ति से नहीं, बल्कि चरित्र से मिलती है। समाज के बुद्धिजीवी और शिक्षाविद भी मानते हैं कि यदि कोई जनप्रतिनिधि ईमानदार और सादगीपूर्ण जीवन जीता है, तो वह लोगों के दिलों में स्थायी स्थान बना लेता है। आज के दौर में, जहां राजनीति पर भ्रष्टाचार और निजी स्वार्थ के आरोप अक्सर लगते रहते हैं, वहीं कुछ ऐसे उदाहरण भी हैं जो यह सिद्ध करते हैं कि सादगी और सत्यनिष्ठा आज भी सबसे बड़ी ताकत है। भारतीय राजनीति में लाल बहादुर शास्त्री, महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, अटल बिहारी वाजपेयी और एपीजे अब्दुल कलाम जैसे महान नेताओं के जीवन से यह स्पष्ट होता है कि सादगी और ईमानदारी केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, बल्कि नेतृत्व की पहचान हैं। इन नेताओं ने अपने कार्यकाल में न केवल देश का मार्गदर्शन किया, बल्कि अपने आचरण से जनता का विश्वास भी जीता। यही कारण है कि वर्षों बाद भी लोग उन्हें आदर्श के रूप में याद करते हैं।

हालांकि, वर्तमान समय में राजनीति की छवि कई बार नकारात्मक भी दिखाई देती है। कुछ नेता ईमानदारी का दिखावा करते हैं, लेकिन व्यवहार में उसके विपरीत आचरण करते हैं। ऐसे में जनता का विश्वास कमजोर होना स्वाभाविक है। जब जनप्रतिनिधि अपने अधिकारों का उपयोग निजी लाभ और प्रभाव बढ़ाने के लिए करते हैं, तो लोकतंत्र की मूल भावना प्रभावित होती है। फिर भी, यह पूरी तस्वीर नहीं है। आज भी देश के विभिन्न हिस्सों में कई ऐसे जनप्रतिनिधि मौजूद हैं जो राजनीति को सेवा का माध्यम मानते हैं। वे अपने क्षेत्र में जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझते हैं और समाधान के लिए ईमानदारी से प्रयास करते हैं।

ऐसे नेता अपने व्यवहार, सादगी और समर्पण के कारण लोगों के दिलों में बस जाते हैं। वे केवल नेता नहीं, बल्कि समाज के सच्चे सेवक बन जाते हैं। आज का समाज पहले की तुलना में अधिक जागरूक और शिक्षित हो चुका है। जनता अब केवल भाषणों और वादों से प्रभावित नहीं होती, बल्कि नेताओं के कार्यों और जीवनशैली का भी मूल्यांकन करती है। यही कारण है कि ईमानदार और सादगीपूर्ण नेताओं को विशेष सम्मान मिलता है, जबकि भ्रष्ट और स्वार्थी नेताओं को जनता नकार देती है।

युवा पीढ़ी के लिए यह एक महत्वपूर्ण सीख है। राजनीति में आने वाले नए चेहरों को यह समझना होगा कि स्थायी सफलता केवल सत्ता से नहीं, बल्कि विश्वास से मिलती है। यदि वे सादगी, पारदर्शिता और सेवा भावना को अपनाते हैं, तो वे न केवल सफल नेता बन सकते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव भी ला सकते हैं। बहरहाल, राजनीति का वास्तविक उद्देश्य जनता की सेवा और समाज का विकास है। यदि इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए ईमानदारी और सादगी को अपनाया जाए, तो लोकतंत्र और अधिक मजबूत हो सकता है। अन्यथा, यदि राजनीति केवल स्वार्थ और शक्ति का माध्यम बनकर रह गई, तो जनता का विश्वास धीरे-धीरे समाप्त हो जाएगा, जो किसी भी राष्ट्र के लिए शुभ संकेत नहीं है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

शिक्षा को समर्पित महान व्यक्तित्व

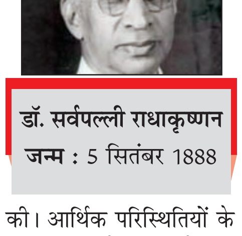

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन
जन्म : 5 सितंबर 1888

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारत के महान शिक्षाविद, दार्शनिक और राजनेता थे। उनका जन्म 5 सितंबर 1888 को तमिलनाडु के तिरुत्तनी में हुआ था। वे 1952 से 1962 तक भारत के उपराष्ट्रपति और 1962 से 1967 तक देश के राष्ट्रपति रहे। इससे पहले उन्होंने 1949 से 1952 तक सोवियत संघ में भारत के राजदूत के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई। शिक्षा और दर्शन के क्षेत्र में उनके योगदान ने उन्हें विश्व के प्रतिष्ठित विद्वानों में स्थान दिलाया।

राधाकृष्णन का प्रारंभिक जीवन शिक्षा के प्रति समर्पण से जुड़ा रहा। उन्होंने मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज से उच्च शिक्षा प्राप्त की और दर्शन विषय में विशेष रुचि विकसित की। आर्थिक परिस्थितियों के कारण उन्होंने संयोगवश दर्शन का अध्ययन शुरू किया, लेकिन आगे चलकर यही विषय उनके जीवन का प्रमुख क्षेत्र बन गया। उन्होंने भारतीय दर्शन, धर्म और संस्कृति का गहन अध्ययन किया तथा भारतीय विचार परंपरा को पश्चिमी दुनिया तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने मैसूर विश्वविद्यालय, कलकत्ता विश्वविद्यालय और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में अध्यापन किया। वे आंध्र विश्वविद्यालय और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति भी रहे। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में उन्हें पूर्वी धर्म और नीतिशास्त्र के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अकादमिक जिम्मेदारी मिली। उनके लेखन और विचारों ने भारतीय दर्शन की आधुनिक व्याख्या को नई दिशा प्रदान की।

राधाकृष्णन का दर्शन अद्वैत वेदांत की परंपरा से प्रभावित था। वे मानते थे कि मनुष्य को सभी प्राणियों में समानता और एकता का भाव देखना चाहिए। उनके विचारों में प्रेम, भाईचारा, मानवीय गरिमा और नैतिकता को विशेष महत्व प्राप्त था। उन्होंने भारतीय संस्कृति और हिंदू दर्शन के संबंध में पश्चिमी आलोचनाओं का विद्वतापूर्ण उत्तर दिया और भारतीय ज्ञान परंपरा की विशेषताओं को दुनिया के सामने रखा। राष्ट्रपति के रूप में भी राधाकृष्णन अपनी विद्वता, सरलता और गहरी समझ के लिए प्रसिद्ध रहे।

शिक्षक केवल ज्ञान देने वाला नहीं, बल्कि संस्कार, चरित्र और राष्ट्र का भविष्य गढ़ने वाला सच्चा शिल्पकार है

पो, मनोज डोगरा
राजकीय महाविद्यालय बड़सर।

एक अच्छा शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा नहीं करता, बल्कि विद्यार्थियों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता देता है। वह ज्ञान के साथ विवेक, अनुशासन, संवेदनशीलता और आत्मविश्वास का विकास करता है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में शिक्षक को सदैव सम्मान का सर्वोच्च स्थान दिया गया है। पांच सितंबर को मनाया जाने वाला शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर नहीं, बल्कि शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य पर विचार करने का भी दिन है। यह दिन महान शिक्षाविद्, दार्शनिक और भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। उनका मानना था कि शिक्षा का लक्ष्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि ऐसे व्यक्तित्व का निर्माण करना है जो समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी हो।

भारत की गुरु-शिष्य परंपरा हजारों वर्षों पुरानी है। प्राचीन गुरुकुलों में विद्यार्थी गुरु के सान्निध्य में रहकर केवल पुस्तकीय ज्ञान प्राप्त नहीं करते थे, बल्कि अनुशासन, संयम, परिश्रम, सेवा, नैतिकता और सामाजिक दायित्व का भी पाठ सीखते थे। गुरु शिष्य के जीवन का मार्गदर्शक होता था और शिष्य गुरु के प्रति श्रद्धा रखते हुए ज्ञान को अपने जीवन का आधार बनाता था। समय के साथ शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव आया। गुरुकुलों की जगह विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों ने ले ली, लेकिन शिक्षक की मूल भूमिका आज भी कायम है। वह विद्यार्थियों को सही दिशा दिखाने वाला सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति है।

आज का युग सूचना और तकनीक का युग है। विद्यार्थी के हाथ में मोबाइल फोन और इंटरनेट है, जिसके माध्यम से वह कुछ ही क्षणों में दुनिया भर की जानकारी प्राप्त कर सकता है। ऐसे समय में शिक्षक की भूमिका कम होने के बजाय और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। अब शिक्षक का कार्य केवल पाठ्यपुस्तक में लिखी सामग्री समझाना नहीं है। उसे विद्यार्थियों को सही और गलत जानकारी में अंतर करना, तथ्यों का विश्लेषण करना, तर्कपूर्ण सोच विकसित करना और जिम्मेदार नागरिक बनना भी सिखाना है। इंटरनेट सूचना दे सकता है, लेकिन सूचना का सही उपयोग करने का विवेक शिक्षक ही विकसित कर सकता है।

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल अच्छे अंक प्राप्त करना या कोई डिग्री हासिल करना नहीं हो सकता। यदि विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी ईमानदारी, संवेदनशीलता, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी से दूर है तो उसकी शिक्षा अधूरी है। आज समाज नशे, साइबर अपराध, हिंसा, तनाव, पर्यावरण प्रदूषण और असहिष्णुता जैसी अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन समस्याओं से केवल कानून के माध्यम से नहीं निपटा जा सकता। विद्यार्थियों में बचपन से ही नैतिक मूल्यों और जिम्मेदारी की भावना विकसित करनी होगी। इस दिशा में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

एक संवेदनशील शिक्षक विद्यार्थी की प्रतिभा को पहचानता है। हर बच्चा समान क्षमता और रुचि लेकर नहीं आता। कोई विज्ञान में बेहतर होता है, कोई साहित्य में, कोई खेल में तो कोई कला और संगीत में। आदर्श शिक्षक विद्यार्थियों की आपस में तुलना करने के बजाय उनकी व्यक्तिगत क्षमताओं को पहचानता और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। कई बार शिक्षक का एक प्रोत्साहन किसी विद्यार्थी के जीवन की दिशा बदल देता है। इसलिए कक्षा में ऐसा वातावरण होना चाहिए जहां विद्यार्थी बिना भय के प्रश्न पूछ सकें, अपनी गलतियों से सीख सकें और नए प्रयोग करने का साहस कर सकें।

तकनीक ने शिक्षा को नए अवसर दिए हैं। डिजिटल कक्षाएं, स्मार्ट उपकरण, ऑनलाइन अध्ययन सामग्री और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे साधन शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बना रहे हैं। लेकिन तकनीक शिक्षक का स्थान नहीं ले सकती। मशीन जानकारी दे सकती है, लेकिन विद्यार्थी की भावनाओं, परिस्थितियों और जरूरतों को समझकर उसे व्यक्तिगत मार्गदर्शन देने का मानवीय कार्य शिक्षक ही कर सकता है। इसलिए बदलते समय के साथ शिक्षकों का स्वयं सीखते रहना भी आवश्यक है। नई तकनीक, नए शिक्षण तरीकों और विद्यार्थियों की बदलती जरूरतों के अनुरूप शिक्षक का निरंतर प्रशिक्षण शिक्षा की गुणवत्ता के लिए जरूरी है।

विद्यार्थियों में आत्मविश्वास पैदा करना भी शिक्षक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। कई बच्चे अपनी प्रतिभा को पहचान नहीं पाते। ऐसे में शिक्षक की सराहना और प्रोत्साहन उनके भीतर नई ऊर्जा पैदा कर सकता है। इसके विपरीत लगातार तुलना और कठोर आलोचना विद्यार्थी के आत्मविश्वास को कमजोर कर सकती है। शिक्षक को यह समझना होगा कि हर विद्यार्थी की सीखने की गति अलग होती है। सफलता का अर्थ केवल परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करना नहीं है। किसी विद्यार्थी का अपनी क्षमता के अनुसार निरंतर आगे बढ़ना भी बड़ी उपलब्धि है।

शिक्षा में परिवार और समाज की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विद्यार्थी के व्यक्तित्व निर्माण में परिवार, शिक्षक और समाज तीनों का योगदान होता है। अभिभावकों और शिक्षकों के बीच सकारात्मक संवाद होना जरूरी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक चौथे वर्ष के तीन विकल्प

एजेंसी, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के अंतिम यानी चौथे वर्ष में अब विद्यार्थियों को तीन अलग-अलग विकल्प मिलेंगे। विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के स्नातक कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम एवं क्रेडिट ढांचे के अनुरूप यह व्यवस्था लागू की है। इससे विद्यार्थियों को अपनी रुचि और शैक्षणिक योग्यता के अनुसार आगे की पढ़ाई का विकल्प चुनने की सुविधा मिलेगी। अब तक चौथे वर्ष में केवल स्नातक आनर्स विद रिसर्च का विकल्प उपलब्ध था। इसमें पहले छह सेमेस्टर में न्यूनतम 7.5 सीजीपीए या 75 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य था। नए विकल्पों में स्नातक आनर्स विद उद्यमिता और सामान्य स्नातक आनर्स को भी शामिल किया गया है। उद्यमिता विकल्प के लिए पहले छह सेमेस्टर उत्तीर्ण करने वाले सभी विद्यार्थी पात्र होंगे। 7.5 से कम सीजीपीए वाले विद्यार्थियों को भी इसमें प्रवेश का अवसर मिलेगा। इस विकल्प के तहत विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थान में 12 क्रेडिट की व्यावहारिक उद्यमिता प्रशिक्षण पूरी करनी होगी।

तीन साल में पूरी होगी ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा

ब्रज की 200 जर्जर ऐतिहासिक धरोहरों का होगा संरक्षण, स्मारक मित्र योजना की तर्ज पर शुरू होगी तीर्थ मित्र योजना

एजेंसी, लखनऊ

मथुरा में उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की नौवीं बोर्ड बैठक में ब्रज क्षेत्र के समग्र विकास, धार्मिक विरासत के संरक्षण और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई बैठक में वृंदावन परिक्रमा मार्ग को अधिक सुरक्षित और सुगम बनाने पर विशेष जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिक्रमा मार्ग के निर्माण और सुदृढ़ीकरण में ऐसे पत्थर और मिट्टी का इस्तेमाल किया जाए, जिन पर बारिश के दौरान फिसलन न हो और जिनसे श्रद्धालुओं के पैरों को परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि ब्रज में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा विकास कार्यों की प्राथमिकता होनी चाहिए।

बैठक में ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा परियोजना को आगामी तीन वर्षों में तीन चरणों में पूरा करने पर सहमति बनी। इसके साथ ही मथुरा-वृंदावन रेल मार्ग के समानांतर सुगम सड़क यातायात उपलब्ध कराने की योजना पर भी चर्चा हुई। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए मथुरा और वृंदावन में विभिन्न स्थानों पर होल्डिंग एरिया विकसित करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भीड़ प्रबंधन के लिए ऐसी व्यवस्थाएं पहले से तैयार होनी चाहिए, जिससे पर्व और विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मल्टीलेवल पार्किंग व्यवस्था को भी बैठक में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया। इसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी या राजस्व साझेदारी मॉडल पर विकसित करने की योजना है। इन पार्किंग स्थलों में डॉरमेट्री, कैफे और फूड कोर्ट जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। इससे बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को वाहन पार्क करने के साथ ही ठहरने और भोजन की सुविधा एक ही स्थान पर मिल सकेगी।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मार्गों और यातायात व्यवस्था में होगा सुधार।

ब्रज की 200 धरोहरों का होगा संरक्षण

ब्रज की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए तीर्थ मित्र योजना शुरू करने का निर्णय भी अहम रहा। संस्कृति विभाग की स्मारक मित्र योजना की तर्ज पर संचालित होने वाली इस योजना के तहत ब्रज क्षेत्र की उच्च विरासत वाली करीब 200 जर्जर धरोहर संरचनाओं और स्मारकों का व्यवस्थित संरक्षण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने प्राचीन पांडुलिपियों, साहित्य और ज्ञान परंपरा को सुरक्षित रखने के लिए भी अधिकारियों को आवश्यक कदम उठाने को कहा।

श्रद्धालुओं की सुविधा पर जोर

बैठक में ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा परियोजना को आगामी तीन वर्षों में तीन चरणों में पूरा करने पर सहमति बनी। इसके साथ ही मथुरा-वृंदावन रेल मार्ग के समानांतर सुगम सड़क यातायात उपलब्ध कराने की योजना पर भी चर्चा हुई। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए मथुरा और वृंदावन में विभिन्न स्थानों पर होल्डिंग एरिया विकसित करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भीड़ प्रबंधन के लिए ऐसी व्यवस्थाएं पहले से तैयार होनी चाहिए, जिससे पर्व और विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जल संरक्षण को लेकर भी मुख्यमंत्री ने गंभीरता दिखाई।

इटावा से वाराणसी के लिए बढ़ा रेल विकल्प

एजेंसी, लखनऊ। इटावा और आसपास के यात्रियों के लिए वाराणसी, मिर्जापुर और विंध्याचल की यात्रा अब पहले से आसान हो जाएगी। त्योहारी सीजन को देखते हुए उत्तर मध्य रेलवे ने प्रयागराज-दादरी सुपरफास्ट विशेष ट्रेन का विस्तार नारायणपुर बाजार तक करने का निर्णय लिया है। नारायणपुर बाजार वाराणसी के नजदीक स्थित महत्वपूर्ण स्टेशन है। ट्रेन के विस्तार से इटावा क्षेत्र के यात्रियों को वाराणसी, मिर्जापुर, चुनार और विंध्याचल जाने के लिए एक अतिरिक्त रेल सुविधा मिलेगी। गाड़ी संख्या 04163 नारायणपुर बाजार-दादरी सुपरफास्ट विशेष ट्रेन 17 अक्टूबर से 15 दिसंबर तक मंगलवार, बुधवार और शनिवार को संचालित होगी। यह ट्रेन नारायणपुर बाजार से शाम छह बजे रवाना होकर चुनार, मिर्जापुर, मेजा और प्रयागराज होते हुए अगले दिन सुबह 7:15 बजे दादरी पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 04164 दादरी-नारायणपुर बाजार सुपरफास्ट विशेष ट्रेन 16 अक्टूबर से 14 दिसंबर तक सोमवार, मंगलवार और शुक्रवार को रात 10:15 बजे दादरी से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 11:05 बजे नारायणपुर बाजार पहुंचेगी। ट्रेन का ठहराव इटावा और टूंडला जंक्शन पर भी होगा। मिर्जापुर और चुनार में ठहराव होने से विंध्याचल जाने वाले श्रद्धालुओं को विशेष सुविधा मिलेगी। नवरात्र, दशहरा, दीपावली और छठ के दौरान बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए रेलवे का यह कदम यात्रियों के लिए काफी उपयोगी साबित होगा।

यमुना में गिर रहे 32 नाले योगी सरकार ने किए बंद : श्रीकांत शर्मा

एजेंसी, लखनऊ

योगी सरकार में ब्रज के विकास को मिली नई रफ्तार।

गुरुवार को विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं भाजपा विधायक श्रीकांत शर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत और अभिनंदन करते हुए 2017 के बाद ब्रज में हुए विकास कार्यों को गिनाया। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत ब्रज के अंदाज में करते हुए कहा कि योगी बाबा आयो हैं और 1051 करोड़ लायो हैं।

भाजपा विधायक श्रीकांत शर्मा कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में ब्रज ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में यमुना और गंगा की तरह विकास का प्रवाह लगातार तेज गति से जारी है। वर्ष 2017 से पहले ब्रज की हालत बहुत खराब थी। जहां घुटनों तक कीचड़ होता था, वहां अब खड़ंजा बन गया है। जहां गड्ढे होते थे, वहां इंटरलॉकिंग हो गई है और जहां सड़कों पर गड्ढे ही गड्ढे थे, वहां मजबूत सड़कें बन गई हैं। पहले यमुना पार जाने के लिए ब्रजवासियों के पास एक ही पुल था, लेकिन अब तीन पुल उपलब्ध हैं। मथुरा में लक्ष्मी नगर के पास पुल और वृंदावन में दो पुल बनाए गए हैं।

भाजपा विधायक ने कहा कि पहले मथुरा से वृंदावन जब शाम को आते थे तो 9 बजे के बाद दूधियों से दूध की कैन और साइकिल तक छीन ली जाती थी। अब मथुरा के भूतेश्वर से रंगजी मंदिर तक चौड़ी सड़क बन गई है और रात में दूधिया रोशनी से पूरा मार्ग जगमगाता है।

श्रीकृष्ण का जीवन सत्य की राह दिखाता है : पंकज चौधरी

एजेंसी, लखनऊ

केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री व भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष के पंकज चौधरी ने प्रदेशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दी हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने शुक्रवार को एक वीडियो जार कर कहा कि श्रीकृष्ण की शिक्षाएं हमें संगठन और संवाद के महत्व को भी बताती हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि हमें समाज के बीच जाकर लोगों से संवाद करना है। उनकी समस्याओं को समझना है। उनकी अपेक्षाओं को सुनना है और सेवा के माध्यम से उनके विश्वास को मजबूत करना है। आप का परिश्रम आप की सेवा ही संगठन की सबसे बड़ी शक्ति है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन हमें सिखाता है कि परिस्थितियों कैसी भी हों, सत्य व कर्म का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए। हमें उनके संदेश को अपने जीवन में उतारने की प्रेरणा देता है।

इसके अलावा उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने पार्टी कार्यकर्ताओं व प्रदेशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दी है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें धर्म के मार्ग पर अडिग रहने, कर्म को सर्वोच्च मानने और सत्य के लिए सदैव संघर्ष करने की प्रेरणा देता है।

श्रीमद्भगवद्गीता में उनके दिव्य उपदेश आज भी मानव जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं। भगवान श्रीकृष्ण की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति, प्रेम एवं समृद्धि का संचार हो और हमारा समाज धर्म, संस्कार एवं मानवता के मूल्यों के साथ निरंतर आगे बढ़े, यही मंगलकामना है।

मथुरा में सीएम योगी के काफिले के दौरान बिजली तारों में हुआ धमाका

एजेंसी, लखनऊ

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर दो दिवसीय दौरे पर मथुरा पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के काफिले के दौरान गुरुवार शाम सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी चूक का मामला सामने आया। मुख्यमंत्री स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह सहित कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद सड़क मार्ग से होटल विवांता की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पागल बाबा मोड़ से चैतन्य विहार ओवरब्रिज के पास से गुजरते समय बिजली के तारों में अचानक जोरदार धमाका हुआ। तारों से निकली तेज आवाज के साथ भारी धुआं उठने लगा, जिससे मौके पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घटना के समय मुख्यमंत्री का काफिला पानीगांव संपर्क मार्ग पर नवनिर्मित स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह के उद्घाटन और उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की बोर्ड बैठक में शामिल होने के बाद होटल की ओर रवाना हुआ था। काफिले के बेहद नजदीक हुई इस घटना को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। सड़क किनारे मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया, जिसके बाद मामला तेजी से चर्चा में आ गया।

घटना की जानकारी सामने आने के बाद स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों में भी हलचल बढ़ गई। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए मार्ग पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। ऐसे में काफिले के गुजरने के दौरान बिजली के तारों में धमाका होना सुरक्षा तैयारियों और मार्ग की पूर्व जांच को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है।

नोएडा सड़क हादसे में हेड कांस्टेबल की मौत

एजेंसी, नोएडा। उत्तर प्रदेश के जनपद गौतमबुद्धनगर नोएडा थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के यमुना एक्सप्रेसवे के जीरो पॉइंट पर बीती रात को सड़क पार करते समय एक हेड कांस्टेबल को अज्ञात वाहन चालक ने टक्कर मार दिया। इस घटना में उनकी मौत हो गई। थाना नॉलेज पार्क के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि मूल रूप से मुजफ्फरनगर के दतिया नगर गांव निवासी राजपाल सिंह विगत तीन वर्षों से थाना नॉलेज पार्क में तैनात थे। वह यमुना एक्सप्रेसवे के जीरो पॉइंट पर बीती रात को ड्यूटी पर तैनात थे, तभी एक अज्ञात कार चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दिया। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपित चालक की तलाश शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

न्यूज ब्रीफ

पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य के घर 15 लाख की चोरी का पर्दाफाश, शातिर चोर गिरफ्तार

एजेंसी, कानपुर। कानपुर के रावतपुर थाना क्षेत्र स्थित सुदर्शन हाउसिंग सोसाइटी में पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य अशोक कुमार के घर हुई करीब 15 लाख रुपये की चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया। पुलिस ने बंबा रोड के पास से विनायकपुर निवासी सौरभ गौतम को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से चोरी के जेवर, करीब 100 ग्राम चांदी के सिक्के और एक लाख रुपये नकद बरामद किए गए। आरोपी पहले घर की रेकी करता था और मौका मिलते ही करीब आधे घंटे में ताला तोड़कर चोरी कर फरार हो जाता था। मामले के खुलासे के लिए गठित छह पुलिस टीमों ने करीब 200 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच में आरोपी के खिलाफ चोरी सहित 15 मुकदमे दर्ज होने की जानकारी सामने आई।

मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

एजेंसी, बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में चेन स्नैचिंग की वारदात के बाद मटेरा में हुई मुठभेड़ से फरार 25 हजार रुपये के इनामी अपराधी को पुलिस ने गुरुवार देर रात नानपारा क्षेत्र में गिरफ्तार कर लिया। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के बाएं पैर में गोली लगी। उसके कब्जे से चोरी की बाइक, दो मोबाइल, तमंचा, जिंदा कारतूस और खोखा बरामद हुआ है। मटेरा थाना क्षेत्र में एक सितंबर को गुलालपुरवा टोल प्लाजा के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने झपट्टा मारकर महिला का मंगलसूत्र लूट लिया था। घटना के खुलासे के लिए पुलिस अधीक्षक ने तीन टीमें गठित की थीं। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने बदमाशों की पहचान कर ली थी। इसी क्रम में 2 सितंबर की रात स्वाट टीम और मटेरा पुलिस की संयुक्त टीम ने फुल्ली उर्फ तूफान उर्फ रकीब को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। उसका साथी असलम उर्फ साहिल उर्फ सुहैल अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

गंगा का जलस्तर 4 सेंटीमीटर घटा, बैराज पर भी कम हुआ डिस्चार्ज

एजेंसी, कानपुर। गंगा के जलस्तर में शुक्रवार को भी गिरावट दर्ज की गई। कानपुर बैराज के अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम दोनों तरफ जलस्तर गुरुवार के मुकाबले चार-चार सेंटीमीटर कम हुआ। अपस्ट्रीम में जलस्तर 113.740 मीटर से घटकर 113.700 मीटर और डाउनस्ट्रीम में 113.490 मीटर से घटकर 113.450 मीटर रह गया। बैराज से निकलने वाले पानी में भी 4,224 क्यूसेक की कमी दर्ज की गई। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि गंगा के जलस्तर में हो रहे बदलाव पर लगातार नजर रखी जा रही है। बाढ़ प्रभावित और संवेदनशील क्षेत्रों में राहत एवं बचाव से जुड़ी व्यवस्थाओं को सक्रिय रखने तथा संबंधित अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

थैलेसीमिया को मात देने वाले कुणाल अरोड़ा संतोष-अर्जुन अवार्ड से सम्मानित

एजेंसी, मुरादाबाद। मुरादाबाद के पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी कुणाल अरोड़ा ने थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारी को मात देकर खेल जगत में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। नई दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें संतोष-अर्जुन अवार्ड से सम्मानित किया गया। भारतीय टीम में चयन के बाद फिनलैंड दौरे पर जाने से पहले कुणाल को यह सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध पत्रकार रजत शर्मा ने उनकी उपलब्धि की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया। कुणाल इससे पहले अभिनेता जैकी श्रॉफ से भी सम्मान प्राप्त कर चुके हैं। कुणाल की इस उपलब्धि से उनके माता-पिता यशपाल अरोड़ा और सोनिया अरोड़ा बेहद खुश और गौरवान्वित हैं। उनकी सफलता से पूरे मुरादाबाद में भी खुशी का माहौल है। विभिन्न क्लबों और सामाजिक संस्थाओं की ओर से कुणाल को पहले भी सम्मानित किया जा चुका है। गंभीर बीमारी से संघर्ष के बावजूद उन्होंने खेल के प्रति अपना जुनून बनाए रखा और लगातार मेहनत करते हुए पैरा टेबल टेनिस में पहचान बनाई। भारतीय टीम में चयन के बाद उनका फिनलैंड दौरा भी तय हुआ है। कुणाल की उपलब्धि न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे शहर के लिए गर्व का विषय है। उनका संघर्ष और सफलता अन्य खिलाड़ियों तथा बीमारी से जूझ रहे लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

बाढ़ प्रभावित 26 जिलों में राहत तंत्र सक्रिय

यूपी में राहत अभियान तेज

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। प्रदेश के 26 जिलों में बाढ़ का असर पड़ा है और करीब 3.53 लाख आबादी प्रभावित हुई है। प्रशासन की सक्रियता के चलते अब तक किसी व्यक्ति या पशु की बाढ़ से मौत की सूचना नहीं है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से अब तक 17 हजार 544 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। करीब पांच हजार लोग बाढ़ शरणालयों में रह रहे हैं। प्रभावित लोगों की सहायता के लिए प्रदेश में 1,312 बाढ़ शरणालय बनाए गए हैं। राहत और बचाव कार्यों की निगरानी के लिए 1,634 बाढ़ चौकियां स्थापित की गई हैं, जबकि 1,697 नाव और मोटरबोट तथा 1,068 चिकित्सा टीमें तैनात हैं।

सरकार की ओर से प्रभावित परिवारों को भोजन और आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। अब तक 72 हजार 897 बाढ़ राहत खाद्यान्न किट और 3.67 लाख से अधिक लंच पैकेट वितरित किए जा चुके हैं। पशुओं के लिए पांच हजार कुंतल से अधिक भूसा भी उपलब्ध कराया गया है। स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए 5.52 लाख से अधिक क्लोरीन की गोलियां और 1.87 लाख से अधिक ओआरएस पैकेट बांटे गए हैं।

बाढ़ से 45 हजार से अधिक पशु प्रभावित हुए हैं, लेकिन अभी तक किसी पशु की मृत्यु नहीं हुई है। प्रशासन प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी कर रहा है और जरूरत के अनुसार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। सरकार का दावा है कि राहत शिविरों में भोजन, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

अमरोहा, अयोध्या, आजमगढ़, बदायूं, बलिया, बाराबंकी, बस्ती, चंदौली, फर्रुखाबाद, गाजीपुर, गोंडा, गोरखपुर, हरदोई, कासगंज, कानपुर, लखीमपुर खीरी, मिर्जापुर, मुरादाबाद, पीलीभीत, प्रयागराज, रायबरेली, रामपुर, संत कबीर नगर, शाहजहांपुर, उन्नाव और वाराणसी बाढ़ प्रभावित जिलों में शामिल हैं।

मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला तालाब में कूदी, हुई मौत

एजेंसी, नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जनपद नोएडा में थाना सूरजपुर क्षेत्र के तिलपता गांव में शुक्रवार सुबह मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला तालाब में कूद गई। आसपास के लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन इस घटना में उसकी मौत हो गई। थाना सूरजपुर के प्रभारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि तिलपता गांव के पास एक तालाब है। इसका सौंदर्यीकरण का काम चल रहा है। तालाब में पानी भरा हुआ है। शुक्रवार सुबह मानसिक रूप से विक्षिप्त एक महिला वहां पहुंची और अचानक तालाब में कूद गई। महिला के पानी में डूबने की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया और पानी से निकालकर अस्पताल में भर्ती करवाया लेकिन डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

क्षेत्रीय कार्यसमिति गठन के बाद भाजपा में असंतोष

एजेंसी, देवरिया

भाजपा कार्यसमिति में जिम्मेदारी नहीं मिलने से नाराज अम्बुज शाही।

देवरिया में भाजपा की नई क्षेत्रीय कार्यसमिति के गठन के बाद संगठन के भीतर असंतोष सामने आया है। क्षेत्रीय कार्यसमिति के सदस्य बनाए गए अम्बुज शाही ने चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष को पत्र भेजकर उन्हें दायित्व से मुक्त किए जाने की मांग की है। उन्होंने वरिष्ठ और अनुभवी कार्यकर्ताओं की उपेक्षा तथा कनिष्ठ नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दिए जाने का आरोप लगाया है। साथ ही जातीय और क्षेत्रीय संतुलन की अनदेखी का भी आरोप लगाया।

अम्बुज शाही ने पत्र में कहा कि लंबे समय से संगठन के लिए काम करने और चुनावों में पार्टी के पक्ष में सक्रिय भूमिका निभाने के बावजूद उन्हें उनकी क्षमता के अनुरूप जिम्मेदारी नहीं मिली। उन्होंने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि उनकी जाति और संगठन के प्रति समर्पण ही उनके लिए बाधक बन गया है। उन्होंने कृषि मंत्री और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सूर्य प्रताप शाही पर भी संगठनात्मक स्तर पर उपेक्षा का आरोप लगाया है।

शाही ने अपने राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए बताया कि उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के माध्यम से राजनीति में कदम रखा था। बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर में छात्रसंघ अध्यक्ष रहने के बाद वह तरकुलवा क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य निर्वाचित हुए। वर्तमान में वह जिला सहकारी संघ लिमिटेड, देवरिया के निर्विरोध संचालक हैं। विधानसभा, लोकसभा, पंचायत और विधान परिषद चुनावों में भी उन्होंने पार्टी के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का दावा किया है।

क्षेत्रीय कार्यसमिति के गठन के तुरंत बाद सामने आए इस असंतोष से देवरिया भाजपा में संगठनात्मक समीकरणों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। अम्बुज शाही के आरोपों पर पार्टी नेतृत्व की प्रतिक्रिया का इंतजार है।

आयोजन श्रद्धालुओं के बीच देश-प्रदेश की खुशहाली के लिए मांगी मन्नत

जन्माष्टमी पर राज्यपाल ने द्वारकाधीश के किए दर्शन

एजेंसी, लखनऊ

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को लखनऊ के चौक स्थित श्री द्वारकाधीश मंदिर पहुंचकर भगवान श्री द्वारकाधीश के दर्शन किए और विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश और देशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की। जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का माहौल रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंदिर में भगवान श्री द्वारकाधीश के समक्ष पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन और उनकी शिक्षाएं मानव समाज को सत्य, धर्म, कर्तव्य और सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। जन्माष्टमी का पर्व हमें भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों और उनके जीवन संदेश को आत्मसात करने का अवसर प्रदान करता है।

पूजा करती हुई राज्यपाल।

मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद राज्यपाल ने भगवान श्री द्वारकाधीश की सेवा में लगे बच्चों और अन्य सेवाभावी लोगों से भी मुलाकात की। उन्होंने सभी से आत्मीयतापूर्वक संवाद करते हुए उनकी दिनचर्या, शिक्षा और मंदिर में भगवान की सेवा से जुड़े अनुभवों के बारे में जानकारी ली। बच्चों से बातचीत के दौरान राज्यपाल ने उनकी पढ़ाई और दैनिक गतिविधियों के बारे में भी पूछा। उन्होंने बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार और सेवा भाव को जीवन में बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

राज्यपाल ने मंदिर में सेवा कार्य से जुड़े लोगों के प्रयासों की सराहना की और कहा कि धार्मिक स्थलों पर सेवा की भावना समाज में आपसी सहयोग और सद्भाव को मजबूत करती है। उन्होंने बच्चों के साथ सहजता से बातचीत की और उनके अनुभवों को ध्यानपूर्वक सुना। इस दौरान मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं और सेवाभावी लोगों में भी उत्साह नजर आया।

राज्यपाल ने बच्चों से किया संवाद

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंदिर में भगवान श्री द्वारकाधीश के समक्ष पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन और उनकी शिक्षाएं मानव समाज को सत्य, धर्म, कर्तव्य और सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। जन्माष्टमी का पर्व हमें भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों और उनके जीवन संदेश को आत्मसात करने का अवसर प्रदान करता है। मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद राज्यपाल ने भगवान श्री द्वारकाधीश की सेवा में लगे बच्चों और अन्य सेवाभावी लोगों से भी मुलाकात की। उन्होंने सभी से आत्मीयतापूर्वक संवाद करते हुए उनकी दिनचर्या, शिक्षा और मंदिर में भगवान की सेवा से जुड़े अनुभवों के बारे में जानकारी ली। बच्चों से बातचीत के दौरान राज्यपाल ने उनकी पढ़ाई और दैनिक गतिविधियों के बारे में भी पूछा।

कुशीनगर में मत्स्य पालन ने बदली तस्वीर पांच साल में 7000 टन उत्पादन बढ़ा

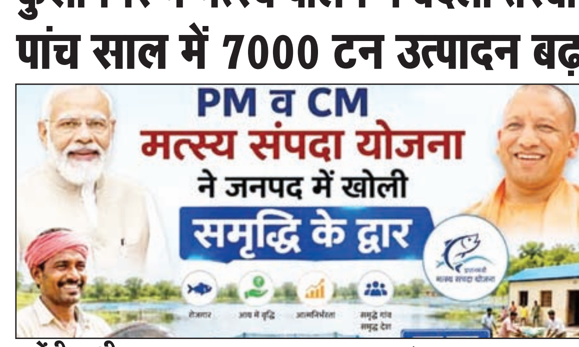

एजेंसी, कुशीनगर

कुशीनगर में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना और मुख्यमंत्री मत्स्य पालन योजना से मत्स्य पालन को नई गति मिली है। पिछले पांच वर्षों में जिले में मछली उत्पादन करीब 7000 टन बढ़ा है। वर्ष 2021 में जहां 24,568 टन मछली का उत्पादन हुआ था, वहीं 2025 में यह बढ़कर 31,500 टन पहुंच गया। जिले के 2625 तालाबों में मत्स्य पालन किया जा रहा है और करीब 3100 मत्स्य पालक इस कारोबार से जुड़े हैं। योजनाओं का लाभ मिलने से लगभग 30 हजार लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला है। कुशीनगर में उत्पादित मछली से स्थानीय मांग पूरी होने के साथ गोरखपुर और बिहार की मंडियों में भी आपूर्ति की जा रही है।

रोहू और कतला जैसी प्रजातियों की बाहरी बाजारों में विशेष मांग है। सरकार की ओर से तालाब की खोदाई, मछली के बीज और दाने पर अनुदान दिया जाता है। अनुसूचित जाति, जनजाति और महिला मत्स्य पालकों को 60 प्रतिशत तथा अन्य श्रेणी के पालकों को 40 प्रतिशत अनुदान मिलता है। इसके अलावा एरेशन सिस्टम, मोपेड विद आइस बाक्स और मत्स्य हेचरी स्थापना के लिए भी सहायता दी जा रही है। इससे ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिला है।

फतेहाबाद में महिला से ऑनलाइन ठगी, हिसार से तीन आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद

साइबर थाना फतेहाबाद पुलिस ने ऑनलाइन ठगी के एक मामले में कार्रवाई करते हुए हिसार निवासी तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक चार आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों की पहचान हिसार के भगत सिंह नगर निवासी साहिल पुत्र रमेश कुमार, साहिल पुत्र राजेश कुमार और शुभम पुत्र सुरेश कुमार के रूप में की है।

साइबर अपराध थाना फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक राहुल देव ने बताया कि गांव रुपावाली निवासी पायल ने पुलिस को शिकायत दी थी। महिला के अनुसार 19 दिसंबर 2025 को उसके मोबाइल पर बैंक खाते से रुपये कटने का संदेश आया। इसके बाद जब उसने खाते का बकाया देखा तो पता चला कि अलग-अलग लेनदेन के माध्यम से उसके खाते से कुल 50 हजार 661 रुपये निकाल लिए गए हैं।

महिला ने पुलिस को बताया कि उसने न तो किसी व्यक्ति के साथ अपना एकमुश्त पासवर्ड साझा किया था और न ही कोई अन्य गोपनीय जानकारी दी थी। खाते से रुपये निकलने की जानकारी मिलते ही उसने तत्काल साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत के आधार पर साइबर अपराध थाना फतेहाबाद में मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और डिजिटल जानकारी का विश्लेषण किया। जांच के दौरान पुलिस ने पहले एक आरोपी को गिरफ्तार किया। इसके बाद उससे मिली जानकारी और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस टीम ने हिसार के भगत सिंह नगर में दबिश देकर तीन अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है। जांच अधिकारियों का उद्देश्य ठगी में इस्तेमाल किए गए बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और अन्य डिजिटल माध्यमों का पता लगाना है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि इस गिरोह में और कितने लोग शामिल हैं तथा इससे पहले कितने लोगों को ठगी का शिकार बनाया गया है।

हरियाणा ने केंद्र से किसानों के हित में मांगी 65 लाख टन धान खरीद की मंजूरी

रिकार्ड पैदावार के बीच किसानों की पूरी फसल खरीदने की तैयारी में जुटी सरकार

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा में इस बार धान की संभावित रिकार्ड पैदावार को देखते हुए राज्य सरकार ने किसानों की पूरी फसल खरीदने के लिए केंद्र सरकार से खरीद का कोटा बढ़ाने की मांग की है। खाद्य एवं आपूर्ति राज्य मंत्री राजेश नागर ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री प्रह्लाद जोशी से मुलाकात कर प्रदेश के लिए कम से कम 65 लाख टन धान खरीद की मंजूरी देने का अनुरोध किया।

बैठक में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के प्रधान सचिव जे. गणेशन सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। राज्य मंत्री ने केंद्र के सामने कहा कि इस बार धान का उत्पादन अधिक रहने की संभावना है। ऐसे में यदि खरीद का पर्याप्त कोटा निर्धारित नहीं किया गया तो मंडियों में फसल की आवक बढ़ने पर किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। सरकार का उद्देश्य है कि किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी तरह की दिक्कत न हो और पूरी फसल की समय पर खरीद सुनिश्चित की जा सके।

हरियाणा सरकार ने इससे पहले करीब 60 लाख टन धान खरीद की मंजूरी मांगी थी। फिलहाल केंद्र की ओर से प्रदेश के लिए 58 लाख टन धान खरीद की मंजूरी दी गई है। राज्य सरकार अब इसे बढ़ाकर कम से कम 65 लाख टन कराने का प्रयास कर रही है। सरकार का तर्क है कि संभावित उत्पादन को देखते हुए मौजूदा कोटा पर्याप्त नहीं होगा।

बैठक में भंडारण व्यवस्था का मुद्दा भी सामने आया। केंद्र की ओर से अधिक मात्रा में धान खरीदने के बाद उसके भंडारण को लेकर चिंता जताई गई। इस पर हरियाणा सरकार ने भरोसा दिलाया कि प्रदेश में पर्याप्त गोदाम और भंडारण व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। राज्य सरकार का कहना है कि किसानों की फसल खरीदने में भंडारण क्षमता को बाधा नहीं बनने दिया जाएगा।

धान के साथ चावल के खरीद कोटे में कमी का मुद्दा भी उठाया गया। केंद्र की ओर से चावल खरीद का कोटा करीब आठ लाख टन घटाए जाने पर हरियाणा ने चिंता जताई। राज्य सरकार के अनुसार हर साल केंद्र करीब 40 लाख टन चावल खरीदता है। ऐसे में चावल का कोटा कम होने से धान की खरीद और उसके उठान की व्यवस्था पर असर पड़ने की आशंका है।

इस बार प्रदेश में करीब 17.41 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में धान की रोपाई हुई है। पिछले कुछ वर्षों के आंकड़े भी उत्पादन में बढ़ोतरी दर्शाते हैं। वर्ष 2021-22 में करीब 82.29 लाख टन, 2022-23 में 88.20 लाख टन, 2023-24 में 94.20 लाख टन और 2024-25 में 92.99 लाख टन धान का उत्पादन हुआ था।

हिसार में स्वाइन फ्लू से महिला की मौत हरियाणा में अब तक मिले 276 मामले

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हिसार जिले में स्वाइन फ्लू संक्रमित 66 वर्षीय बुजुर्ग महिला की निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। महिला की मृत्यु 31 अगस्त को हुई थी। स्वास्थ्य विभाग ने अब इसे स्वाइन फ्लू से हुई मौत के रूप में दर्ज किया है। मृतका हांसी के नारनौंद क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली थी।

हिसार के डिप्टी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुभाष खतरेजा ने बताया कि यह जिले में स्वाइन फ्लू से हुई पहली दर्ज मृत्यु है। इससे पहले प्रदेश में दो मरीजों की मौत हो चुकी है। इनमें एक मरीज सिरसा और दूसरा फरीदाबाद का बताया गया है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग ने इन दोनों मौतों को एच1एन1 से हुई मृत्यु के रूप में दर्ज नहीं किया था।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मृत महिला को स्वाइन फ्लू के अलावा अन्य गंभीर बीमारियां भी थीं। ऐसे में उसकी मौत में अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की भूमिका भी रही हो सकती है। विभाग ने मामले को स्वाइन फ्लू से संबंधित मृत्यु के तौर पर दर्ज किया है।

तीन सितंबर तक प्रदेश में स्वाइन फ्लू के कुल 276 पुष्ट मामले सामने आ चुके हैं। इनमें 96 मामले अभी सक्रिय हैं, जबकि 177 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। वर्तमान में 12 मरीज विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। स्वास्थ्य विभाग लगातार संक्रमित मरीजों की निगरानी कर रहा है और उपचार व्यवस्था पर नजर रखी जा रही है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार बुजुर्गों और पहले से गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों में संक्रमण के दौरान जटिलताओं का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में फ्लू जैसे लक्षण दिखाई देने पर समय रहते चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है।

नाबालिग से हैवानियत की कोशिश मां के पहुंचते ही आरोपी मौके से भागा

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल

मां के पहुंचने से बची नाबालिग, आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

नांगल चौधरी थाना क्षेत्र के एक गांव में 14 वर्षीय नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव का ही एक युवक किशोरी को जबरन खींचकर खेत में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया। इसी दौरान किशोरी की मां मौके पर पहुंच गई, जिसे देखकर आरोपी वहां से फरार हो गया।

पुलिस को दी शिकायत में किशोरी की मां ने बताया कि उसकी बेटी गुरुवार शाम गांव में पानी भरने के लिए गई थी। इसी दौरान आरोपी युवक वहां पहुंचा और कथित तौर पर उसे जबरन पास के खेत में ले गया। आरोप है कि युवक ने किशोरी का मुंह दबाकर उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया।

इसी बीच किशोरी की मां भी वहां पहुंच गई। मां को देखते ही आरोपी किशोरी को छोड़कर मौके से भाग गया। इसके बाद किशोरी ने अपनी मां को घटना की जानकारी दी। परिवार ने तुरंत मामले की सूचना पुलिस को दी और नांगल चौधरी थाने में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम सहित अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

नूंह में कांग्रेस की बैठक, संगठन मजबूती और आगामी कार्यक्रमों पर मंथन

भारतेन्दु संवाददाता, नूंह। जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक समीक्षा बैठक शुक्रवार को जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक शहीदा खान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिला कार्यकारिणी के सदस्यों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कांग्रेस मीडिया समन्वयक राहुल वशिष्ठ भी विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक में संगठन की मौजूदा गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों और पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

पदाधिकारियों ने संगठन की सक्रियता बढ़ाने और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विचार-विमर्श किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने तथा अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने का आह्वान किया गया।

504 करोड़ के कथित घोटाले में तीन आईएएस अधिकारियों पर अब गिरफ्तारी की तलवार

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला

हरियाणा के विभिन्न सरकारी विभागों और संस्थाओं से जुड़े करीब 504 करोड़ रुपये के कथित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक घोटाले में तीन आईएएस अधिकारियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सीबीआई ने डॉ. साकेत कुमार, विनीत गर्ग और मोहम्मद शाइन के खिलाफ जांच के दौरान महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाने का दावा किया है। ऐसे में इन अधिकारियों की गिरफ्तारी की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

जांच एजेंसी के अनुसार सरकारी धन को बैंक में जमा कराने के दौरान निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया गया। वित्त विभाग ने किसी एक बैंक में सरकारी धन केंद्रित करने के लिए 50 करोड़ रुपये की सीमा तय की थी, लेकिन आरोप है कि इससे कहीं अधिक राशि चंडीगढ़ सेक्टर-32 स्थित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की शाखा में जमा कराई गई। इस मामले में प्रदीप कुमार, राम कुमार सिंह और पंकज अग्रवाल पहले से जेल में बंद हैं।

सीबीआई की जांच में पूर्व आईएएस अधिकारी विनीत गर्ग की भूमिका हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से जुड़े बैंक खातों के मामले में सामने आने का दावा किया गया है। आरोप है कि उन्होंने तत्कालीन अधिकारी प्रदीप कुमार के साथ मिलकर निर्धारित सीमा से अधिक सरकारी राशि बैंक में केंद्रित करने की प्रक्रिया जारी रखी।

वहीं आईएएस अधिकारी मोहम्मद शाइन पर भी हरियाणा पावर जनरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यकाल के दौरान आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में 50 करोड़ रुपये जमा कराने में कथित भूमिका निभाने का आरोप है। सीबीआई इस संबंध में दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है।

कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार जिन अधिकारियों को जांच के दौरान गिरफ्तार नहीं किया गया और उनके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल हो चुका है, उन्हें अदालत से जमानत मिलने की संभावना अपेक्षाकृत अधिक हो सकती है। हालांकि अंतिम निर्णय अदालत के विवेक पर निर्भर करेगा।

फिलहाल सीबीआई की जांच जारी है और मामले में सामने आए दस्तावेजों तथा अधिकारियों की कथित भूमिका का परीक्षण किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

अवैध हड़ताल पर अग्निशामक रणबीर की सेवाएं समाप्त

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत । बिना अनुमति ड्यूटी से अनुपस्थित रहने और अवैध हड़ताल में शामिल होने पर हरियाणा अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा निदेशालय ने पानीपत दमकल केंद्र में कार्यरत अग्निशामक एवं दमकल चालक रणबीर की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी हैं। महानिदेशक कार्यालय पंचकूला की ओर से इस संबंध में आदेश जारी किए गए हैं। आदेश के अनुसार रणबीर छह अगस्त 2026 से सक्षम अधिकारी की अनुमति और पूर्व सूचना के बिना लगातार ड्यूटी से अनुपस्थित थे। उन पर गैरकानूनी यूनियन गतिविधियों में भाग लेने, हड़ताल करने तथा अन्य कर्मचारियों को हड़ताल में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के आरोप लगाए गए हैं। निदेशालय ने कहा कि अग्निशमन सेवा अत्यंत आवश्यक सेवा है। संबंधित कर्मचारी की गतिविधियों से आवश्यक सेवाएं प्रभावित हुईं और इसे गंभीर अनुशासनहीनता माना गया। विभाग ने अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा अधिनियम 2022 की धारा 51 तथा हरियाणा नागरिक सेवा नियमावली 2016 के प्रावधानों का भी हवाला दिया है।

एसआइटी ने संभाली एसई गीतू राम आत्महत्या मामले की जांच

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल। बिजली निगम के एसई गीतू राम तंवर की आत्महत्या के मामले में आइपीएस रविंद्र के नेतृत्व में गठित विशेष जांच टीम ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मामले में दर्ज प्राथमिकी से संबंधित जानकारी बिजली निगम को भेजने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। 31 अगस्त को गीतू राम की सेवानिवृत्ति होनी थी। बताया गया है कि विभाग में बहाली नहीं होने और एक विवादित वीडियो को लेकर वह तनाव में चल रहे थे। इसी दौरान उन्होंने जहरीला पदार्थ निगलकर जान दे दी। मौके से तीन पन्नों का सुसाइड नोट बरामद हुआ था। इसमें बिजली निगम के प्रबंध निदेशक समेत 14 लोगों को आरोपित बनाया गया है। पुलिस ने सेक्टर 32-22 थाने में मामला दर्ज किया है। एसआइटी अब सुसाइड नोट, प्राथमिकी, संबंधित दस्तावेजों और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है। पुलिस आरोपित अधिकारियों की भूमिका और आत्महत्या से पहले बनी परिस्थितियों को भी खंगालेगी। स्वजन ने फिलहाल प्रशासन की कार्रवाई पर संतोष जताया है। वीरवार को परिवार ने गीतू राम की अस्थियां हरिद्वार में गंगा में प्रवाहित कीं। उनकी शोक सभा छह सितंबर को सेक्टर नौ स्थित कृष्ण कृपा धाम में दोपहर दो से चार बजे तक आयोजित होगी।

बंद पड़े किंगडम ऑफ ड्रीम्स में फिर लगी आग, चार साल में हुई चौथी घटना

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। सेक्टर-29 स्थित किंगडम ऑफ ड्रीम्स के बंद पड़े परिसर में शुक्रवार को एक बार फिर आग लग गई। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है और दमकलकर्मी परिसर में ठंडा करने का काम कर रहे हैं। बंद पड़े परिसर में चार साल के दौरान आग लगने की यह चौथी घटना बताई जा रही है। बार-बार आग लगने से परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। अग्निशमन विभाग की टीमें मामले की जांच कर रही हैं।

कंगडम ऑफ ड्रीम्स को वर्ष 2022 में बंद कर दिया गया था। बकाया राशि को लेकर हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ने परिसर को सील किया था। इसके बाद से यह लंबे समय से बंद पड़ा है। इससे पहले मार्च 2025 में भी यहां आग लगी थी, जिसमें परिसर के एक हिस्से को काफी नुकसान पहुंचा था। शुक्रवार को आग लगने की सूचना के बाद आसपास के क्षेत्र में भी हलचल मच गई। दमकल विभाग अब यह पता लगाने में जुटा है कि बंद परिसर में आग किन परिस्थितियों में लगी। जांच पूरी होने के बाद ही आग के वास्तविक कारण सामने आ सकेंगे।

हरियाणा में बड़ा पुलिस फेरबदल, 30 अधिकारियों के तबादले, कई एसपी बदले

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

करनाल, पानीपत, भिवानी समेत कई जिलों में बदला पुलिस नेतृत्व

हरियाणा सरकार ने पुलिस प्रशासन में बड़ा फेरबदल करते हुए 30 पुलिस अधिकारियों के तबादले किए हैं। इनमें 29 आईपीएस और एक एचपीएस अधिकारी शामिल हैं। आदेश के तहत कई महत्वपूर्ण जिलों के पुलिस अधीक्षकों को बदला गया है। इसके अलावा अपराध नियंत्रण और संगठित अपराध के खिलाफ कार्रवाई को मजबूत करने के लिए विशेष कार्यबल में भी दो आईपीएस अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

तबादला सूची के अनुसार करनाल के पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारणियां को स्थानांतरित कर विशेष कार्यबल का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। आईपीएस सुमित कुमार को भी विशेष कार्यबल में पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी दी गई है। दोनों अधिकारियों की नियुक्ति को अपराध और संगठित आपराधिक गतिविधियों पर कार्रवाई मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सरकार ने आईपीएस करण गोयल को करनाल का नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया है। वहीं आईपीएस दीप्ति गर्ग को पानीपत, मेधा भूषण को पलवल और मयंक मिश्रा को भिवानी का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। आईपीएस प्रवीना पी को नारनौल की पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इन तबादलों के चलते करनाल, पानीपत, भिवानी, पलवल और नारनौल समेत कई जिलों में पुलिस नेतृत्व में बदलाव हुआ है। नए अधिकारियों के सामने स्थानीय स्तर पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध पर अंकुश लगाने और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की चुनौती होगी।

सरकार की ओर से किए गए इस फेरबदल को पुलिस प्रशासन को अधिक प्रभावी बनाने की कवायद के तौर पर देखा जा रहा है। खासतौर पर अपराध नियंत्रण, संगठित अपराध के खिलाफ कार्रवाई और पुलिस व्यवस्था को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

इसके अलावा आईपीएस संदीप खिरवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में अतिरिक्त महानिदेशक पद से पदोन्नत कर विशेष महानिदेशक बनाया गया है। पुलिस विभाग में यह व्यापक फेरबदल ऐसे समय किया गया है, जब प्रदेश में कानून-व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखना और अपराधियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करना महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मृत गायों से भरी पिकअप गाड़ी पकड़ने के बाद गौरक्षकों ने किया जमकर हंगामा

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद

चार मृत गायों से भरी पिकअप पकड़ी।

फरीदाबाद के सेक्टर-19 में बड़खल रोड पर गुरुवार देर रात उस समय हंगामा हो गया, जब गौरक्षा दल के सदस्यों ने मृत गायों को लेकर जा रही एक पिकअप गाड़ी को रोक लिया। गाड़ी की तलाशी लेने पर उसमें चार मृत गायें मिलीं। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। काफी देर तक घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा रही।

पुलिस के अनुसार, उन्हें सूचना मिली थी कि बड़खल रोड पर कुछ गौरक्षकों ने एक पिकअप वाहन को रोक रखा है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर वाहन की जांच की तो उसमें चार मृत गायें मिलीं। इसके बाद पुलिस ने चालक से पूछताछ की और मृत पशुओं को ले जाने से संबंधित दस्तावेजों की भी जांच की।

गौरक्षा दल के सदस्य राम ने आरोप लगाया कि मृत गायों को एक गौशाला से ले जाया जा रहा था। उन्होंने आशंका जताई कि मृत गायों के शरीर से चमड़ी निकालकर उसे बेचने का काम किया जाता है। उन्होंने पुलिस से पूरे मामले की गहन जांच कर वास्तविकता सामने लाने की मांग की।

वहीं, पिकअप चालक राजू ने गौरक्षकों के आरोपों को खारिज किया है। उसका कहना है कि वह चारों मृत गायों को अंतिम संस्कार के लिए दिल्ली के गाजीपुर स्थित पशुओं के श्मशान में लेकर जा रहा था। चालक के अनुसार, उसका उद्देश्य मृत पशुओं का अंतिम संस्कार करवाना था और उन्हें बेचने के लिए कहीं नहीं ले जाया जा रहा था।

मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों से जानकारी जुटाई। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल मामले की जांच जारी है। पुलिस वाहन में मिले मृत पशुओं, चालक के बयान और उन्हें ले जाने से संबंधित दस्तावेजों की जांच कर रही है।

पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि मृत गायों को किस स्थान से लाया गया था और उन्हें ले जाने का वास्तविक उद्देश्य क्या था। पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

छात्रा की मौत की जांच में बिरयानी और सीसीटीवी पर पुलिस का फोकस

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद । गाजीपुर रोड स्थित निजी स्कूल में 11वीं कक्षा की 16 वर्षीय छात्रा द्वारा तीसरी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या करने के मामले में पुलिस की जांच जारी है। डबुआ थाना पुलिस ने स्कूल की सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर छात्रा की गतिविधियों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार फुटेज में छात्रा घटना से पहले तीन से चार बार प्रधानाचार्य के कार्यालय में आती-जाती दिखाई दे रही है। इसके अलावा वह करीब पांच मिनट तक कक्षा के बाहर खड़ी रही और बाद में बाहर रखी कुर्सी पर बैठी नजर आई। पुलिस ने स्कूल पहुंचकर प्रधानाचार्य और अन्य स्टाफ से करीब दो घंटे तक पूछताछ भी की। जांच में पुलिस का ध्यान छात्रा के पास मिली वेज बिरयानी पर भी है। छात्रा के पिता का कहना है कि वह घर से बिरयानी लेकर स्कूल नहीं गई थी। वहीं स्कूल प्रबंधन के अनुसार परिसर में बिरयानी उपलब्ध नहीं कराई जाती।

एनएच-44 से हटाया अतिक्रमण , एनएचएआई ने चलाया व्यापक अभियान

अतिक्रमण हटाने से करनाल में यातायात व्यवस्था और सड़क सुरक्षा होगी मजबूत

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल

सड़क सुरक्षा को मजबूत करने और राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात की आवाजाही को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने करनाल में एनएच-44 के किनारे व्यापक अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। यह कार्रवाई एनएचएआई के क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ के अधीन परियोजना क्रियान्वयन इकाई अंबाला द्वारा पानीपत-खन्ना गलियारे के रखरखाव के तहत की गई।

अभियान के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग की सीमा और मार्ग के अधिकार क्षेत्र में आने वाले अनधिकृत निर्माण, सड़क किनारे बनाए गए अवरोध तथा अन्य अतिक्रमणों को हटाया गया। अधिकारियों के अनुसार इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य राजमार्ग को सुरक्षित, सुगम और बाधारहित बनाए रखना है, ताकि वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी न हो और सड़क पर दुर्घटनाओं की आशंका को कम किया जा सके।

एनएच-44 देश के प्रमुख राष्ट्रीय परिवहन मार्गों में शामिल है। इस मार्ग पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री और व्यावसायिक वाहन आवाजाही करते हैं। ऐसे में सड़क के किनारे होने वाले अतिक्रमण यातायात व्यवस्था के लिए परेशानी का कारण बन सकते हैं। इससे राजमार्ग की उपलब्ध भूमि का प्रभावी उपयोग प्रभावित होने के साथ वाहन चालकों की दृश्यता भी बाधित होती है। इसके अलावा आपातकालीन सेवाओं, सड़क रखरखाव और अन्य जरूरी कार्यों में भी रुकावट पैदा हो सकती है। एनएचएआई की ओर से की गई कार्रवाई का एक उद्देश्य राजमार्ग की भूमि को सुरक्षित रखना भी है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मार्ग के अधिकार क्षेत्र में किसी भी तरह का अनधिकृत कब्जा या निर्माण स्वीकार नहीं किया जाएगा। अभियान के दौरान साफ किए गए हिस्सों की नियमित निगरानी भी की जाएगी, ताकि दोबारा अतिक्रमण न हो सके।

राजमार्ग से जुड़े हितधारकों और आसपास के लोगों को भी सलाह दी गई है कि वे एनएचएआई की भूमि पर किसी तरह का अनधिकृत कब्जा न करें। अधिकारियों ने कहा कि भविष्य में भी आवश्यकता के अनुसार अतिक्रमण विरोधी अभियान जारी रहेंगे।

एनएचएआई के अनुसार इस तरह की कार्रवाई से यातायात का प्रवाह बेहतर होने, सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा बढ़ने और राजमार्ग के रखरखाव कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने में मदद मिलेगी। प्राधिकरण का लक्ष्य पानीपत-खन्ना खंड को सुरक्षित, कुशल और बाधारहित बनाए रखना है, ताकि यात्रियों और मालवाहक वाहनों को बेहतर परिवहन सुविधा मिल सके। साथ ही आपात स्थिति में राहत और बचाव दलों को भी राजमार्ग पर बिना बाधा के आवाजाही का रास्ता उपलब्ध हो सके।

पीएचसी गेट पर महिला का प्रसव स्वास्थ्य विभाग ने जांच कमेटी की गठित

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद

फरीदाबाद गांव धौज स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के मुख्य गेट पर महिला की डिलीवरी होने के मामले को स्वास्थ्य विभाग ने गंभीरता से लिया है। घटना की जांच के लिए डिप्टी सिविल सर्जन के नेतृत्व में कमेटी गठित की गई है। कमेटी पूरे घटनाक्रम की जांच कर यह पता लगाएगी कि महिला को स्वास्थ्य केंद्र के बाहर प्रसव कराने की स्थिति क्यों बनी और उस समय पीएचसी का मुख्य गेट बंद क्यों था।

जांच में यह भी देखा जाएगा कि घटना के समय स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ मौजूद थे या नहीं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से धौज पीएचसी के एसएमओ डॉ. राजेश को पहले ही कारण बताओ नोटिस जारी किया जा चुका है। उनसे मुख्य गेट बंद होने, चिकित्सकीय स्टाफ की अनुपस्थिति और महिला को समय पर उपचार नहीं मिलने के संबंध में जवाब मांगा गया है।

जानकारी के अनुसार धौज निवासी मोसिम खान 30 अगस्त को अपनी गर्भवती पत्नी नूरजहां खान को प्रसव के लिए पीएचसी लेकर पहुंचे थे। परिजनों का आरोप है कि स्वास्थ्य केंद्र के मुख्य गेट पर ताला लगा हुआ था। उन्होंने आसपास डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ को तलाश किया, लेकिन कोई कर्मचारी नहीं मिला। इसी दौरान महिला की प्रसव पीड़ा बढ़ती गई और काफी देर तक मदद नहीं मिलने के बाद उसने गेट के बाहर ही बच्चे को जन्म दे दिया।

इसके बाद किसी तरह एक चपरासी को बुलाया गया। उसके माध्यम से स्वास्थ्य केंद्र का गेट खुलवाया गया और जच्चा-बच्चा को अंदर वार्ड में ले जाकर भर्ती कराया गया। परिजनों का आरोप है कि भर्ती के बाद भी करीब एक घंटे तक नर्सिंग स्टाफ वहां नहीं पहुंचा। बाद में कर्मचारियों के पहुंचने पर मां और नवजात की जांच तथा देखभाल शुरू की गई।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार जांच कमेटी घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल करेगी। रिपोर्ट आने के बाद ही जिम्मेदारी तय होगी और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि कुछ महीने पहले सेक्टर-3 स्थित प्रजनन एवं स्वास्थ्य केंद्र में भी ऐसा ही मामला सामने आया था।

न्यूज ब्रीफ

नसबंदी और वैक्सीन खरीद पर आयोग सख्त, निगम से मांगा हिसाब

एजेंसी ,नई दिल्ली राज्य सूचना आयोग ने गाजियाबाद नगर निगम को आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण अभियान से जुड़े भुगतान और सत्यापन के दस्तावेज पेश करने का निर्देश दिया है। सूचना आयुक्त मोहम्मद नदीम की पीठ ने निगम के उस तर्क को खारिज कर दिया, जिसमें एनजीओ को किए गए भुगतान की जानकारी को तीसरे पक्ष के आर्थिक हित से जुड़ी सूचना बताकर देने से इनकार किया गया था। आयोग ने निगम से नसबंदी और टीकाकरण अभियान में हुए खर्च से संबंधित रिकॉर्ड प्रस्तुत करने को कहा है। सुनवाई के दौरान सूचना आयुक्त ने सवाल उठाया कि यदि स्ट्रीट डॉग्स को टीके लगाए जा रहे हैं, तो वैक्सीन की खरीद भी की गई होगी। ऐसे में उसकी खरीद से जुड़े बिल और अन्य दस्तावेज कहां हैं। आयोग के इस सवाल के बाद नगर निगम की व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। अब निगम को भुगतान, वैक्सीन खरीद, सत्यापन और अभियान से जुड़े रिकॉर्ड प्रस्तुत करने होंगे। मामले में दस्तावेज सामने आने के बाद अभियान की पारदर्शिता और खर्च की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मेरठ में जल्द मिलेंगे इजरायली और थाईलैंड के खास आम

एजेंसी, नई दिल्ली मेरठ में जल्द ही इजरायल और थाईलैंड की खास आम की किस्में उपलब्ध होने वाली हैं। इनमें इजरायली 'माया' आम अपनी अनोखी स्वाद और खास पहचान के लिए जाना जाता है। खास बात यह है कि इस आम की किस्म का नाम एक पति ने अपनी पत्नी के नाम पर रखा है। मेरठ की एक नर्सरी में इसके पौधे तैयार किए जा रहे हैं। वेस्ट यूपी पहले से ही दशहरी, लंगड़ा, चौसा और रटौल जैसी प्रसिद्ध आम की किस्मों के लिए जाना जाता है। अब विदेशी किस्मों के शामिल होने से आम प्रेमियों को नए स्वाद का अनुभव मिलेगा। थाईलैंड की एक खास किस्म को 'ऑल-टाइम मैंगो' कहा जाता है। इसकी विशेषता यह है कि यह सालभर फल दे सकती है। छोटे स्थानों में भी इसकी खेती संभव है, इसलिए घरों और छोटी नर्सरियों के लिए यह उपयोगी मानी जा रही है। आम को फलों का राजा कहा जाता है और विदेशी किस्मों के आने से मेरठ में आम की विविधता और बढ़ने की उम्मीद है।

गुरुग्राम के किंगडम ऑफ ड्रीम्स में आग, दमकल ने पाया काबू

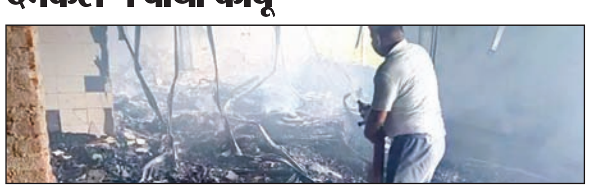

एजेंसी, नई दिल्ली गुरुग्राम के सेक्टर-29 स्थित किंगडम ऑफ ड्रीम्स परिसर में शुक्रवार को एक बार फिर आग लग गई। कई वर्षों से बंद पड़े इस परिसर में आग लगने की यह पिछले चार साल में चौथी घटना बताई जा रही है। लगातार हो रही आग की घटनाओं ने बंद परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आग लगने की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। दमकलकर्मियों ने काफी प्रयास के बाद आग पर नियंत्रण पा लिया। फिलहाल परिसर में किसी बड़े नुकसान या जनहानि की जानकारी सामने नहीं आई है। आग पर काबू पाने के बाद दमकल विभाग की टीमें परिसर में मौजूद हैं और परिसर में कूलिंग का काम जारी है, ताकि दोबारा आग भड़कने की संभावना न रहे। बंद पड़े परिसर में बार-बार आग लगने की घटनाओं से सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। अधिकारियों की ओर से आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। स्थानीय स्तर पर भी लोगों ने परिसर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत जताई है।

जेवर वासियों के लिए यमुना एक्सप्रेसवे हुआ टोल फ्री,17 सितंबर तक जमा कराने होंगे ये 3 दस्तावेज

एजेंसी, नई दिल्ली

जेवर क्षेत्र के निवासियों के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। यमुना एक्सप्रेसवे पर स्थानीय लोगों को टोल टैक्स से छूट देने की प्रक्रिया अब आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है। इस फैसले के लागू होने के बाद पात्र नागरिकों को जेवर से ग्रेटर नोएडा और आगरा के बीच आवागमन करते समय टोल टैक्स नहीं देना पड़ेगा। 165 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे पर स्थानीय लोग पिछले 14 वर्षों से लगातार टोल में राहत देने की मांग कर रहे थे, जो अब जाकर पूरी हुई है।

जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने इस संबंध में बताया कि यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) और एक्सप्रेसवे प्रबंधन के साथ कई दौर की वार्ता के बाद यह निर्णय लिया गया है। इस दौरान स्थानीय किसानों के योगदान और क्षेत्रीय लोगों की दीर्घकालिक मांगों को प्राथमिकता दी गई। एक्सप्रेसवे निर्माण के समय से ही क्षेत्र के लोग खुद को टोल मुक्त किए जाने की लड़ाई लड़ रहे थे, जिसे आखिरकार सफलता मिल गई है। टोल फ्री यात्रा का लाभ उठाने के लिए स्थानीय निवासियों को 17 सितंबर तक पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। इसके लिए ग्रामीणों और नागरिकों को जेवर टोल प्लाजा स्थित मैनेजर कार्यालय में आवेदन पत्र के साथ तीन प्रमुख दस्तावेज जमा कराने होंगे— स्थानीय निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड और वाहन की आरसी पंजीकरण प्रमाणपत्र जमा किए गए दस्तावेजों का सत्यापन पूरा होने के बाद पात्र निवासियों को एक्सप्रेसवे पर बिना टोल दिए सफर करने की अनुमति दे दी जाएगी।

50 हजार सीवर कर्मचारियों को पक्का करने और 1 करोड़ मुआवजे की मांग,दिल्ली उच्च न्यायालय ने जारी किया नोटिस

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी में संविदा (कॉन्ट्रैक्ट) पर काम कर रहे सीवर कर्मचारियों से जुड़ी एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए बड़ा आदेश दिया है। इस याचिका में दिल्ली के करीब 50 हजार संविदा सीवर कर्मचारियों को नियमित करने तथा काम के दौरान जान गंवाने वाले कर्मचारियों के परिवारों को 1 करोड़ रुपये का मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की गई है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाया है और दिल्ली सरकार तथा दिल्ली जल बोर्ड दिल्ली जल बोर्ड को 6 सप्ताह के भीतर इस पर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि दिल्ली में सीवर कर्मचारियों की स्थिति गुलामों या बंधुआ मजदूरों से भी बदतर बनी हुई है। सिस्टम द्वारा उनके साथ गंभीर शोषण किया जा रहा है और उन्हें बिना आवश्यक सुरक्षा उपकरणों के बेहद जोखिम भरे माहौल में काम करने पर मजबूर किया जाता है। याचिकाकर्ता का कहना है कि पिछले 10 वर्षों के दौरान दिल्ली में सीवर की सफाई के दौरान जहरीली गैसों और सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण 300 से अधिक कर्मचारियों की मौत हो चुकी है, लेकिन इसके बावजूद उनकी कार्यस्थिति में सुधार के लिए कोई ठोस उपाय नहीं किए गए हैं। उच्च न्यायालय की पीठ ने याचिका में उठाए गए मुद्दों को गंभीर मानते हुए दिल्ली सरकार और दिल्ली जल बोर्ड से जवाब तलब किया है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि छह हफ्ते के भीतर अधिकारियों को यह बताना होगा कि वे इन कर्मचारियों के नियमितीकरण, मुआवजे और सुरक्षा परिस्थितियों में सुधार के लिए क्या कदम उठा रहे हैं। इसके अलावा, याचिका में सीवर कर्मचारियों के लिए उचित स्वास्थ्य बीमा, पेंशन लाभ और आधुनिक मशीनी सुरक्षा उपकरण मुहैया कराने की भी मांग की गई है ताकि उन्हें मानव मल और जहरीली गैसों के सीधे संपर्क में न आना पड़े तथा भविष्य में जानलेवा हादसों को रोका जा सके। याचिका में पीएफ, बोनस, स्वास्थ्य बीमा और आधुनिक मशीनी सुरक्षा उपकरण देने की मांग की गई है।

फरीदाबाद में स्वास्थ्य व्यवस्था की खुली पोल, गेट पर हुई डिलीवरी

एजेंसी, नई दिल्ली

फरीदाबाद के धौज स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं की गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां एक गर्भवती महिला की डिलीवरी स्वास्थ्य केंद्र के अंदर नहीं, बल्कि बंद गेट के बाहर ही हो गई। आरोप है कि उस समय केंद्र पर डॉक्टर, नर्सिंग अधिकारी या अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद नहीं थे। मजबूरी में परिजनों और ग्रामीण महिलाओं ने मिलकर गर्भवती महिला की डिलीवरी कराई। घटना ने जिला स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगातार दावा किया जाता है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं और नवजात बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। लेकिन धौज स्वास्थ्य केंद्र की घटना इन दावों की जमीनी हकीकत पर सवाल खड़ा करती है। जानकारी के अनुसार,

गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन उसे धौज स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे थे। वहां पहुंचने के बाद महिला की हालत बिगड़ने लगी और उसे तत्काल चिकित्सा सहायता की जरूरत थी। लेकिन केंद्र का गेट बंद था और मौके पर कोई स्वास्थ्यकर्मी उपलब्ध नहीं था। प्रसव का समय नजदीक होने के कारण परिजनों के पास इंतजार करने का विकल्प नहीं था।

इसके बाद वहां मौजूद ग्रामीण महिलाओं ने स्थिति संभाली। उन्होंने महिला की मदद की और स्वास्थ्य केंद्र के गेट के बाहर ही प्रसव कराया। महिला ने बच्चे को जन्म दिया। घटना की जानकारी सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जांच के आदेश दिए हैं। जांच के दौरान यह पता लगाया जाएगा कि घटना के समय स्वास्थ्य केंद्र क्यों बंद था और वहां तैनात डॉक्टर तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मी कहां थे। साथ ही यह भी जांच की जाएगी कि कर्मचारियों की ड्यूटी किस प्रकार निर्धारित थी और उन्होंने अपने दायित्व का पालन क्यों नहीं किया।

दिल्ली की सड़कों की गुणवत्ता सुधारने के लिए पीडब्ल्यूडी इंजीनियरों को मिलेगा विशेष प्रशिक्षण

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली की सड़कों की बदहाली, निर्माण की गुणवत्ता और रखरखाव को लेकर लगातार उठ रहे सवालों के बीच लोक निर्माण विभाग ने अपने इंजीनियरों को विशेष प्रशिक्षण दिलाने की तैयारी की है। सड़क निर्माण और हरियाली से जुड़े तय मानकों की जानकारी देने के लिए केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान के विशेषज्ञ पांच सितंबर को पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों को प्रशिक्षण देंगे। यह प्रशिक्षण ऐसे समय में आयोजित किया जा रहा है, जब दिल्ली की कई प्रमुख और आंतरिक सड़कों की स्थिति को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं। बारिश के बाद सड़कों पर गड्ढे, जलभराव, टूटे किनारे और खराब रखरखाव जैसी समस्याएं अक्सर सामने आती हैं।

इसके अलावा सड़क निर्माण में गुणवत्ता और निर्धारित तकनीकी मानकों के पालन को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। प्रशिक्षण का

सड़कों की गुणवत्ता सुधारने इंजीनियरों को मिलेगा प्रशिक्षण

मुख्य उद्देश्य इंजीनियरों को सड़क निर्माण की आधुनिक तकनीक, गुणवत्ता नियंत्रण और रखरखाव के बेहतर तरीकों से अवगत कराना है। केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान सड़क निर्माण और उससे जुड़ी तकनीकी व्यवस्थाओं के क्षेत्र में विशेषज्ञ संस्था है।

उसके विशेषज्ञ पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को सड़क निर्माण की प्रक्रिया में जरूरी सावधानियों और मानकों की जानकारी देंगे। प्रशिक्षण में सड़क की डिजाइनिंग, निर्माण सामग्री की गुणवत्ता, सड़क की मजबूती, जल निकासी व्यवस्था और रखरखाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी जा सकती है। इसके साथ ही सड़क के आसपास हरियाली विकसित करने और उसे सुरक्षित रखने के लिए निर्धारित मानकों पर भी चर्चा होगी। पीडब्ल्यूडी का मानना है कि इंजीनियरों को तकनीकी रूप से और अधिक सक्षम बनाने से सड़क निर्माण की गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है।

प्रयागराज में तेंदुए की दहशत एक साल में 10वीं बार दिखा

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रयागराज के गंगापार इलाके में तेंदुओं की बढ़ती मौजूदगी ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। झूंसी क्षेत्र के मलखानपुर में एक सितंबर की देर रात एक तेंदुआ घर के बाहर चहलकदमी करता हुआ सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ। सुबह जब ग्रामीणों ने फुटेज देखा तो पूरे गांव में दहशत फैल गई। वन विभाग को सूचना दिए जाने के बाद इलाके में निगरानी बढ़ा दी गई है। ग्रामीणों के मुताबिक, गंगापार क्षेत्र में पिछले एक साल के दौरान तेंदुआ दिखाई देने की यह करीब 10वीं घटना है।

इससे पहले भी कई गांवों में तेंदुए की मौजूदगी देखी जा चुकी है। इस दौरान एक तेंदुए को पकड़ लिया गया था, जबकि एक अन्य तेंदुए की मौत भी हो चुकी है। लगातार सामने आ रही घटनाओं से ग्रामीणों में डर का माहौल बना हुआ है और लोग रात के समय घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं।

विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों के अनुसार, तेंदुओं के आबादी की ओर आने के पीछे बदलता भौगोलिक क्षेत्र एक बड़ा कारण हो सकता है। जंगलों के लगातार सिमटने और प्राकृतिक आवास कम होने से जंगली जानवर भोजन और सुरक्षित ठिकाने की तलाश में मानव बस्तियों के करीब पहुंच रहे हैं।

गंगापार में यह स्थिति अब एक-दो घटनाओं तक सीमित नहीं रह गई है। इस बार गंगा में आई बाढ़ ने करछना और छतनाग के बीच स्थित टापू तथा उसके आसपास नदी किनारे करीब तीन से चार किलोमीटर लंबे क्षेत्र को जलमग्न कर दिया है।

ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि बाढ़ के कारण तेंदुए का प्राकृतिक ठिकाना प्रभावित हुआ हो और सुरक्षित स्थान की तलाश में वह आबादी की ओर पहुंच गया हो। वन विभाग के सामने एक अन्य संभावना भी है। करीब 100 किलोमीटर दूर मध्य प्रदेश के सीधी जिले के जंगलों से तेंदुओं के आवागमन की आशंका जताई जा रही है।

आगरा में किन्नर से धोखा, शादी के नाम पर कराया लिंग परिवर्तन

एजेंसी, नई दिल्ली

आगरा में एक युवक पर किन्नर को प्रेमजाल में फंसाकर दो साल तक उसका शारीरिक शोषण करने और शादी के नाम पर धोखा देने का आरोप लगा है। पीड़ित किन्नर के अनुसार, युवक ने शादी करने के लिए उसके सामने लिंग परिवर्तन कराने की शर्त रखी। प्रेमी से शादी की उम्मीद में किन्नर ने लाखों रुपये खर्च कर सर्जरी कराई और पुरुष किन्नर से स्त्री किन्नर बन गया। आरोप है कि किन्नर ने प्रेमी को बुलेट बाइक भी दिलाई और करीब चार लाख रुपये दिए। इसके बावजूद जब उसने शादी के लिए दबाव बनाया तो युवक ने शादी करने से इनकार कर दिया। बाद में किन्नर को पता चला कि युवक पहले से ही शादीशुदा है। खुद को ठगा महसूस करने के बाद पीड़ित किन्नर ने पुलिस से शिकायत की। मामले में सिकंदरा थाने में प्रेमी त्रिवेंद्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

गुरुग्राम में जलभराव रोकने के लिए सनाथ रोड मॉडल होगा लागू,ग्रीन बेल्ट में होगा वर्षा जल संचयन

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम में बारिश के दौरान सड़कों पर होने वाले जलभराव की समस्या से निपटने के लिए गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने नई योजना तैयार की है। इसके तहत सड़क निर्माण और वर्षा जल संचयन को एक साथ जोड़ने की तैयारी की जा रही है। जीएमडीए शहर के अलग-अलग हिस्सों में सनाथ रोड पर अपनाए गए बायो-स्वेल मॉडल को लागू करने की दिशा में काम करेगा।

जीएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीसी मीणा ने इंजीनियरिंग विंग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सड़क किनारे मौजूद ग्रीन बेल्ट का स्तर सड़क से थोड़ा नीचे रखा जाए। इसका उद्देश्य बारिश के पानी को सीधे सड़क पर जमा होने से रोककर ग्रीन बेल्ट में पहुंचाना और फिर उसे जमीन के भीतर उतारना है। इससे एक तरफ जलभराव कम होगा, वहीं दूसरी ओर भूजल स्तर को बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। सनाथ रोड पर इसी व्यवस्था को पहले से अपनाया गया है। यहां सड़क के साथ लगी ग्रीन बेल्ट को सड़क के स्तर से नीचे रखा गया है। बारिश होने पर सड़क से बहकर आने वाला पानी पहले इसी हिस्से में पहुंचता है। इसके बाद पानी बायो-स्वेल में कुछ समय रुकता है और प्राकृतिक तरीके से जमीन में समाने लगता है। अतिरिक्त पानी आगे सरफेस ड्रेन के माध्यम से बाहर निकल जाता है। इस व्यवस्था से सड़क पर पानी लंबे समय तक जमा नहीं रहता।

जीएमडीए अब इस मॉडल की उपयोगिता को देखते हुए इसे शहर के अन्य इलाकों में भी अपनाने की तैयारी कर रहा है। अधिकारियों को सड़क निर्माण की योजना बनाते समय जल निकासी और जल संचयन की व्यवस्था को

बारिश का पानी अब जमीन में उतारेगा गुरुग्राम

प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं। इससे बारिश के समय यातायात बाधित होने और सड़कों पर पानी भरने की समस्या को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

इस योजना का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य भूजल संरक्षण भी है। गुरुग्राम जैसे तेजी से विकसित हो रहे शहर में भूजल पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में बारिश के पानी को नालियों के जरिए बहा देने के बजाय जमीन में पहुंचाने से भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा मिल सकता है। इसके साथ ही जीएमडीए ने विकास कार्यों में गुणवत्ता नियंत्रण पर भी जोर दिया है। ताकि नई व्यवस्था लंबे समय तक प्रभावी रहे। जीएमडीए की योजना सफल रहती है तो भविष्य में गुरुग्राम की सड़कों पर बारिश के दौरान जलभराव कम करने के साथ-साथ वर्षा जल का बेहतर इस्तेमाल और भूजल संरक्षण भी संभव हो सकेगा।

नोएडा में जन्माष्टमी पर कड़ी सुरक्षा, 2500 पुलिसकर्मी तैनात

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा में जन्माष्टमी के अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट पुलिस ने व्यापक तैयारियां की हैं। जिले में 200 से अधिक मंदिरों, शिवालयों और झांकियों के आसपास सुरक्षा कड़ी रहेगी। किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस ड्रोन के माध्यम से निगरानी करेगी। इसके अलावा करीब 2500 पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। जन्माष्टमी के दौरान जिले में छह स्थानों पर झांकियां निकाली जाएंगी। इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए पुलिस ने भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था और सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। मंदिरों के आसपास लगातार निगरानी रखी जाएगी और संदिग्ध गतिविधियों पर पुलिस की नजर रहेगी।

सेक्टर-33 स्थित इस्कान मंदिर और सेक्टर-19 स्थित सनातन मंदिर के आसपास यातायात व्यवस्था में बदलाव किया जाएगा। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए

कई मार्गों पर वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित या परिवर्तित रहेगी। गिझौड़ मार्ग के अलावा एलिवेटेड रोड से इस्कान मंदिर होते हुए मोरना की ओर जाने वाला मार्ग भी बंद रहेगा। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे निर्धारित मार्गों का इस्तेमाल करें और यातायात नियमों का पालन करें।

जन्माष्टमी की तैयारियों का जायजा लेने के लिए अपर पुलिस आयुक्त राजीव नारायण मिश्र और एडीसीपी नोएडा मनीषा सिंह ने बृहस्पतिवार को इस्कान मंदिर, सनातन मंदिर सहित कई प्रमुख स्थानों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मंदिर प्रबंधन और संबंधित पुलिस अधिकारियों से सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली और जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि त्योहार के दौरान भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अतिरिक्त बल तैनात रहेगा।

मंदिरों के आसपास पैदल गश्त बढ़ाने के साथ-साथ ड्रोन से हवाई निगरानी की जाएगी। प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर भी पुलिसकर्मी मौजूद रहेंगे। प्रशासन का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुचारु वातावरण उपलब्ध कराना है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें, किसी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

स्वतंत्र की गिरफ्तारी की मांग, संसद मार्ग थाने पर धरने पर बैठी सीजेपी

न्याय की मांग को लेकर सीजेपी का धरना, स्वतंत्र की गिरफ्तारी की मांग

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली में निशु आजाद और उनके पिता संजय कुमार से जुड़े कथित मारपीट मामले को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी कॉकरोच जनता पार्टी ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास और राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका अपने समर्थकों के साथ संसद मार्ग स्थित पुलिस स्टेशन पहुंचे और पुलिस से मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक कथित आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, तब तक वे आंदोलन जारी रखेंगे।

कॉकरोच जनता पार्टी नेताओं के अनुसार, यह मामला जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन के दौरान सामने आया था। पार्टी का आरोप है कि निशु आजाद के पिता संजय कुमार पर प्रदर्शन के दौरान हमला किया गया, जिसमें उनके सिर पर गंभीर चोट लगी। निशु आजाद ने भी आरोप लगाया है कि घटना के बाद प्राथमिकी दर्ज होने के बावजूद आरोपी के खिलाफ अपेक्षित

निशु को न्याय, स्वतंत्र की गिरफ्तारी तक धरना जारी

कार्रवाई नहीं हुई। उनके मुताबिक इस मामले में काफी समय बीत चुका है, लेकिन गिरफ्तारी नहीं होने से परिवार को न्याय नहीं मिल पाया है। कॉकरोच जनता पार्टी का कहना है कि संजय कुमार अपनी बेटी निशु के साथ प्रदर्शन में मौजूद थे। पार्टी नेताओं के मुताबिक प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा था, तभी कुछ लोगों ने कथित तौर पर वहां पहुंचकर हिंसा की। कॉकरोच जनता पाटी प्रवक्ता सौरव दास ने दिल्ली पुलिस से मांग की कि मामले में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ गंभीर धाराओं में कार्रवाई की जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्राथमिकी दर्ज होने के बावजूद पुलिस ने अब तक पर्याप्त कार्रवाई नहीं की है।

राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने आरोप लगाया कि संजय कुमार के सिर पर हमला किया गया और उन्हें गंभीर रूप से घायल किया गया। रांका ने पुलिस से मांग की कि मामले को केवल सामान्य मारपीट के रूप में न देखा जाए, बल्कि घटना की गंभीरता के अनुसार कार्रवाई की जाए।कॉकरोच जनता पार्टी नेताओं ने कथित हमले को हत्या के प्रयास का मामला बताते हुए संबंधित धाराएं लगाने और जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार करने की मांग की है।

हालांकि, ये आरोप पार्टी नेताओं के बयानों पर आधारित हैं और सभी दावों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। विवाद उस समय और बढ़ गया जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो या पॉडकास्ट क्लिप सामने आई। कॉकरोच जनता पार्टी का दावा है कि इस क्लिप में स्वतंत्र भारद्वाज ने कथित तौर पर संजय कुमार के साथ मारपीट करने की बात कही। रिपोर्टों के अनुसार, वीडियो में राजनीतिक प्रभाव के कारण कानूनी कार्रवाई से बचने से जुड़ा दावा भी किया गया। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस की ओर से मामले में जांच और आगे कानूनी प्रक्रिया की बात सामने आई है। शुक्रवार कोकॉकरोच जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने पटेल चौक से संसद मार्ग पुलिस स्टेशन की ओर मार्च किया। सौरव दास और आशुतोष रांका के साथ बड़ी संख्या में समर्थक भी थाने पहुंचे।

किसानों के लिए डिजिटल मददगार बना 'मनोरमा कृषि रक्षक', धामी ने किया एप का शुभारंभ

किसानों और स्वयं सहायता समूहों का डिजिटल मंच बना एप

अनिल थपलियाल

किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने और खेती से संबंधित जरूरी जानकारियां समय पर उपलब्ध कराने की दिशा में उत्तराखंड में नई पहल की गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में मनोरमा डबराल जन कल्याण समिति की ओर से विकसित किसान-केंद्रित मोबाइल एप 'मनोरमा कृषि रक्षक' का शुभारंभ किया। यह एप किसानों को मौसम, फसल, कृषि सलाह, बाजार और परिवहन से जुड़ी जानकारियां एक ही डिजिटल मंच पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

मुख्यमंत्री धामी ने एप को किसानों और स्वयं सहायता समूहों के लिए उपयोगी पहल बताते हुए समिति के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आधुनिक तकनीक का प्रभावी इस्तेमाल कर किसानों तक कृषि संबंधी आवश्यक जानकारी और सेवाएं आसानी से पहुंचाई जा सकती हैं। खेती में समय पर सही जानकारी मिलना बेहद महत्वपूर्ण है। मौसम में बदलाव, फसल में रोग या बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव की जानकारी किसानों को समय रहते मिले तो वे बेहतर निर्णय ले सकते हैं।

समिति के पदाधिकारियों के अनुसार 'मनोरमा कृषि रक्षक' एप में किसानों के लिए रियल टाइम मौसम की जानकारी और मौसम संबंधी अलर्ट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके साथ ही विभिन्न फसलों के अनुसार कृषि संबंधी सलाह भी दी जाएगी। एप की प्रमुख विशेषताओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित फसल रोग पहचान की सुविधा शामिल है। इसके माध्यम से किसान फसल में दिखाई देने वाली बीमारी की पहचान करने और उसके समाधान से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

मिलेगी डिजिटल जानकारी

एप में स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण उद्यमों को बाजार से जोड़ने की सुविधाएं भी दी गई हैं। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि एप को किसानों की व्यावहारिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य खेती की तैयारी से लेकर उत्पादन, परिवहन और बाजार तक किसानों को आवश्यक डिजिटल सहयोग उपलब्ध कराना है। इस पहल से किसानों को अलग-अलग स्रोतों से जानकारी जुटाने की परेशानी कम हो सकती है। समय पर मिलने वाली मौसम, कृषि और बाजार संबंधी जानकारी उन्हें बेहतर निर्णय लेने में मदद करेगी। कार्यक्रम में कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी, मनोरमा डबराल जन कल्याण समिति की कमला डबराल, राजेश डबराल, अंशुल, प्रांजल नौडियाल और सूरवीर सिंह कठैत सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

देहरादून में दिनदहाड़े 70 वर्षीय महिला की हत्या

अनिल थपलियाल। देहरादून के डालनवाला स्थित एमडीडीए एमआईजी कॉलोनी में गुरुवार को 70 वर्षीय रेखा बंसल की घर में हत्या कर दी गई। महिला घर में अकेली थीं। पड़ोसी ने उन्हें बेड पर अचेत पाया और पुलिस को सूचना दी। जांच में चेहरे पर खरोंच और गले पर चोट के निशान मिले हैं। महिला के हाथ से सोने का कंगन भी गायब बताया गया है। पुलिस हत्या के साथ लूट के एंगल से जांच कर रही है। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। पुलिस परिचित व्यक्ति की भूमिका की भी जांच कर रही है।

देहरादून में गूंजी पुरानी टिहरी की रामलीला 1952 की परंपरा का हुआ भव्य शुभारंभ

अनिल थपलियाल। देहरादून के रेसकोर्स स्थित श्री गुरु नानक मैदान में पुरानी टिहरी की वर्ष 1952 से चली आ रही ऐतिहासिक रामलीला परंपरा को आगे बढ़ाते हुए रामलीला महोत्सव-2026 का शुभारंभ हुआ। जन्माष्टमी के अवसर पर विधि-विधान से हनुमान ध्वजा स्थापित की गई। ढोल-दमाऊ की मंगल ध्वनि के बीच पूजा-अर्चना और हवन के बाद रामलीला की रिहर्सल शुरू हुई। इस वर्ष पारंपरिक चौपाइयों, संवाद और मंचन शैली को आधुनिक तकनीक के साथ प्रस्तुत किया जाएगा।

केहरी गांव में कहासुनी के बाद भिड़े दो पक्ष

अनिल थपलियाल। देहरादून के प्रेमनगर थाना क्षेत्र के केहरी गांव में मामूली विवाद ने देर रात हिंसक रूप ले लिया। थाना क्षेत्र से कुछ दूरी पर मुख्य हाईवे पर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और लाठी-डंडों तथा ईंट-पत्थरों से एक-दूसरे पर हमला किया। मारपीट के दौरान महिलाएं और युवतियां भी शामिल नजर आईं। घटना के कारण कुछ देर यातायात प्रभावित रहा और राहगीरों में अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि झड़प में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हुए हैं। फिलहाल किसी पक्ष ने पुलिस में लिखित शिकायत नहीं दी है। पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर लोगों की पहचान कर रही है। जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जन्माष्टमी पर रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाया बदरीनाथ धाम

अनिल थपलियाल

◆ **जन्माष्टमी पर बदरीनाथ मंदिर की बढ़ी दिव्यता, विशेष सजावट और धार्मिक आयोजनों से सजा धाम**

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर भगवान बदरी विशाल का धाम रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा है। रात के अंधेरे में रोशनी से सजा बदरीनाथ मंदिर श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मंदिर परिसर और आसपास की विशेष सजावट से धाम का नजारा बेहद भव्य और दिव्य दिखाई दे रहा है। हर वर्ष की तरह इस बार भी जन्माष्टमी को लेकर मंदिर को विशेष रूप से सजाया गया है। चमचमाती रोशनी में नहाया मंदिर श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

जन्माष्टमी के अवसर पर बदरीनाथ धाम में विशेष धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव में शामिल होने के लिए धाम पहुंच रहे हैं। मंदिर में भजन-कीर्तन और पूजा-अर्चना का आयोजन होगा। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के समय श्रद्धालु विशेष पूजा में शामिल होकर उत्सव मनाएंगे।

जन्माष्टमी के अवसर पर बदरीनाथ धाम के कपाट चार सितंबर की मध्यरात्रि करीब दो बजे बंद किए जाएंगे। इसके बाद पांच सितंबर को प्रातःकालीन पूजाओं के लिए मंदिर के कपाट खोले जाएंगे। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के कार्यालय आदेश के अनुसार पांच सितंबर को सुबह 5:30 बजे घंटी बजेगी। सुबह छह बजे मंदिर के कपाट खुलेंगे और 6:30 बजे से महाभिषेक पूजा शुरू होगी। इसके बाद निर्धारित समय के अनुसार पूजा-अर्चना संपन्न होगी।

छह सितंबर से बदरीनाथ धाम में मंदिर खुलने और पूजा का समय पूर्ववत रहेगा। मंदिर समिति ने संबंधित अधिकारियों, पुजारियों और कर्मचारियों को निर्धारित व्यवस्था के अनुसार आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जन्माष्टमी को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। शाम ढलते ही रंगीन रोशनी से जगमगाता बदरीनाथ धाम और मंदिर परिसर का दिव्य स्वरूप भक्तों के लिए विशेष आकर्षण बना हुआ है।

नैनीताल में 16 सड़कें अब भी बंद

नैनीताल। जनपद में पिछले 4 दिनों से हो रही बारिश कुछ धीमी पड़ी है, लेकिन अभी जनजीवन पूरी तरह से पटरी पर नहीं लौट पाया है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार पिछले 24 घंटे में हल्द्वानी में सर्वाधिक 94 मिमी, नैनीताल में 25 मिमी, चोरगलिया में 27 मिमी, रामनगर में 12.5 मिमी, खनस्यूं में 8 मिमी और मुक्तेश्वर में 8.9 मिमी बारिश दर्ज की गई। इस प्रकार जनपद में बीते 24 घंटों में औसतन 17.54 मिमी और इस वर्ष अब तक जिले में 967.07 मिमी बारिश हो चुकी है। गौला, कोसी और नंधौर नदियों में जल स्तर क्रमशः 11,023, 5,614 और 2,449.10 क्यूसेक के साथ सामान्य स्तर पर आ गया है। लेकिन अभी भी जनपद में एक राज्य मार्ग, एक प्रमुख जिला मार्ग और 14 ग्रामीण मार्गों सहित कुल 16 मोटर मार्ग बंद हैं। इनमें रामनगर-भण्डारपानी-बेतालघाट राज्य मार्ग-71, कांडा डॉन-परेवा, पाण्डेगांव-रानीकोटा, एचएमटी-ब्रेवरी, घोड़ाखाल-धुलई, फतेहपुर-बेल, बरेली-अल्मोड़ा-सिरसा, छीड़ाखान-अमजड़, देवलीधार-सुई, स्यूड़ा-कौन्ता-हरीशताल, खनस्यूं-टांडा, भीडापानी-महतोली, पटलोट-पश्यागांव, ढोलीगांव-धैना, खुजेठी-भौनरा, क्वारब-सारखेत तथा कोल मोटर मार्ग शामिल हैं

गड्ढामुक्त सड़क अभियान के बीच रेसकोर्स की बदहाल सड़क बनी परेशानी

अनिल थपलियाल

प्रदेश सरकार के गड्ढामुक्त सड़क अभियान के दावों के बीच देहरादून के धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के रेसकोर्स स्थित ऑफिसर्स कॉलोनी के सी ब्लॉक में सड़क की बदहाली लोगों के लिए परेशानी बनी हुई है। ट्रांजिट हॉस्टल से करीब 100 मीटर आगे सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे हैं, जिनमें बारिश के दौरान पानी भर जाता है। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को आवाजाही में दिक्कत होती है और दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से सड़क की मरम्मत नहीं हुई है। आसपास विधानसभा सचिवालय और लोक निर्माण विभाग समेत कई सरकारी भवन होने के बावजूद स्थिति जस की तस है। लोगों ने सड़क की जल्द मरम्मत कराने की मांग की है। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सड़क की बदहाली स्थानीय मुद्दा बन सकती है।

रुद्रपुर और पिथौरागढ़ मेडिकल कॉलेजों में इसी सत्र से प्रवेश शुरू हो : यशपाल आर्य

देहरादून। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने राज्य सरकार से रुद्रपुर और पिथौरागढ़ मेडिकल कॉलेजों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 से ही एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू कराने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की लापरवाही के कारण अभी तक इन मेडिकल कॉलेजों में सत्र शुरू नहीं हो पाया है, जिससे राज्य के गरीब और मेधावी विद्यार्थियों को महंगे निजी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश लेने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। आर्य ने कहा कि यदि रुद्रपुर और पिथौरागढ़ मेडिकल कॉलेजों में इसी सत्र से प्रवेश शुरू हो जाता है तो करीब 200 युवाओं का सरकारी मेडिकल कॉलेज में कम फीस पर एमबीबीएस करने का सपना पूरा हो सकेगा। उन्होंने कहा कि रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज में 100 एमबीबीएस सीटों पर इसी सत्र से प्रवेश प्रक्रिया शुरू कराने के लिए राज्य सरकार को केंद्र सरकार और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के साथ आवश्यक समन्वय करना चाहिए।

पदम बहादुर मल्ल की गौरवशाली विरासत को गुरु के आशीर्वाद से आगे बढ़ा रहे विकास बलोनी

विकास बलोनी

कुछ रिश्ते केवल परिचय से नहीं, बल्कि संस्कार, समर्पण और प्रेरणा से बनते हैं। गुरु और शिष्य का रिश्ता भी ऐसा ही होता है। मेरे लिए मुक्केबाजी केवल एक खेल नहीं, बल्कि जीवन को समझने और संघर्षों का सामना करने का माध्यम है। इस यात्रा में मेरे गुरुजी का योगदान मेरे लिए अमूल्य है। उनकी प्रेरणा से मैं उस गौरवशाली परंपरा से जुड़ा हूं, जिसमें पदम बहादुर मल्ल जैसे महान खिलाड़ी और योद्धा शामिल हैं।

पदम बहादुर मल्ल ने 1962 के एशियाई खेलों में 60 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज भी चुना गया। उनकी उपलब्धि भारतीय मुक्केबाजी के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय सेना में सेवा करते हुए 1965 और 1971 के युद्धों में देश की रक्षा की।

उनका जीवन हमें साहस, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता है। आज उनके साथ बैठकर इस विरासत को महसूस करना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। मेरे गुरुजी ने मुझे सिखाया कि जीत में विनम्रता, हार में धैर्य और संघर्ष में विश्वास बनाए रखना चाहिए। मैं अपने गुरुजी और पदम बहादुर मल्ल जी को हृदय से नमन करता हूं।

हनोल जागरा मेले की तैयारियों को लेकर प्रशासन ने कसी कमर

अनिल थपलियाल

देहरादून के श्री महासू देवता मंदिर, हनोल में 13 और 14 सितंबर को जागरा मेला-2026 आयोजित किया जाएगा। मेले की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी ने बैठक कर सभी विभागों को आपसी समन्वय से व्यवस्थाएं समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। 13 सितंबर की रात पारंपरिक जागर कार्यक्रम होगा, जबकि 14 सितंबर को धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। डीएम ने मेले को वन डिस्ट्रिक्ट-वन फेस्टिवल की तर्ज पर आकर्षक और व्यवस्थित बनाने पर जोर दिया। लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारियों को प्रमुख मार्गों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। मेला स्थल पर पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं, दवाएं, उपकरण और स्वास्थ्य कर्मियों की व्यवस्था के साथ 24 घंटे एंबुलेंस सेवा उपलब्ध रखने को कहा गया।

पीसी ध्यानी ने विद्युत उपकेंद्रों का लिया औचक जायजा

अनिल थपलियाल। देहरादून के पी.सी. ध्यानी ने ढालीपुर, ढकरानी और कुल्हाल विद्युत उपकेंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से उपकेंद्रों में ओवरलोडिंग और अन्य तकनीकी समस्याओं की जानकारी लेते हुए इनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों को 24 घंटे गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने के लिए अधिकारी और कर्मचारी पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करें। जन्माष्टमी के अवसर पर उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने ऊर्जा क्षेत्र को प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण बताते हुए कार्मिकों से पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री के सरलीकरण, समाधान और संतुष्टि के मूलमंत्र के अनुरूप उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

राज्यपाल ने शिक्षक दिवस पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में शिक्षक महत्वपूर्ण : राज्यपाल

अनिल थपलियाल। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रदेश के सभी शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं। वे विद्यार्थियों को केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उनमें संस्कार, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करते हैं। राज्यपाल ने महान शिक्षक, दार्शनिक एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक याद करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि बदलते समय में शिक्षकों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। शिक्षा को नवाचार, तकनीक, कौशल और संस्कारों से जोड़कर विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना आवश्यक है।

डीएम ने पर्यटन योजनाओं में मानकों के कड़ाई से पालन के दिए निर्देश

पर्यटन योजनाओं में पार्किंग और भवन मानकों पर डीएम सख्त।

अनिल थपलियाल

उत्तरकाशी में जिलाधिकारी प्रशांत आर्य की अध्यक्षता में पर्यटन विभाग की जिला स्तरीय चयन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में दीनदयाल उपाध्याय गृह आवास योजना, वीरचंद्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना तथा ट्रैकिंग-ट्रैक्शन सेंटर होम स्टे अनुदान योजना के तहत प्राप्त आवेदनों की बिंदुवार समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं के अंतर्गत आवेदनों की स्वीकृति से पहले निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

होटल और होम स्टे के लिए विकास प्राधिकरण से भवन का नक्शा पास होना तथा कमरों की संख्या के अनुरूप पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था होना जरूरी है। उन्होंने पर्यटकों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पात्रता की पूरी जांच के बाद ही आवेदनों को स्वीकृति के लिए भेजने को कहा।

मुख्य नदियों से सौ मीटर के दायरे से जुड़े नियमों का पालन करने तथा आवश्यकता पड़ने पर सिंचाई विभाग से अनापत्ति प्रमाणपत्र लेने के निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि होम स्टे योजना के 28 लक्ष्य के मुकाबले 28 आवेदन मिले हैं। अन्य योजनाओं में भी निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि इन योजनाओं का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाना है।

सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश पर संगठनों ने जताई नाराजगी

कारगी ग्रांट में साम्प्रदायिक सौहार्द को लेकर संगठनों ने की बैठक

अनिल थपलियाल

आपत्तिजनक बयान के विरोध में संगठनों ने दी आंदोलन की चेतावनी।

देहरादून के कारगी ग्रांट में उत्तराखंड इंसानियत मंच और उत्तराखंड महिला मंच के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय के लोगों से मुलाकात की। बैठक में हाल की घटनाओं और क्षेत्र में सामाजिक सौहार्द बनाए रखने को लेकर चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने साम्प्रदायिक माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया। एक व्यक्ति की ओर से महिलाओं के संबंध में की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों पर भी नाराजगी जताई गई। स्थानीय लोगों ने कहा कि व्यक्तिगत विवाद को पूरे समुदाय से जोड़ना उचित नहीं है। उन्होंने पथराव और महिलाओं से अभद्रता के लगाए गए आरोपों को भी गलत बताया।

उत्तराखंड महिला मंच की निर्मला बिष्ट ने कहा कि महिलाओं का अपमान किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने मामले में कानूनी कार्रवाई के लिए अधिकारियों से मिलने की बात कही। बैठक में तय किया गया कि सोमवार को प्रतिनिधिमंडल देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर कार्रवाई की मांग करेगा। प्रतिनिधिमंडल में प्रो. एन. राघवेन्द्र, कमला पंत, विमला कोली, निर्मला बिष्ट, हरिओम पाली, परमेन्द्र सिंह कक्कड़ और त्रिलोचन भट्ट शामिल रहे। स्थानीय लोगों ने शांति और भाईचारा बनाए रखने पर जोर दिया।

मोरी में कमजोर मोबाइल नेटवर्क से ग्रामीण परेशान

अनिल थपलियाल। उत्तरकाशी में मोरी विकासखंड के दूरस्थ क्षेत्रों में कमजोर बीएसएनएल मोबाइल नेटवर्क से ग्रामीण लगातार परेशान हैं। कई पुराने टावरों की क्षमता और रेंज कम होने के साथ नए लगाए गए टावर अब तक संचालित नहीं हुए हैं। इससे स्वास्थ्य, शिक्षा, बैंकिंग और आपातकालीन सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। नेटवर्क की कमी के कारण ग्रामीणों को फोन कॉल, ऑनलाइन शिक्षा और डिजिटल बैंकिंग जैसी सुविधाओं का लाभ लेने में दिक्कत होती है। आपात स्थिति में समय पर संपर्क नहीं हो पाना भी गंभीर समस्या बना हुआ है। भाजपा सामाजिक कार्यकर्ता मनमोहन सिंह चौहान ने बीएसएनएल उत्तराखंड के महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपकर नए टावरों को जल्द शुरू करने और पुराने टावरों की क्षमता बढ़ाने की मांग की है।

बारिश और आकाशीय बिजली की चेतावनी के बीच हरिद्वार में सभी आंगनबाड़ी केंद्र बंद

येलो अलर्ट के बीच हरिद्वार में सभी स्कूल बंद

अनिल थपलियाल

◆ **आदेश नहीं मानने पर होगी कठोर कार्रवाई**

मौसम विभाग की ओर से भारी वर्षा की चेतावनी जारी किए जाने के बाद जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने पांच सितंबर को जनपद के सभी विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों को बंद रखने के आदेश जारी किए हैं। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून ने चार सितंबर को जारी पूर्वानुमान में पांच सितंबर को हरिद्वार जिले में कहीं-कहीं भारी वर्षा के साथ गरज और बिजली चमकने तथा तीव्र से अति तीव्र वर्षा की संभावना जताई है। मौसम की स्थिति को देखते हुए जिले में येलो अलर्ट जारी किया गया है।

जिलाधिकारी के आदेश के अनुसार पांच सितंबर शनिवार को हरिद्वार जिले के सभी राजकीय, परिषदीय, सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय बंद रहेंगे। इसके साथ ही सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को भी बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने यह निर्णय विद्यार्थियों, छोटे बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया है।

जिलाधिकारी ने मुख्य शिक्षा अधिकारी समेत संबंधित विभागों के अधिकारियों को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि मौसम संबंधी चेतावनी के बावजूद किसी शिक्षण संस्थान या आंगनबाड़ी केंद्र के संचालन की स्थिति में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। आदेश की अवहेलना करने पर आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

प्रशासन ने लोगों से मौसम की स्थिति को देखते हुए सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं निकलने की अपील की है।

न्यूज ब्रीफ

6 सितंबर को होगी पीटीए सभा व चुनाव

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अभिभावक-शिक्षक संघ (पीटीए) की सामान्य सभा एवं कार्यकारिणी चुनाव 6 सितंबर को प्रातः 10:30 बजे सम्मेलन कक्ष में होंगे। कॉलेज प्रशासन की एसओपी के अनुसार, मतदान और चुनाव लड़ने के लिए वही अभिभावक या संरक्षक पात्र होंगे, जिनका फोटो संबंधित विद्यार्थी के पीटीए फॉर्म पर लगा है। माता-पिता दोनों उपस्थित होने पर किसी एक को ही मतदान या चुनाव लड़ने की अनुमति होगी। पहचान के लिए आधार कार्ड या ड्राइविंग लाइसेंस दिखाना अनिवार्य रहेगा। प्राचार्य प्रीतम लाल ने बताया कि सभा स्थल में प्रवेश सुबह 11 बजे तक ही मिलेगा। इससे पहले कतार में सत्यापन की प्रतीक्षा कर रहे अभिभावकों को टोकन देकर प्रवेश दिया जाएगा। विद्यार्थियों और बाहरी अनधिकृत व्यक्तियों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। मतदान के लिए केवल कॉलेज की आधिकारिक मुहर मान्य होगी। अन्य मुहर, पेन के निशान या छाप वाले मतपत्र अमान्य होंगे। कॉलेज प्रशासन ने सभी पात्र अभिभावकों से समय पर पहुंचने की अपील की है।

अर्की नगर में राधा-कृष्ण के बाल स्वरूप की शोभायात्रा सभी वार्डों में निकाली

भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। अर्की उपमंडल मुख्यालय में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर रामलीला क्लब के सदस्यों ने स्थानीय लोगों के सहयोग से श्री राधा-कृष्ण के बाल स्वरूप की भव्य शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा अर्की नगर के सभी वार्डों से होकर गुजरी और नगर की परिक्रमा के बाद स्थानीय बाजार में संपन्न हुई। शाम के समय अर्की बाजार में मटकी फोड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें स्थानीय युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रात को श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म तक भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ। रामलीला क्लब के निदेशक हेमेंद्र गुप्ता और प्रधान अजय रघुवंशी ने शोभायात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए क्षेत्रवासियों का आभार जताया। इस अवसर पर रामलीला क्लब अर्की के सभी सदस्य मौजूद रहे।

पूर्व विधायक तिलकराज शर्मा ने बच्चों को लुहणू खेल परिसर में बांटी स्पोर्ट्स किट

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। लुहणू खेल परिसर में सदर के पूर्व विधायक तिलकराज शर्मा ने बच्चों को खेल सामग्री वितरित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और खेल मंत्री के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, सुविधाएं और आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। खेल परिसर पहुंचने पर जिला खेल एवं युवा सेवा अधिकारी उत्तम डोड तथा विभागीय स्टाफ ने उनका स्वागत किया। तिलकराज शर्मा ने खेलो इंडिया कार्यक्रम के तहत बच्चों को उपलब्ध करवाई गई खेल सामग्री का जायजा लिया और अधिकारियों-कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया के माध्यम से बिलासपुर में खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच मिल रहा है। हर वर्ष 15 पुरुष और 15 महिला खिलाड़ियों को पंजीकृत कर प्रशिक्षण एवं कोचिंग दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी और विशेष आरक्षण का लाभ भी मिलता है। उन्होंने खिलाड़ियों से पूरी लगन व मेहनत से खेलों में आगे बढ़कर बिलासपुर और हिमाचल का नाम रोशन करने का आह्वान किया। इस अवसर पर उत्तम डोड, कबड्डी कोच अरविंद सहित खेल विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

हिमाचल में 10 तक खराब रहेगा मौसम

बिलासपुर-कांगड़ा-सोलन में भारी बारिश का अलर्ट, प्रदेश में 102 सड़कें बंद

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून की बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने पांच सितंबर को बिलासपुर, कांगड़ा और सोलन जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। छह से 10 सितंबर तक प्रदेश में भारी बारिश की कोई चेतावनी नहीं है। हालांकि इस दौरान कई स्थानों पर बारिश जारी रहने की संभावना है।

प्रदेश की राजधानी शिमला सहित कई हिस्सों में शुक्रवार को रुक-रुक कर बारिश हो रही है। पिछले 24 घंटे के दौरान भी राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बारिश दर्ज की गई है। सिरमौर जिला के मुख्यालय नाहन में 67, मंडी जिला के जोगिन्दरनगर में 57, हमीरपुर के नादौन में 52 और सिरमौर के जतौंन बैरेज में 40 मिमी बारिश दर्ज की गई है। लगातार हो रही बारिश से कई जगहों पर जनजीवन प्रभावित हुआ है और सड़क, बिजली तथा पेयजल सेवाओं पर असर पड़ा है।

सिरमौर जिले में भारी बारिश के कारण नुकसान बढ़ गया है। बीते 36 घंटे में जल शक्ति विभाग को 67 लाख 90 हजार रुपये का नुकसान हुआ है, जबकि लोक निर्माण विभाग को करीब दो करोड़ तीन लाख रुपये की क्षति हुई है। भारी बारिश के कारण जिले में कई जगह सड़कें प्रभावित हुई हैं।

नाहन-रेणुका मुख्य सड़क की बहाली का काम जारी है, लेकिन तीसरे दिन शुक्रवार को भी यह सड़क यातायात के लिए बंद है। नेहली-धीड़ा में भारी भूस्खलन के बाद सड़क पर आवाजाही पूरी तरह रोक दी गई है। यहां यातायात को दूसरे मार्ग से डायवर्ट किया गया है। सड़क को खोलने के लिए संबंधित विभागों की ओर से काम जारी है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार शुक्रवार सुबह तक प्रदेश में भूस्खलन और अन्य कारणों से कुल 102 सड़कें बंद थीं। इनमें मंडी जिले में सबसे अधिक 46 सड़कें प्रभावित हैं। कुल्लू में 22, सिरमौर में 11, कांगड़ा में आठ तथा शिमला और चंबा में तीन-तीन सड़कें बंद हैं। शेष प्रभावित सड़कें प्रदेश के अन्य हिस्सों में हैं।

बारिश से बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। प्रदेश में शुक्रवार सुबह तक 128 बिजली ट्रांसफार्मर बंद थे। इनमें सिरमौर जिले के पांवटा साहिब में 84 ट्रांसफार्मर शामिल हैं। चंबा के भटियात में 16 और शिमला जिले के चौपाल में 12 ट्रांसफार्मर बंद हैं। इससे इन क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है। बारिश का असर पेयजल योजनाओं पर भी पड़ा है। राज्य में पांच पेयजल योजनाएं बंद हैं। इनमें सोलन जिले के कसौली की तीन और शिमला जिले के रामपुर की दो पेयजल योजनाएं शामिल हैं।

इस मानसून सीजन में हिमाचल प्रदेश में बारिश और इससे जुड़ी घटनाओं से अब तक भारी नुकसान हुआ है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में अब तक 266 लोगों की मौत हो चुकी है और 479 लोग घायल हुए हैं। तीन लोग अभी भी लापता हैं। मृतकों में 158 लोगों की जान सड़क हादसों में गई है। वहीं 108 लोगों की मौत भूस्खलन, अचानक आई बाढ़, पानी में बहने, फिसलने, पहाड़ी से गिरने और बारिश से जुड़ी अन्य घटनाओं में हुई है। प्राकृतिक आपदाओं और बारिश से प्रदेश में 465 मवेशियों की भी मौत हुई है। इस मानसून सीजन में 111 मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं, जबकि 472 मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा 17 दुकानें और 438 पशुशालाएं भी ध्वस्त हुई हैं।

सरकारी आकलन के अनुसार मानसून सीजन में अब तक हिमाचल प्रदेश को करीब 1,235 करोड़ रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। इसमें लोक निर्माण विभाग को करीब 946 करोड़ रुपये का नुकसान शामिल है।

मारपीट, अग्निकांड और कुत्ते के काटने पर तीन अलग-अलग मामले दर्ज

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में मारपीट, कैंटर में अग्निकांड और पालतू कुत्ते के हमले से जुड़े तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने शिकायतों के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

तलाई में युवक से मारपीट: पुलिस थाना तलाई में मंडी जिले के सुंदरनगर तहसील के डिनक निवासी मोहम्मद सलमान की शिकायत पर तेजिन्द्र ठाकुर, भूपेन्द्र, करन वर्मा, धर्मेन्द्र कुमार, नवेश कुमार, समीर ठाकुर और हितेश ठाकुर के खिलाफ रास्ता रोककर मारपीट करने का मामला दर्ज किया गया है।

कैंटर में लगाई आग: सदर थाना क्षेत्र के जामली निवासी भाग सिंह ने शिकायत दी कि अज्ञात व्यक्ति ने उनके कैंटर में आग लगा दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कुत्ते के काटने का मामला: बरमाणा थाना में छत गांव निवासी मदन लाल की शिकायत पर विपिन कुमार और एक महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता के अनुसार उनके बेटे को पालतू कुत्ते ने काट लिया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय ने मामलों की पुष्टि की है।

260 ग्राम चिट्टे के साथ दबोचा युवक

उलैहड़ियां में नूरपुर पुलिस को मिली सफलता, बाइक भी की जब्त

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। पुलिस जिला नूरपुर द्वारा नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सीआईए विंग की टीम ने थाना इंदौरा के अंतर्गत गांव उलैहड़ियां में कार्रवाई करते हुए 260 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद कर एक 19 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार सीआईए विंग की टीम डमटाल, इंदौरा और मिलवां क्षेत्र में गश्त, सुरागबारी तथा नशे के अवैध कारोबार की रोकथाम के लिए मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि पंजाब-हिमाचल सीमा पर पठानकोट-जालंधर हाईवे से गांव उलैहड़ियां की ओर जाने वाले रास्ते पर रेलवे क्रॉसिंग से करीब 20 मीटर पीछे एक युवक मोटरसाइकिल में हेरोइन छिपाकर बैठा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम स्वतंत्र गवाहों के साथ मौके पर पहुंची और वहां खड़ी काले रंग की मोटरसाइकिल नंबर पीबी-07आर-6786 की तलाशी ली। तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल की डिक्की से पारदर्शी पॉलीथिन में छिपाकर रखा संदिग्ध पदार्थ बरामद हुआ। इलेक्ट्रॉनिक तराजू से वजन करने पर इसकी मात्रा 260 ग्राम चिट्टा/हेरोइन पाई गई। पुलिस ने मादक पदार्थ के साथ मोटरसाइकिल और अन्य संबंधित साक्ष्यों को कब्जे में ले लिया। एएसपी नूरपुर धर्म चंद वर्मा ने बताया कि आरोपी संजू कुमार (19), पुत्र मंजीत कुमार, निवासी तमौता, डाकघर उलैहड़ियां, तहसील इंदौरा, जिला कांगड़ा के खिलाफ पुलिस थाना इंदौरा में एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब बरामद नशे के स्रोत, सप्लाई नेटवर्क और आरोपी से जुड़े अन्य संभावित लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

8.16 ग्राम हेरोइन व एक लाख नकदी के साथ दो गिरफ्तार

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बिलासपुर पुलिस की स्पेशल डिटेक्शन टीम ने पट्टा फोरलेन पर नाकाबंदी के दौरान मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को 8.16 ग्राम चिट्टे (हेरोइन) और एक लाख रुपए नकद के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 3 सितंबर को टीम ने पट्टा फोरलेन पर नियमित जांच के लिए नाका लगाया था। इसी दौरान संदिग्ध मोटरसाइकिल को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें युवकों के कब्जे से नशीला पदार्थ और नकदी बरामद हुई।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 22 वर्षीय सुनिल चन्द निवासी सरोट, तहसील बंजार, जिला कुल्लू और 18 वर्षीय अनमोल निवासी नैहला, तहसील श्री नयना देवी जी, जिला बिलासपुर के रूप में हुई है। पुलिस थाना सदर में दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी नशीले पदार्थ की खेप कहां से लाए थे और इसे किसे सप्लाई किया जाना था।

ढलियार फोरलेन पर 11 .38 ग्राम चिट्टे के साथ दो युवक गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला पुलिस की सदर थाना टीम ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत फोरलेन पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो युवकों को हेरोइन (चिट्टा) की खेप के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 11.38 ग्राम चिट्टा और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही ऑल्टो कार को जब्त कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, 2 सितंबर को सदर थाना पुलिस की टीम ढलियार फोरलेन पर गश्त व नाकाबंदी पर मौजूद थी। इस दौरान एक संदिग्ध ऑल्टो कार को जांच के लिए रोका गया। तलाशी लेने पर वाहन के भीतर से 11.38 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद हुआ, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कार सवार दोनों व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान 29 वर्षीय दीपक कुमार पुत्र रूप लाल (निवासी दयोली, तहसील सदर, बिलासपुर) और 24 वर्षीय अतुल ठाकुर पुत्र सुभाष ठाकुर (निवासी जुखाला, तहसील सदर, बिलासपुर) के रूप में हुई है। पुलिस थाना सदर बिलासपुर में दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह खेप कहां से लाई गई थी और इसे स्थानीय स्तर पर किसे सप्लाई किया जाना था। मामले में पूरे बैकवर्ड और फॉरवर्ड नेटवर्क को खंगाला जा रहा है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बहरेपन की पहचान व उपचार की दी जानकारी

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। जिला सोलन में डीफ अवेयरनेस वीक के तहत सीडीपीओ कार्यालय अर्की में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. मुक्ता रस्तोगी के नेतृत्व में हुआ, जिसमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सिविल अस्पताल अर्की के एचआईवी काउंसलिंग एवं टेस्टिंग सर्विसेज के काउंसलर डॉ. विजय कुमार शांडिल ने श्रवण बाधिता की पहचान, रोकथाम, उपचार और पुनर्वास के संबंध में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि बच्चों में सुनने की क्षमता प्रभावित होने से भाषा, शिक्षा और सामाजिक विकास पर असर पड़ सकता है। आवाज देने पर प्रतिक्रिया न देना, तेज आवाज पर ध्यान न देना अथवा बोलने में देरी जैसे लक्षणों की समय रहते पहचान जरूरी है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं को ऐसे बच्चों को स्वास्थ्य केंद्र में जांच के लिए भेजने के लिए प्रेरित किया। बाल विकास परियोजना अधिकारी गीता देवी ने भी कार्यकर्ताओं को बहरेपन के प्रति जागरूक करने तथा पोषण संबंधी जानकारी लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग का समय-समय पर प्रशिक्षण देने के लिए आभार जताया।

शिक्षा को जीवन का मिशन मानने वाले सुरेंद्र सिंह बेदी की पुण्यतिथि पर विशेष

मृत्यु के क्षणों में भी बच्चों की चिंता थी 'ज्ञानी जी' को

जितेन्द्र कौशल, भारतेन्दु संवाददाता, बैजनाथ। कुछ लोग नौकरी करते हैं, जबकि कुछ अपने पेशे को जीवन का मिशन बना लेते हैं। प्रख्यात शिक्षाविद् सुरेंद्र सिंह बेदी, जिन्हें बैजनाथ क्षेत्र में सम्मान और स्नेह से 'ज्ञानी जी' कहा जाता था, ऐसे ही शिक्षक थे। छह सितंबर को उनकी पुण्यतिथि है । शिक्षा के प्रति उनका समर्पण और विद्यार्थियों के प्रति उनका वात्सल्य आज भी उनकी स्मृतियों को जीवंत बनाए हुए है।

सुरेंद्र सिंह बेदी का जन्म 18 अप्रैल, 1935 को पेशावर (अब पाकिस्तान) में दीवान सिंह बेदी के घर हुआ था। वर्ष 1947 के विभाजन के दौरान उनके पिता का निधन हो गया। मां और भाई-बहनों के साथ वह भारत आए और पंजाब के भोगपुर के निकट लड़ोई गांव में बस गए। कठिन परिस्थितियों में मेहनत करते हुए उन्होंने 'ज्ञानी' की परीक्षा उत्तीर्ण की और सुल्तानपुर, पंजाब के एक निजी विद्यालय में अध्यापन कार्य शुरू किया। वर्ष 1958 में वह बैजनाथ के सनातन धर्म स्कूल में पंजाबी शिक्षक नियुक्त हुए। इसके बाद बैजनाथ ही उनकी कर्मभूमि बन गया। उन्होंने बी.एड. किया और विद्यालय के सरकारीकरण के बाद सरकारी सेवा में स्थायी हुए। जीवन के अंतिम समय में वह कृष्णानगर स्कूल में वरिष्ठ अध्यापक थे। बेदी का व्यक्तित्व बहुआयामी था। वह ओजस्वी वक्ता, कुशल चित्रकार, चिंतनशील लेखक और समर्पित शिक्षक थे। साहित्य और इतिहास में उनकी गहरी रुचि थी और उनका अध्ययन बेहद व्यापक था। गणित पढ़ाने में भी वह दक्ष थे। उनकी निजी लाइब्रेरी में विश्व के महान लेखकों की अनेक दुर्लभ पुस्तकें थीं, जिन्हें उनके पुत्र एवं साहित्यकार गुरमीत बेदी ने आज भी सहेजकर रखा है।

अध्यापन उनके लिए नौकरी नहीं, बल्कि जीवन-साधना थी। वह छुट्टियों में भी विद्यार्थियों की कक्षाएं लगाते थे। गरीब बच्चों को अपनी ओर से किताबें उपलब्ध करवाना और उनकी फीस तक भर देना उनके स्वभाव का हिस्सा था। उनके शिक्षक-धर्म के प्रति समर्पण का सबसे मार्मिक प्रमाण जीवन के अंतिम क्षणों में मिला। 6 सितंबर, 1989 को क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, लुधियाना में निधन से कुछ घंटे पहले अचेतन अवस्था में भी वह बड़बड़ा रहे थे— 'बच्चे क्लास में आ गए हैं? मेरा रजिस्टर दो, मैं चलता हूं।'

एक शिक्षक के लिए इससे बड़ी पहचान क्या हो सकती है कि मृत्यु के क्षणों में भी उसके मन में अपने विद्यार्थी और कक्षा ही हों। यह वाक्य उनके पूरे जीवन की तपस्या और शिक्षक के रूप में उनकी निष्ठा का प्रमाण है। आज उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें याद करना केवल एक दिवंगत शिक्षाविद् को श्रद्धांजलि देना नहीं, बल्कि उस गुरु-परंपरा को नमन करना है जिसमें ज्ञान सेवा है और अध्यापन जीवन का धर्म। 'ज्ञानी जी' भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके द्वारा जलाई गई शिक्षा की लौ आज भी उनके विद्यार्थियों की स्मृतियों में रोशनी बिखेर रही है।

फोरलेन निर्माण से प्रभावित लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता पर करें समाधान: डीसी राहुल

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार की अध्यक्षता में आज शिमला-मटौर फोरलेन परियोजना से संबंधित विभिन्न मुद्दों तथा स्थानीय लोगों की समस्याओं के समाधान को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने फोरलेन परियोजना से जुड़े अधिकारियों को प्रभावित लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि फोरलेन निर्माण कार्य के चलते आम लोगों को किसी भी प्रकार की अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित कंपनी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य के दौरान ग्रामीणों के आने-जाने के रास्ते बाधित न हों। जहां निर्माण कार्य के कारण आवागमन प्रभावित होने की संभावना हो, वहां लोगों की सुविधा के लिए वैकल्पिक रास्तों की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जल निकासी व्यवस्था को विशेष प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुए कहा कि फोरलेन निर्माण के कारण प्राकृतिक जल निकासी व्यवस्था प्रभावित नहीं होनी चाहिए। बरसात के दौरान जलभराव अथवा पानी के लोगों के घरों और कृषि भूमि की ओर जाने की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए नालियों एवं ड्रेनेज सिस्टम की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उपायुक्त ने एम्स के समीप पार्किंग व्यवस्था तथा वर्षाशालिका के शीघ्र निर्माण को लेकर भी एनएचएआई एवं संबंधित कंपनी के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-

◆ कहा- जल निकासी और वैकल्पिक रास्तों की उचित व्यवस्था करें सुनिश्चित

निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजना से जुड़े कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुरूप तथा स्थानीय लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूरा किया जाए।

बैठक में एसडीएम सदर राजकुमार, प्रोजेक्ट निदेशक हमीरपुर राकेश यादव, गाबर कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर कविराज सहित संबंधित कंपनी के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

टांडा अस्पताल के पुरुष वार्डों में मोबाइल चोरी से हड़कंप, मरीजों की सुरक्षा पर उठे सवाल

आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। प्रदेश के प्रमुख अस्पतालों में शुमार डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल टांडा में भर्ती मरीजों और उनके तीमारदारों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। अस्पताल के पुरुष वार्डों में मरीजों के मोबाइल फोन चोरी होने की शिकायतें सामने आने के बाद मरीजों में चिंता का माहौल है। मरीजों का आरोप है कि इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती होने के दौरान उनकी हजारों रुपये कीमत के मोबाइल चोरी हो चुके हैं।

मरीजों के अनुसार, वार्डों में कुछ अज्ञात लोग कथित तौर पर ऐसे मरीजों को निशाना बनाते हैं, जो आराम कर रहे होते हैं। बताया जा रहा है कि कई मरीज अपना मोबाइल चार्जिंग पर लगाकर सो जाते हैं। इसी दौरान मौका पाकर मोबाइल चोरी किए जाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। कुछ मरीजों और उनके परिजनों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मोबाइल चोरी होने के बाद शिकायत करने पर उन्हें आश्वासन तो मिलता है, लेकिन चोरी की

◆ इलाज कराने आए मरीजों को चोरों ने लगाया चूना

घटनाओं पर प्रभावी रोक नहीं लग पा रही है। इन घटनाओं ने वार्डों में तैनात सुरक्षा कर्मियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। मरीजों और तीमारदारों का कहना है कि अस्पताल के वार्डों में आने-जाने वाले अज्ञात लोगों पर निगरानी की जरूरत है, ताकि इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। उनका आरोप है कि सुरक्षा व्यवस्था में कथित लापरवाही का खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ रहा है।

कुछ लोगों ने यह भी दावा किया कि चोरी किए गए मोबाइल नशे के आदी युवकों द्वारा सस्ते दामों में बेचने की आशंका है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

इस संबंध में टांडा मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. मिलाप शर्मा ने कहा कि अस्पताल में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल में रोजाना हजारों लोग आते-जाते हैं, ऐसे में हर व्यक्ति पर नजर रखना संभव नहीं है। उन्होंने मरीजों से भी अपने सामान की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने की अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि वार्डों के बाहर तैनात सुरक्षा कर्मियों को निर्देश दिए जाएंगे कि मरीजों और उनके तीमारदारों के अलावा अनावश्यक लोगों को वार्डों में प्रवेश न करने दिया जाए।

बैठक बीपीएल सूची के लिए नौवें चरण की कवायद शुरू, पटवारी, सचिव व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता करेंगे जांच

बीपीएल सूची में पात्र जुड़ेंगे, अपात्र होंगे बाहर: एसडीएम

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। मुख्यमंत्री अपना परिवार सुखी परिवार योजना के तहत बीपीएल यानी पात्र परिवारों के चयन की प्रक्रिया को प्रशासन ने तेज कर दिया है। इसी कड़ी में एसडीएम इंदौरा डॉ. सुरेंद्र ठाकुर की अध्यक्षता में पंचायत प्रधानों और पंचायत सचिवों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में पात्र परिवारों के चयन, सूची के सत्यापन तथा सरकार द्वारा निर्धारित समावेशन और बहिष्करण मानदंडों पर विस्तार से चर्चा हुई।

एसडीएम ने बताया कि आठ चरणों में अब तक 1334 लोग पात्र पाए गए हैं। अब नौवें चरण में बीपीएल सूची का बारीकी से सत्यापन किया जाएगा। इसके लिए पटवारी, पंचायत सचिव और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की तीन सदस्यीय कमेटी गठित की जाएगी। कमेटी संबंधित परिवार की वास्तविक स्थिति की जांच कर सरकार द्वारा निर्धारित मानदंडों के आधार पर पात्रता सुनिश्चित करेगी।

◆ आठ चरणों में मिले 1334 पात्र लोग

◆ अब नौवें चरण में बीपीएल सूची का होगा सत्यापन

प्रशासन का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र परिवार योजना के लाभ से वंचित न रहे और अपात्र व्यक्ति को इसका लाभ न मिले। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी परिवार द्वारा समावेशन की एक या अधिक शर्तें पूरी करना ही अंतिम पात्रता नहीं है। पहले परिवार को पात्रता के लिए चिन्हित किया जाएगा और इसके बाद बहिष्करण मानदंडों की जांच की जाएगी।

सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुसार 27 वर्ष से कम आयु के अनाथ बच्चों वाले परिवार, केवल 59 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों वाले परिवार तथा 27 से 59 वर्ष की आयु की विधवा, अविवाहित, तलाकशुदा या परित्यक्ता महिला के मुखिया वाले परिवार पात्रता के दायरे में आ सकते हैं। 40 प्रतिशत या इससे अधिक दिव्यांगता वाले मुखिया के परिवार, मनरेगा में पिछले वित्तीय वर्ष में कम से कम एक दिन काम करने वाले वयस्क सदस्य वाले परिवार, गंभीर बीमारी या दुर्घटना के कारण स्थायी रूप से अक्षम कमाऊ सदस्य वाले परिवार और भूमिहीन परिवार भी निर्धारित शर्तों के तहत पात्र हो सकते हैं।

इन परिवारों को किया जाएगा बाहर

जिस परिवार का कोई सदस्य आयकरदाता है, जिसकी वार्षिक आय सभी स्रोतों से 75 हजार रुपए से अधिक है, जिसके पास एक हेक्टेयर से अधिक भूमि है या जिसका कोई सदस्य सरकारी, अर्द्धसरकारी अथवा निजी नौकरी में है, उसे बहिष्करण मानदंड के तहत योजना से बाहर रखा जाएगा।

पूरी पारदर्शिता से करें सत्यापन: सुरेंद्र

एसडीएम डॉ. सुरेंद्र ठाकुर ने पंचायत प्रतिनिधियों से सत्यापन पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छूटे हुए पात्र परिवारों को नियमानुसार सूची में शामिल किया जाए और अपात्र लोगों की पहचान कर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र परिवारों तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

किम सेई-यंग की खूबसूरती बेमिसाल

किम सेई-यंग एक दक्षिण कोरियाई पेशेवर गोल्फर हैं। किम एलपीजीए, ऑफ कोरिया टूर और एलपीजीए टूर में खेलती हैं। उन्होंने एलपीजीए ऑफ कोरिया टूर पर पांच बार और एलपीजीए टूर पर बारह बार जीत हासिल की है। इन्हें 2020 एलपीजीए प्लेयर ऑफ द ईयर भी चुना गया।

स्पोर्ट्स विंडो

चाइना मास्टर्स: श्रीकांत को क्वार्टर फाइनल में ली चियुक यिउ ने हराया

एजेंसी, शेनझेन। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का चाइना मास्टर्स 2026 में सफर क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। श्रीकांत को शुक्रवार को शेनझेन एरेना में हांगकांग के ली चियुक यिउ के खिलाफ 16-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। श्रीकांत ने पहले गेम की शुरुआत लगातार दो अंक हासिल करके की, लेकिन ली चियुक यिउ ने जल्द ही वापसी करते हुए मुकाबले पर नियंत्रण बना लिया। हांगकांग के खिलाड़ी ने अपनी बढ़त कायम रखी और भारतीय खिलाड़ी की देर से की गई वापसी की कोशिशों के बावजूद पहला गेम 21-16 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी ली चियुक यिउ ने बेहतर नियंत्रण बनाए रखा और 21-16 से जीत दर्ज कर मुकाबला सीधे गेमों में अपने नाम कर लिया। इस हार के साथ ली चियुक यिउ के खिलाफ श्रीकांत का खराब रिकॉर्ड और बढ़ गया। भारतीय खिलाड़ी को हांगकांग के इस शटलर के खिलाफ लगातार चौथी हार मिली है। दोनों के बीच अब तक हुई भिड़ंत में श्रीकांत की एकमात्र जीत 2018 इंडिया ओपन के पहले दौर में आई थी। श्रीकांत ने इससे पहले अंतिम-8 में पहुंचने के लिए पिछले दौर में विश्व नंबर-9 विक्टर लाई को सीधे गेमों में हराया था। उन्होंने टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में चीनी ताइपे के विश्व नंबर-21 ची यू-जेन को 35 मिनट में 21-16, 21-15 से मात दी थी।

श्रीलंका के कप्तान मेंडिस इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से बाहर

एजेंसी, कोलंबो। श्रीलंका के लिमिटेड ओवर्स कप्तान कुसल मेंडिस इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। श्रीलंका क्रिकेट ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। मेंडिस को दाहिने हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है। 31 साल के मेंडिस के वनडे सीरीज में खेलने पर अभी फैसला नहीं हुआ है। चरिथ असलंका टी-20 सीरीज में श्रीलंका की कप्तानी करेंगे। श्रीलंका के तेज गेंदबाज बिनुरा फर्नांडो भी चोट से उबरने के लिए चल रही रिहैबिलिटेशन के कारण टी-20 सीरीज नहीं खेलेंगे। एसएलसी ने बताया कि फर्नांडो को पीठ में चोट लगी है। एसएलसी ने मेंडिस और फर्नांडो की जगह पवन रत्नायके और दिलशान मदुशंका को टीम में शामिल किया है। इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच पहला टी-20 मैच 15 सितंबर को साउथम्पटन में खेला जाएगा। दूसरा मैच इसके दो दिन बाद 17 सितंबर को कार्डिफ में होगा। सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच 19 सितंबर को मैनचेस्टर में खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच वनडे सीरीज 22 सितंबर से चेस्टर-ले-स्ट्रीट में शुरू होगी। दूसरा वनडे 24 सितंबर को हेडिंग्ले और तीसरा मैच 27 सितंबर को द ओवल में खेला जाएगा। मेंडिस के वनडे सीरीज में खेलने की पुष्टि अभी नहीं हुई है।

त्रिसा-गायत्री के कोच बी. सुमित का नाम एशियन गेम्स लिस्ट में नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली। एशियन गेम्स के लिए भारतीय बैडमिंटन टीम की आधिकारिक कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ लिस्ट में त्रिसा-जॉली और गायत्री गोपीचंद के कोच बी. सुमित रेड्डी का नाम शामिल नहीं है। त्रिसा-गायत्री ने अगस्त में नई दिल्ली में हुई वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत को 15 साल बाद विमेंस डबल्स में मेडल दिलाया था। ऐसे में एशियन गेम्स से पहले जोड़ी के डेडिकेटेड कोच का टीम के साथ नहीं होना अहम है। पूर्व ओलिंपियन बी. सुमित रेड्डी ने मार्च 2025 में प्रोफेशनल बैडमिंटन से संन्यास लिया था। इसके बाद से वह हैदराबाद की पुलेला गोपीचंद अकादमी में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को ट्रेनिंग दे रहे हैं। वह अकादमी में अन्य विमेंस डबल्स खिलाड़ियों के साथ भी काम करते हैं।

महिला एशिया कप: चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भारत की टक्कर आज

दुबई के अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होने वाले मुकाबले में भारत का पलड़ा भारी

एजेंसी, दुबई

महिला एशिया कप के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुकी भारतीय टीम की नजरें अब शनिवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ जीत के साथ लीग चरण का शानदार अंत करने पर हैं। पुरुष हो या महिला, बहु-टीम टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान मुकाबलों को लेकर मैदान के बाहर काफी रोमांच रहता है, लेकिन पिछले काफी समय से मैदान पर मुकाबले उतने प्रतिस्पर्धी नहीं रहे हैं। दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होने वाले मुकाबले में भारत का पलड़ा काफी मजबूत दिख रहा है। भारत के लिए यह मैच केवल औपचारिकता नहीं होगा। विश्व कप में पिछले कुछ मौकों पर समय से पहले बाहर होने के बाद भारतीय टीम को टी20 प्रारूप में कुछ क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है। ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम के वर्चस्व को चुनौती देने के लिए भारत को बेहतर पावर-हिटर और तेज गेंदबाजों का मजबूत पूल तैयार करना होगा।

एशियाई स्तर पर हालांकि भारत के आसपास भी कोई टीम नजर नहीं आती। पिछली बार भारत किसी तरह श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में उपविजेता रहा था। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने अपने शुरुआती मुकाबले में थाईलैंड को हराया है और अब भी सेमीफाइनल की दौड़ में बना हुआ है। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा भी शानदार फॉर्म में हैं। मंधाना ने हांगकांग के खिलाफ यादगार शतक लगाते हुए कई रिकॉर्ड अपने नाम किए और प्रतियोगिता की अन्य टीमों को अपनी बल्लेबाजी क्षमता का संकेत दे दिया। दुबई की पिचों पर बल्लेबाजी आसान नहीं रही है। बल्लेबाजों को आमतौर पर पिच की गति और उछाल को समझने में करीब 10 गेंद लगती हैं और उसी के अनुसार पारी की योजना बनानी पड़ती है। दृष्टकम में प्रतिका रावल, ऋचा घोष और कप्तान हरमनप्रीत कौर की भूमिका अहम होगी। तीनों अच्छी शुरुआत को बड़ी पारियों में तब्दील नहीं कर सकी हैं। खासकर नंबर तीन पर बल्लेबाजी कर रहीं रावल पर दबाव बढ़ रहा है। वनडे में सफल रही रावल टी20 प्रारूप की मांगों के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाई हैं। गेंदबाजी में नंदनी शर्मा का शामिल होना भारत के लिए सकारात्मक कदम रहा है।

संभावित टीमें

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), भारती फुलमाली, ऋचा घोष (विकेटकीपर), गुनालन कमलिनी (विकेटकीपर), प्रतिका रावल, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, प्रेमा रावत, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, नंदनी शर्मा, श्री चरणी, राधा यादव।

पाकिस्तान: फातिमा सना (कप्तान), आयशा जफर, ईमान नसीर, ऐमान फातिमा, गुल फिरोजा, मोमिना रियासत, मुनीबा अली सिद्दीकी (विकेटकीपर), सदफ शमास, नशरा संधू, सादिया इकबाल, सायरा जाबीन, शवाल जुल्फिकार, तुबा हसन, उम्म-ए-हानी और वहीदा अख्तर।

आज से 9 सितंबर तक भारतीय क्रिकेटर्स का होगा फिटनेस टेस्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह समेत भारतीय टीम के चार खिलाड़ी 4 से 9 सितंबर के बीच प्रैक्टिस मैच में हिस्सा लेंगे। अफगानिस्तान के खिलाफ 13 सितंबर से शुरू होने वाली टी-20 सीरीज से पहले इन खिलाड़ियों की फिटनेस का आकलन किया जाएगा। बुमराह के अलावा हर्षित राणा, वॉशिंगटन सुंदर और नीतीश रेड्डी भी मैच सिमुलेशन में शामिल होंगे। ये मैच बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) ने तय किए हैं। बुमराह को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, उनका खेलना फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करेगा। चारों खिलाड़ी अलग-अलग चोटों के कारण भारत के हालिया असाइनमेंट से बाहर रहे हैं।

जसप्रीत बुमराह समेत 4 खिलाड़ी खेलेंगे प्रैक्टिस मैच

सीओई की मेडिकल टीम ने सिलेक्टर्स को दी थी 4 खिलाड़ियों की रिपोर्ट

सीओई को भरोसा है कि चारों खिलाड़ी अफगानिस्तान सीरीज के लिए उपलब्ध रहेंगे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया कि सीओई की मेडिकल टीम ने पिछले पिछले हफ्ते सिलेक्टर्स को रिपोर्ट दी थी। इसमें कहा गया था कि ये चारों खिलाड़ी क्लिनिकली फिट हैं, लेकिन प्रैक्टिस मैचों में उनका आकलन किया जाना बाकी है।' भारतीय खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने के कारण बीसीसीआई का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भी सवालों के घेरे में रहा है। चोटों के चलते टीम को कई मौकों पर पहली पसंद के खिलाड़ियों के बिना मैदान पर उतरना पड़ा है।

यूएस ओपन: राइबाकिना ने बोउजास मानेइरो को सीधे सेटों में दी शिकस्त

एजेंसी, न्यूयॉर्क

दुनिया की नंबर दो खिलाड़ी कजाकस्तान की एलेना राइबाकिना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्पेन की जेसिका बोउजास मानेइरो को 6-2, 6-4 से हराकर यूएस ओपन के तीसरे दौर में जगह बना ली। राइबाकिना ने लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। उन्होंने पहले सेट में 3-0 की बढ़त हासिल की और महज 30 मिनट में सेट 6-2 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में भी कजाकस्तान की खिलाड़ी ने आक्रामक खेल जारी रखा। उन्होंने शुरुआती चार में से तीन गेम जीतकर मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली और आसान जीत की ओर बढ़ती दिखीं। हालांकि मैच के लिए सर्विस करते समय राइबाकिना पहली बार अपनी सर्विस गंवा बैठीं। बोउजास मानेइरो ने जोरदार वापसी की कोशिश की, लेकिन राइबाकिना ने तुरंत खुद को संभाला और अगले ही गेम में फिर उनकी सर्विस तोड़कर मुकाबला 6-4 से अपने नाम कर लिया। जीत के बाद राइबाकिना ने कहा, 'मैं आज की जीत से बहुत खुश हूं। दूसरे सेट में उसने अपने शॉट्स पर ज्यादा भरोसा दिखाया, लेकिन मुझे खुशी है कि मैं मुकाबला खत्म करने में सफल रही।' राइबाकिना इस साल न्यूयॉर्क में खिताब जीतकर डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करने की कोशिश में हैं। इस जीत के साथ उन्होंने अपने तीसरे ग्रैंड स्लैम खिताब की तलाश भी जारी रखी है। टूर्नामेंट से पहले सिनसिनाटी ओपन में चोट के कारण मैच से हटने के बाद राइबाकिना की फिटनेस को लेकर सवाल उठे थे, लेकिन उन्होंने यूएस ओपन में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है।

वर्ल्ड नंबर-4 ऑगर अलियासिम यूएस ओपन से बाहर

करेन खाचानोव ने 6-7, 6-3, 6-2, 6-2 से हराया

एजेंसी, न्यूयॉर्क

न्यूयॉर्क में वीरवार को यूएस ओपन 2026 के दूसरे राउंड में उलटफेर हुआ। मेंस सिंगल्स में दुनिया के 50वें नंबर के रूस के करेन खाचानोव ने वर्ल्ड नंबर-4 कनाडा के फेलिक्स ऑगर अलियासिम को 6-7, 6-3, 6-2, 6-2 से हराकर बाहर कर दिया। पहला सेट गंवाने के बाद खाचानोव ने लगातार तीन सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। वहीं, विमेंस सिंगल्स में इगा स्वियातेक और नाओमी ओसाका भी तीसरे राउंड में पहुंच गई हैं।

पहला सेट गंवाकर खाचानोव ने पलटा मैच

ऑगर अलियासिम ने शुरुआत में 3-0 की बढ़त बना ली थी। खाचानोव ने वापसी करते हुए स्कोर 4-4 किया और पहला सेट टाईब्रेकर तक पहुंचाया। हालांकि, टाईब्रेकर में कनाडाई खिलाड़ी ने सेट जीत लिया। दूसरे राउंड के इस मुकाबले में इसके बाद खाचानोव ने दबदबा बना लिया। दूसरे सेट में उन्होंने 3-0 की बढ़त बनाकर 6-3 से सेट जीता। तीसरे सेट में 6-2 और चौथे सेट में भी 6-2 से जीत दर्ज कर मैच अपने नाम कर लिया। यह ग्रैंड स्लैम में उनकी दूसरी टॉप-10 जीत है। इस जीत के साथ वह एक ही साल में चारों ग्रैंड स्लैम के तीसरे राउंड में पहुंचने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने क्वेंटिन हेली को पांच सेटों में हराया, तीसरे दौर में पहुंचे

एजेंसी, न्यूयॉर्क

शीर्ष वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को यूएस ओपन के दूसरे दौर में फ्रांस के क्वेंटिन हेली ने कड़ी चुनौती दी। ज्वेरेव ने बीरवार देर रात (भारतीय समयानुसार शुक्रवार तड़के) तक चले मुकाबले में विश्व नंबर 52 हेली को पांच सेटों में 6-4, 4-6, 7-6 (7-3), 6-7 (3-7), 6-3 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। 29 वर्षीय ज्वेरेव अपने शुरुआती दो मुकाबलों में अब तक करीब 10 घंटे कोर्ट पर बिता चुके हैं। तीसरे दौर में उनका सामना चिली के अलेजांद्रो ताबिलो से होगा। जीत के बाद ज्वेरेव ने कोर्ट पर दिए साक्षात्कार में कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मेरा प्रदर्शन काफी खराब था लेकिन मैं जीत गया। सबसे महत्वपूर्ण बात यही है।' उन्होंने कहा, 'साढ़े चार घंटे और रात के 2 बजकर 15 मिनट हो चुके हैं। मैं जिम में इसी वजह से मेहनत करता हूं।' ज्वेरेव ने उन दर्शकों का भी आभार जताया, जो देर रात तक मुकाबला देखने के लिए स्टेडियम में मौजूद रहे।

रूसी तेल खरीदने वाले टॉप 5 देशों पर ट्रंप का 100% टैरिफ का प्लान

रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर ट्रंप की नजर

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका में रूस के खिलाफ प्रतिबंधों को और कड़ा करने वाले विधेयक को लेकर चर्चा तेज हो गई है। अमेरिकी सीनेट में भारी बहुमत से पारित रूस प्रतिबंध विधेयक में रूस से कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस खरीदने वाले प्रमुख देशों पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। हालांकि अब यह विधेयक अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में विरोध का सामना कर रहा है। रिपोर्टों के अनुसार नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनाव से पहले इसके आगे बढ़ने की संभावना कम बताई जा रही है। ऐसे में भारत समेत रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों को फिलहाल कुछ राहत मिल सकती है।

इस विधेयक के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को रूस से कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस खरीदने वाले पांच प्रमुख देशों पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने का अधिकार देने का प्रस्ताव है। इसके अलावा रूस पर लगाए गए ऊर्जा प्रतिबंधों को दरकिनार करने में मदद करने वाले शीर्ष पांच देशों पर भी इसी तरह का शुल्क लगाया जा सकता है। रूस से पेट्रोलियम उत्पाद खरीदने वाले प्रमुख देशों में चीन, भारत और तुर्किये शामिल हैं।

विधेयक को लेकर अमेरिकी सांसदों के बीच भी मतभेद सामने आए हैं। प्रतिनिधि सभा में इसके विरोध की एक प्रमुख वजह यह आशंका है कि इससे राष्ट्रपति के शुल्क लगाने के अधिकारों का दायरा बढ़ सकता है। सांसदों को यह भी चिंता है कि रूस से ऊर्जा खरीद पर व्यापक प्रतिबंध लगाने से वैश्विक तेल बाजार प्रभावित हो सकता है। यदि बड़े खरीदारों पर भारी शुल्क लगाया जाता है तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने की संभावना बन सकती है।

भारत के लिए यह मामला विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि देश अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न स्रोतों से कच्चे तेल की खरीद करता है। भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा और उपभोक्ताओं के हितों को प्राथमिकता देते हुए रूस से तेल खरीद के संबंध में अपना रुख स्पष्ट किया है।

सेंसेक्स 362 अंक चढ़कर 76,515 पर बंद, निफ्टी 23,897 पर हुआ बंद

एजेंसी, मुंबई

भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को बढ़त के साथ सप्ताह का कारोबार समाप्त किया। मेटल, निजी बैंकिंग और तेल-गैस क्षेत्र के शेयरों में खरीदारी से बाजार को मजबूती मिली। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 362.57 अंक यानी 0.48 प्रतिशत चढ़कर 76,515.43 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 24.25 अंक यानी 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,897.70 पर पहुंच गया। इस तरह निफ्टी 23,900 के महत्वपूर्ण स्तर के करीब बंद हुआ।

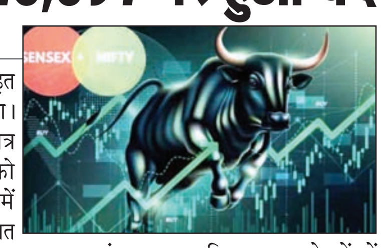

बाजार में कई प्रमुख शेयरों में खरीदारी देखने को मिली। निफ्टी में एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, टाटा स्टील, एचडीएफसी लाइफ, रिलायंस इंडस्ट्रीज और ट्रेंट बढ़त दर्ज करने वाले प्रमुख शेयर रहे। दूसरी ओर एचसीएल टेक्नोलॉजीज, कोल इंडिया, मारुति सुजुकी, भारती एयरटेल और बजाज फिनसर्व में दबाव देखने को मिला। बीएसई पर कुल 4,618 शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें 2,484 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,900 शेयरों में गिरावट रही। 234 शेयरों के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। बाजार में निवेशकों की धारणा को वैश्विक संकेतों और अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ओर से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद से भी समर्थन मिला। क्षेत्रीय कारोबार में मेटल, निजी बैंकिंग और तेल-गैस कंपनियों के शेयरों में खरीदारी का रुझान रहा। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक बाजारों से मिलने वाले संकेत और ब्याज दरों को लेकर उम्मीदें आगे भी घरेलू बाजार की दिशा प्रभावित कर सकती हैं। हालांकि निवेशकों की नजर कंपनियों के प्रदर्शन और व्यापक आर्थिक आंकड़ों पर भी बनी रहेगी।

दक्षिण अफ्रीकी व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल अगले सप्ताह पहुंचेगा दिल्ली

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच आर्थिक और व्यापारिक रिश्तों को नई मजबूती देने के लिए दक्षिण अफ्रीका का एक उच्चस्तरीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल अगले सप्ताह नई दिल्ली पहुंचेगा। यह प्रतिनिधिमंडल 10 और 11 सितंबर को राजधानी में होने वाली ब्रिक्स बिजनेस काउंसिल और बिजनेस फोरम की बैठकों में हिस्सा लेगा। दौरे का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच मौजूद व्यापार असंतुलन को कम करना और नए निवेश तथा कारोबारी सहयोग के अवसर तलाशना है।

दक्षिण अफ्रीकी व्यापार प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व एसएबीबीसी की अध्यक्ष बुसी माबुजा करेंगी। प्रतिनिधिमंडल पारंपरिक खरीदार-विक्रेता संबंधों से आगे बढ़कर सह-निवेश और तकनीकी सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा करेगा। बैठक में ऑटोमोबाइल विनिर्माण, दवा उद्योग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा और कृषि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने पर विशेष जोर रहेगा। दोनों देशों के कारोबारी प्रतिनिधि ऐसे क्षेत्रों की पहचान करेंगे, जहां संयुक्त निवेश और तकनीकी सहयोग से लंबे समय तक आर्थिक लाभ हासिल किया जा सके। आगामी 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले दक्षिण अफ्रीकी प्रतिनिधिमंडल का भारत दौरा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अफ्रीकी महाद्वीपीय मुक्त व्यापार क्षेत्र के जरिए भारतीय कंपनियों के लिए अफ्रीका के बड़े बाजार में प्रवेश और विस्तार की संभावनाएं बढ़ सकती हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीकी कंपनियों को भारत के विशाल उपभोक्ता बाजार और उत्पादन क्षमता का लाभ मिल सकता है। बैठकों में न्यू डेवलपमेंट बैंक की वित्तीय सहायता और उसके माध्यम से संयुक्त परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की संभावनाओं पर भी विचार किया जाएगा।

सेवा मुंबई से हनोई तक अकासा एयर की सीधी उड़ान शुरू, दक्षिण-पूर्व एशिया में बढ़ी मौजूदगी

अकासा ने वियतनाम के लिए शुरू की विमान सेवा

एजेंसी, नई दिल्ली

नवोदित विमान सेवा कंपनी अकासा एयर ने शुक्रवार को राजधानी हनोई के लिए सीधी उड़ान शुरू करने के साथ ही वियतनाम को अपने अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क में शामिल कर लिया। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अकासा एयर की पहली उड़ान शुक्रवार सुबह 5:35 बजे रवाना हुई और स्थानीय समय के अनुसार दोपहर 12 बजे हनोई के नोई बाई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची। इसके साथ ही हनोई अकासा एयर का सातवां अंतरराष्ट्रीय गंतव्य बन गया है। कंपनी के इस कदम से दक्षिण-पूर्व एशिया में उसकी मौजूदगी और मजबूत होने की उम्मीद है।

मुंबई हवाई अड्डे पर नई सेवा की शुरुआत के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। पहली उड़ान में यात्रा करने वाले यात्रियों को विशेष बोर्डिंग पास प्रदान किए गए। कार्यक्रम में अकासा एयर के सह-संस्थापक एवं मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी आनंद श्रीनिवासन और सह-संस्थापक एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष रणनीति भाविन जोशी मौजूद रहे। इस अवसर पर भारत में वियतनाम के राजदूत ट्रिन्ह मिन्ह मान और वियतनाम के महावाणिज्य दूत ले क्वांग बिएन ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। अधिकारियों और एयरलाइन प्रतिनिधियों ने नई हवाई सेवा को दोनों देशों के बीच संपर्क बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

अकासा एयर के अनुसार वियतनाम में भारतीय यात्रियों की रुचि लगातार बढ़ रही है। वियतनाम अपनी समृद्ध संस्कृति, विविध खान-पान, प्राकृतिक सुंदरता और अपेक्षाकृत किफायती यात्रा अनुभव के कारण भारतीय पर्यटकों के बीच लोकप्रिय हो रहा है। ऐसे में मुंबई से हनोई के बीच सीधी उड़ान शुरू होने से यात्रियों को यात्रा के लिए एक सुविधाजनक विकल्प मिलेगा। पहले यात्रियों को कई बार दूसरे शहरों के रास्ते वियतनाम पहुंचना पड़ता था, लेकिन सीधी सेवा से यात्रा का समय और परेशानी कम होने की उम्मीद है।

हनोई वियतनाम की राजधानी होने के साथ ही देश का प्रमुख सांस्कृतिक और आर्थिक केंद्र भी है। यहां ऐतिहासिक स्थलों, पारंपरिक बाजारों और स्थानीय खान-पान के अलावा आधुनिक शहरी जीवन का भी आकर्षण है। भारतीय पर्यटकों के लिए हनोई से वियतनाम के अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंचना भी आसान हो सकता है। इससे पर्यटन क्षेत्र के साथ व्यापार और कारोबारी संपर्क को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है।